RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :15 । अंक:315। पेज:12। mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद, 06 जुलाई 2026 (सोमवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

राम मंदिर दान घोटाला: मोहन भागवत की दो टूक, कहा-हर पापी को मिले सख्त सजा

एजेंसी

बालोतरा । अयोध्या के राम मंदिर में महादान पर डाका पड़ा है। दान पेटी से हुई इस चोरी ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया है। अब इस मुद्दे पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सीधी हुंकार भरी है। उन्होंने साफ कह दिया है कि इस महापाप के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

रविवार को नागपुर में मीडिया के सामने आते ही भागवत ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने अलग से कोई घुमावदार बात नहीं की। भागवत ने सीधे तौर पर संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के बड़े बयान को आगे कर दिया। भागवत ने दो टूक कहा, 'कल ही दत्तात्रेय होसबाले जी ने इस पर पूरा बयान जारी किया है, आप सब उसे ही देखें।'

करोड़ों भक्तों के सीने पर गहरा आघात

होसबाले ने रामलला के दरबार में हुई इस हेराफेरी को अत्यंत निंदनीय बताया है। होसबाले ने कहा कि पीढ़ियों के खून-पसीने, संघर्ष और बलिदान से यह भव्य मंदिर बना है। यह पूरे हिंदू समाज की अटूट आस्था का केंद्र है। रामलला की

दान पेटी पर हाथ साफ करने वालों ने सिर्फ पैसा नहीं चुराया, बल्कि करोड़ों रामभक्तों के भरोसे का कत्ल किया है। इस नीच हरकत से पूरा समाज गहरे सदमे और गुस्से में है।

अयोध्या में राममंदिर चढ़वा चोरी से अत्यंत आहत, दुखी, लज्जित हूँ: गोविन्द गिरि महाराज

एजेंसी

नई दिल्ली। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि महाराज ने पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया है कि चढ़ावा गिनती स्थान और प्रक्रिया से उनका कोई संबंध नहीं रहा है तथा इस जघन्य महापाप की जांच में वह किसी के पक्ष या विरोध में नहीं हैं बल्कि सत्य के पक्ष में हैं। वे मानते हैं कि दोषियों को पकड़ कर दंडित किया जाना चाहिए।

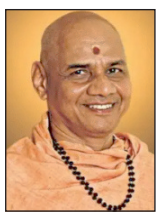

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरि महाराज ने एक बयान जारी कर कहा है कि क्वचढ़ावा चोरी के घटनाक्रम को लेकर वे अत्यंत आहत, दुखी एवं लज्जित हैं।' उन्होंने कहा, 'चोरी कितनी हुई, कब हुई, कैसी हुई यही तो जाँच का विषय है। यह जाँच गहराई से होनी चाहिए। जाँच एजेंसी पर भरोसा रखिए। न्यायालय अपना कार्य करेगा। एसआईटी और पुलिस पर हमें विश्वास है। दोषी बचेंगे नहीं। सभी को जाँच और न्याय-व्यवस्था का पूर्ण विश्वास करना चाहिए। हम न किसी के पक्ष में हैं, न किसी के विरोध में। हम सत्य के साथ हैं। हमारा आग्रह है कि पुलिस जाँच एजेंसी से दोषी को पकड़े और उन्हें दंड दे। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष गोविंद गिरी जी महाराज ने अयोध्या पहुंचने से पूर्व एक निवेदन पत्र सार्वजनिक किया है। इसमें उन्होंने स्थिति को लेकर स्पष्टीकरण दिया है। उनका कहना है कि क्वअयोध्या मंदिर में घटित अविश्वसनीय अर्थ अपहार की घटनाओं ने रामभक्तों का हृदय विदीर्ण किया है।

रामलला के स्थान पर चोरी करने वालों को दी जाए फांसी : महंत दिनेन्द्र दास

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेन्द्र दास ने कहा कि राम मंदिर से जुड़े किसी भी प्रकार के दान की हेराफेरी करने वालों के लिए कोई नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दोषियों को सजा मिलना आवश्यक है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं दोबारा न हों। महंत दिनेन्द्र दास ने बातचीत के दौरान कहा, 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट जो भी फ़ैसला लेगा, उसका पालन किया जाएगा। यह अच्छी बात है कि आरोपियों को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया है। यह जरूरी है कि राम लला के यहां पर चोरी करने वाले व्यक्ति को फांसी की सजा दी जाए। बाकी ट्रस्ट जो भी फैसला करेगा, हम उसे स्वीकार करेंगे।' वहीं, दूसरी ओर

दिल्ली में विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत सुरेंद्र नाथ अवधूत ने इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और सच्चाई सामने नहीं आ जाती, तब तक इस विषय पर किसी भी तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर ट्रस्ट ने स्वयं इस मामले में संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का अनुरोध किया था, जिसके बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने तुरंत कार्रवाई करते हुए एसआईटी का गठन किया है। फिलहाल जांच प्रक्रिया जारी है और निष्कर्ष सामने आने का इंतजार किया जाना चाहिए। महंत सुरेंद्र नाथ अवधूत ने यह भी कहा, 'जो लोग कभी भगवान राम को काल्पनिक बताते थे और उनके अस्तित्व को ही नकारते थे।

जम्मू से 6,721 अमरनाथ तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था रवाना

87 विदेशी नागरिक भी शामिल

एजेंसी

जम्मू। अमरनाथ तीर्थयात्रियों का चौथा जत्था आज तड़के जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो बेस कैंपों (आधार शिविरों) के लिए रवाना हुआ। इस दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। 2,590 तीर्थयात्रियों ने छोटे बालटाल रूट को चुना जबकि 4,131 ने पारंपरिक पहलगाम रूट को चुना है। इस जत्थे में 4,576 पुरुष तीर्थयात्री, 1,310 महिलाएं, 22 बच्चे, 572 साधु, 154 साध्वियां, 38 विदेशी पुरुष श्रद्धालु और 49 विदेशी महिला श्रद्धालु शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि बालटाल जाने वाला काफिला जिसमें 152 गाड़ियां (50 बसें, 12 मीडियम मोटर वाहन और 90 हल्के मोटर वाहन) शामिल थीं सुबह 3:15 बजे भगवती नगर से रवाना हुआ। पहलगाम जाने वाला काफिला जिसमें 139 गाड़ियां (84 बसें, 25 मीडियम मोटर वाहन और 30 हल्के मोटर वाहन) शामिल थीं सुबह 3:45 बजे रवाना हुआ।

बांकीपुर उपचुनाव में जनसुराज से उम्मीदवार होंगे प्रशांत किशोर

पटना। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार होंगे। उनकी उम्मीदवारी की घोषणा रविवार को जनसुराज के अध्यक्ष मनोज भारती ने की। उम्मीदवारी की घोषणा के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि पिछले चार वर्षों से जनसुराज ही उनका जीवन है। उन्होंने कहा कि बांकीपुर से चुनाव लड़ने की जो जिम्मेदारी पार्टी ने उन्हें सौंपी है, उसका वह पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनसुराज की यात्रा आने वाले दिनों में चाहे जितनी भी आगे बढ़े, स्थापना काल से जुड़े साथियों और पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी पर भरोसा जताने वाले मतदाताओं का योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने ओंकारेश्वर में किए ज्योतिर्लिंग के दर्शन

बोले-23 साल पुराना संकल्प पूरा हुआ

इंदौर। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मध्य प्रदेश प्रवास के दौरान खंडवा जिला स्थित प्रसिद्ध तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में ज्योतिर्लिंग भगवान ओंकारेश्वर-ममलेश्वर के दर्शन किए। इस दौरान

उन्होंने कहा कि 23 वर्षों से चली आ रही 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का संकल्प पूरा हुआ। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने मध्य प्रदेश के दो दिवसीय प्रवास के दौरान रात ही ओंकारेश्वर पहुंच गए थे। देर रात उन्होंने सपत्नीक ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग में दर्शन-पूजन किया। वैदिक विधि-विधान से पंडित निलेश पुरोहित एवं सुधीर अत्रे ने पूजा-अर्चना और अभिषेक संपन्न कराया। इसके बाद उन्होंने शयन आरती में भाग लिया। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने रात्रि विश्राम उपरांत रविवार सुबह नर्मदा पूजन और ममलेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान का अभिषेक एवं विशेष पूजन किया।

नितिन नवीन ने पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथ की बैठक

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने लखनऊ प्रवास के दूसरे दिन रविवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्षों के साथपरिचयात्मक बैठक की। बैठक में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी के अलावा उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रदेश सरकार में मंत्री भूपेंद्र चौधरी, राज्यसभा सांसद लक्ष्मीकांत वाजपेई व पूर्व प्रदेश अध्यक्ष रमापति राम त्रिपाठी उपस्थित रहे। इसके बाद भाजपा

अध्यक्ष नितिन नवीन ने भाजपा के सहयोगी दलों के नेताओं के साथ बैठक की।

सहयोगी दलों के नेताओं में रालोद के त्रिलोक त्यागी , निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद, सुभाषपा अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर, अपना दल से आशीष पटेल मौजूद रहे। सभी नेताओं की बात भाजपा अध्यक्ष ने सुनी और सभी से कहा कि - जिताऊ उम्मीदवारों को ही चुनाव लड़ाया जाएगा। इसके बाद जियामऊ स्थित विश्व संवाद केंद्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों से भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने भेंट की।

बाबूलाल मरांडी ने नितिन नवीन से की मुलाकात

संगठनात्मक मुद्दों पर हुई चर्चा

एजेंसी

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच संगठन को मजबूत बनाने, आगामी राजनीतिक रणनीति और विभिन्न समसामयिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। रविवार को बयान जारी कर बाबूलाल मरांडी ने बताया कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ हुई मुलाकात सकारात्मक और सार्थक रही। उन्होंने कहा कि बैठक में संगठन से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों के साथ-साथ वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर भी विचार-विमर्श किया गया।

शादी के बंधन में बंधे आमिर खान और गौरी स्प्रैट

एजेंसी

मुंबई। बॉलीवुड के 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' आमिर खान ने अपनी गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ शादी रचा ली है। 5 जुलाई को मुंबई के पाली हिल स्थित अपने आवास पर दोनों ने बेहद निजी माहौल में स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत कोर्ट मैरिज की। मूसलाधार बारिश के बीच आयोजित इस समारोह में केवल परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल हुए। शादी के बाद दोनों परिवारों ने इस खास मौके का सादगी के साथ जश्न मनाया। शादी के दौरान आमिर के घर के बाहर सुबह से ही हलचल देखने को मिली। बारिश के बावजूद

पैपराजी बड़ी संख्या में वहां मौजूद रहे। समारोह में निर्देशक आशुतोष गोवारिकर समेत कुछ करीबी मेहमान पहुंचे, जबकि रिपोर्ट्स के अनुसार अंबानी परिवार के सदस्य भी नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं देने पहुंचे। आमिर और गौरी ने शुरुआत से ही इस शादी को पूरी तरह निजी रखने का फैसला किया था।

कोच्चि में छह और सात जुलाई को होगी ब्रिक्स महिला कार्य समूह की बैठक

'यह विषय जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम दृष्टिकोण को रेखांकित करता है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत अपनी ब्रिक्स अध्यक्षता के तहत छह और सात जुलाई को केरल के कोच्चि में ब्रिक्स महिला कार्य समूह (डब्ल्यूडब्ल्यूजी) की बैठक की मेजबानी करेगा। बैठक में ब्रिक्स सदस्य देशों के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी महिला सशक्तीकरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने और प्रमुख परिणाम दस्तावेजों को अंतिम रूप देने पर विचार-विमर्श करेंगे। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का मुख्य विषय लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण है। यह विषय जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम दृष्टिकोण को रेखांकित करता है। इसी सोच के अनुरूप ब्रिक्स महिला ट्रैक के लिए चार प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की गई है। इन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में शासन एवं नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी, महिलाओं का डिजिटल और वित्तीय समावेशन, महिला उद्यमिता एवं कौशल विकास, जलवायु कार्रवाई, खाद्य सुरक्षा और पोषण में महिलाओं की भूमिका तथा वैश्विक मंच पर

ब्रिक्स और महिलाओं की बढ़ती भूमिका शामिल हैं। बैठक के दौरान सदस्य देशों के प्रतिनिधि इन विषयों पर साझा रणनीति विकसित करने के साथ-साथ सहयोग को और मजबूत बनाने के उपायों पर भी चर्चा करेंगे। इस बैठक से तैयार होने वाले सुझाव और दस्तावेज आठ और नौ जुलाई को आयोजित होने वाली ब्रिक्स महिला मंत्रिस्तरीय बैठक के लिए आधार तैयार करेंगे। इसके माध्यम से महिला-नेतृत्व वाले विकास और व्यावहारिक सहयोग के प्रति ब्रिक्स देशों की साझा प्रतिबद्धता को वैश्विक स्तर पर रेखांकित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स समूह में वर्तमान में 11 देश शामिल हैं। इनमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका के अलावा मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब और इंडोनेशिया शामिल हैं। ये देश मिलकर वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं।

पीएम मोदी ने गुजरात के चिप संयंत्र में महिलाओं की भागीदारी को सराहा

कहा- 'हमारी युवा शक्ति पर गर्व'

एजेंसी

सानंद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को भारत के तेजी से विकसित हो रहे सेमीकंडक्टर उद्योग में युवा कार्यबल, विशेषकर दूरदराज और आदिवासी क्षेत्रों से आने वाली महिला कर्मचारियों की भूमिका को रेखांकित किया। यह टिप्पणी उन्होंने गुजरात के सानंद में एक दिन पहले सीजी सेमी आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट (ओसैट) सुविधा का उद्घाटन करने के बाद की। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि गुजरात के सानंद में नव उद्घाटित सेमीकंडक्टर संयंत्र में कर्मचारियों के साथ उनकी बातचीत इस दौरे के 'सबसे विशेष क्षणों में से एक' रही। उन्होंने कहा कि इस संयंत्र में कार्यरत कर्मचारियों का एक बड़ा वर्ग देश के दूरदराज के क्षेत्रों से आने वाली महिलाओं का है, जिनमें कई आदिवासी समुदायों से हैं। इन सभी ने सेमीकंडक्टर विनिर्माण में काम करने के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। प्रधानमंत्री ने

लिखा, 'वे भारत के दूरस्थ क्षेत्रों से आती हैं और उनमें से कई आदिवासी पृष्ठभूमि से हैं लेकिन उनके अद्भुत जज्बे ने उन्हें सेमीकंडक्टर तकनीक सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्रशिक्षण लिया और आज वे भारत की सेमीकंडक्टर यात्रा को नई ताकत दे रही हैं।' उन्होंने आगे लिखा, 'हमारी युवा शक्ति पर गर्व! ' सानंद स्थित संयंत्र में कर्मचारियों से बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने एक युवा महिला कर्मचारी से पूछा कि वहां बिताए गए एक वर्ष में उन्हें सबसे अधिक खुशी किस बात से मिली। महिला कर्मचारी ने बताया कि उनके गांव में परिवार आमतौर पर बेटियों को उच्च शिक्षा के लिए घर से बाहर नहीं भेजते, लेकिन सेमीकंडक्टर संयंत्र में नौकरी मिलने के बाद लोगों की सोच बदल गई है। उन्होंने कहा, 'मेरे गांव में कोई भी परिवार अपनी बेटी को पढ़ाई के लिए बाहर नहीं भेजता लेकिन अब जब मैं गांव लौटती हूं तो सभी हैरान रह जाते हैं। वे पूछते हैं कि मैं कहां रहती हूं और क्या पढ़ाई करती हूं। मैं उन्हें बताती हूं कि मैं सीजी सेमी में काम करती हूं और यह मेरे लिए बहुत बड़ा अवसर है।

राजस्थान के श्रीगंगानगर में सेना के ट्रक और एम्बुलेंस में टक्कर

तीन की मौत, दो गंभीर

एजेंसी

श्रीगंगानगर(राजस्थान)। श्रीगंगानगर जिले के सूरतगढ़ क्षेत्र में आज सुबह नेशनल हाइवे-62 पर सेना के ट्रक और एक निजी एम्बुलेंस के बीच भिड़ंत हो गई। हादसे में एम्बुलेंस के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में एम्बुलेंस में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई और कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। यह हादसा

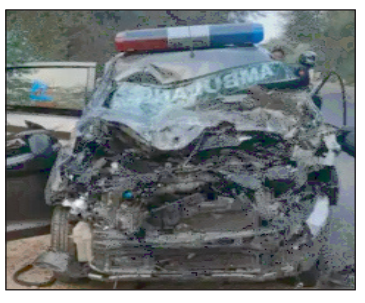

सूरतगढ़ सदर थाना क्षेत्र में 22 एलजीडब्लयू के पास हुआ। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया। गंभीर रूप से घायल दोनों लोगों को तत्काल सूरतगढ़ के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस की प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, तीनों मृतक हिंदुमलकोट थाना क्षेत्र के 5 बी कोनी गांव के निवासी बताए जा रहे हैं। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी, राजस्थान, लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन के अनुसार, तड़के करीब 5:30 बजे सूरतगढ़-श्रीगंगानगर मार्ग पर केंचियां कस्बे के निकट एक सिविल एम्बुलेंस ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे सेना के एएलएस (एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट) वाहन से टकरा गई। हादसे में तीन नागरिकों की मृत्यु हो गई, जबकि घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराकर अस्पताल पहुंचाया गया।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई, एक की मौत, 11 घायल

बहराइच। गोंडा से बहराइच जा रही उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बस रविवार सुबह हादसे का शिकार हो गई, जिसमें एक की मौत और 11 लोग घायल हो गए हैं। बस सीमेंट से लदी ट्रैक्टर-टॉली से टकरा गई। हादसे में ट्रैक्टर चालक की मौत हो गई, जबकि बस के 11 यात्री घायल हो गए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे, सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और उनके उचित इलाज के निर्देश दिए। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। सभी घायलों का इलाज बहराइच मेडिकल कॉलेज में चल रहा है।

रिश्तों में स्वाद के लिए बातचीत: सेक्स के दौरान डर्टी टॉक क्यों ज़रूरी है और इसका पार्टनर पर क्या असर पड़ता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आज के मॉडर्न ज़माने में रिश्तों की परिभाषा और उसे दिखाने का तरीका बहुत बदल गया है। सेक्स (फिजिकल रिलेशनशिप) सिर्फ़ दो शरीरों का मिलन नहीं, बल्कि दो मनों का एक-दूसरे के करीब होना है। पहले के ज़माने में सेक्स के दौरान सिर्फ़ शांति या चुप्पी देखी जाती थी, लेकिन आज 'सेक्सी टॉक' या 'डर्टी टॉक' बहुत आम और आम हो गई है। हालांकि, आज भी कई कपल्स ऐसे हैं जो बिना किसी बातचीत के, चुपचाप इस काम को पूरा करना पसंद करते हैं। लेकिन असलियत यह है कि ऐसा सेक्स पूरा मज़ा नहीं देता, बल्कि सिर्फ़ एक फिजिकल ज़रूरत को पूरा करने तक ही सीमित रहता है। अगर सेक्स के दौरान थोड़ी अच्छी और रोमांचक बातचीत भी जुड़ जाए, तो यह पूरे प्रोसेस को एक अलग ही ऊंचाई पर ले जा सकता है। पुरुषों को भी पसंद होती हैं तारीफ़ और रोमांचक बातें आमतौर पर माना जाता है कि सिर्फ़ महिलाओं को ही तारीफ़ सुनना पसंद होता है, लेकिन पुरुषों की सोच भी इस मामले में काफ़ी मिलती-जुलती है। फिजिकल इंटरकोर्स के दौरान, पुरुषों को अपने पार्टनर से अपनी परफॉर्मेंस, अपनी बॉडी और अपने मूवमेंट्स के बारे में सुनना भी पसंद होता है। जब कोई महिला अपने पार्टनर के कान में एक्साइटिंग बातें फुसफुसाती है, तो पुरुष का जोश और कॉन्फिडेंस दोगुना हो जाता है। रे में खुलकर बात करना शुरू करते हैं, तो फिजिकल इंटरकोर्स सिर्फ़ एक एक्शन न होकर एक दिव्य अनुभव बन जाता है।

फेरकुवा छोटाउदेपुर बोडेली रोड NH 56 पर ज़रूरी पुलों पर 30 टन से ज़्यादा भारी गाड़ियों की आवाजाही

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटाउदेपुर। एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, नेशनल हाईवे डिपार्टमेंट, वडोदरा के पुराने और खराब पुलों के संबंध में, कंसल्टेंट पंकज एम. पटेल, अहमदाबाद को पुलों का डिटेल्ड इंस्पेक्शन करने का निर्देश दिया गया है, जिसके अनुसार कंसल्टेंट पंकज एम. पटेल, अहमदाबाद ने डिटेल्ड इंस्पेक्शन और टेस्टिंग की है और रिपोर्ट जमा कर दी गई है। ज़रूरी पुलों में से, फेरकुवा छोटाउदेपुर बोडेली रोड NH 56 पर 7 पुल (बड़े पुल और छोटे पुल) ज़रूरी पाए गए हैं। लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए, डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट श्री गार्गी जैन ने 30 टन से ज़्यादा वज़न वाले भारी गाड़ियों की एंट्री और डायवर्जन पर पूरी तरह रोक लगाने के बारे में नोटिफिकेशन जारी किया है। नोटिफिकेशन के मुताबिक, फेरकुवा छोटा उदयपुर बोडेली रोड नेशनल हाईवे-56 के कुल 7 पुलों को क्रिटिकल घोषित किया गया है, जिसमें 6 बड़े पुल और 1 छोटा पुल शामिल है। फेरकुवा बड़ा पुल, सोक्ता बड़ा पुल, सुवाल बड़ा पुल, ओरसांग बड़ा पुल, ज़रवा बड़ा पुल और इसके बड़े पुल के साथ वासवा छोटा पुल भी क्रिटिकल हालत में हैं। 30 टन से ज़्यादा वज़न वाले वाहन चालकों को दूसरा रास्ता इस्तेमाल करना होगा, जिसमें बोडेली से अलीराजपुर की ओर जाने वाले 30 टन से ज़्यादा वज़न वाले वाहन बोडेली में मोदासर चौकड़ी, रंगली चौकड़ी, क्वांट होते हुए अलीराजपुर की ओर जा सकेंगे।

BJP मंडल का पंडित दीनदयाल ट्रेनिंग क्लास इदर में पूरा हुआ: कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। भारतीय जनता पार्टी, इदर सिटी मंडल द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ट्रेनिंग क्लास का समापन सत्र साबरकांठा जिले के इदर में सफलतापूर्वक हुआ। प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत आयोजित इस खास क्लास में BJP कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मार्गदर्शन दिया गया। इस ट्रेनिंग क्लास के समापन सत्र में जयेशभाई पटेल मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद थे। अपने भाषण में उन्होंने संगठन के काम को और तेज़ और मज़बूत बनाने पर ज़ोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने कार्यकर्ताओं के व्यक्तित्व विकास, पार्टी की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता और संगठनात्मक काम करने के तरीकों पर विस्तृत और दिलचस्प मार्गदर्शन दिया। इस मौके पर वासुदेवभाई रावल, संगठन अध्यक्ष कुणालभाई कंसारा, महासचिव पीयूषभाई दवे और करुणालभाई सागर के साथ-साथ वरिष्ठ नेता केशुभाई रबारी मौजूद थे। इसके अलावा भारतीय जनता युवा मोर्चा और लघुमति मोर्चा के सभी कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। ट्रेनिंग क्लास के सफल समापन के साथ, मौजूद सभी कार्यकर्ताओं ने भाजपा के विचारों और नीतियों को जनता तक पहुंचाने का दृढ़ संकल्प लिया। इसके साथ ही, उन्होंने भविष्य में आने वाले पार्टी के सभी कार्यक्रमों में और अधिक उत्साह, ऊर्जा और समर्पण के साथ काम करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के अंत में, मौजूद सभी गणमान्य लोगों और कार्यकर्ताओं ने आयोजकों को इस सुंदर कार्यक्रम के लिए बधाई दी।

लायन्स क्लब जावरा की प्रथम व्यवसायिक सभा में पुर्वाध्यक्षों का सम्मान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जावरा। लान्यस क्लब जावरा की प्रथम व्यवसायिक सभा सपन्न हुई जिसमें नवीन अध्यक्ष सुधीर जैन ने अपनी बात रखते हुए सभी लायंस साथियों का शब्दों से स्वागत किया साथ ही आपने सभी सदस्यों से आव्हान करतें हुए सकारात्मकल रुप से सहयोग पुर्व कार्य करने का निवेदन किया गया बेठक में सर्वप्रथम लायन्स जनक मेलविन जोंस के चित्र पर माल्यार्पण कर शरुआत की साथ ही बैठक में उपस्थित लायन्स क्लब जावरा के पुर्वाध्यक्षद्वय का माला पहनाकर स्वागत सम्मान अध्यक्ष सुधीर जैन, सचिवीय प्रतिवेदन संदीप रांका ने करतें हुए लायन्स क्लब जावरा एवं नैत्र चिकित्सालय का प्रगति विवरण देते हुए की चिकित्सालय में 1 जुलाई से 4 जुलाई तक कुल 1044 नैत्र परिक्षण एवं कुल 74 आपरेशन किये गयें। साथ ही लायन्स क्लब जावरा द्वारा किये गए कार्यो की जानकारी दी जिसमें पुर्वाध्यक्ष MJF डॉ शेलेन्द्र पाण्डेय पुर्वाध्यक्ष सुजानमल कोच्चटा के साथ? राजकुमार मारवाड़ी, मुस्तफा सेफ ने सकारात्मक सुझाव के साथ अपने विचार व्यक्त किये सभा प्रारंभ के पुर्व सामुहिक राष्ट्गान एवं ध्वज वंदना अनूप शर्मा ने कर विश्व शांति के लिये कुछ पलों का मौन रखा गया था। व्यवसायिक सभा में पुर्वाध्यक्ष द्वय अनिल धारीवाल, सजीवर्गीस एडवोकेट, अशोक सेठिया,कमल सारडा, संदीप दसेड़ा, राकेश पी कोच्चटा, प्रकाश अरोड़ा, विजय राठौड़, मनीष कोचर, यश सकलेचा, विवेक चौरडिया, अभिषेक पामेचा, विमल सिसोदिया, अर्पित सेठिया, निरज मेहता, संजय चपडोंद, महेन्द्र गंगवाल, सुनिल राठौड़, आदि उपस्थित थे।

खेड़ा जिले में SMC के बाद अब LCB एक्शन में: भ्रष्ट वहीवटदार के आशीर्वाद से चल रहे शराब नेटवर्क पर पुलिस का हमला

खेड़ा में शराब नेटवर्क पर पुलिस की कार्रवाई: माखनपुरा और फतेहपुरा में रेड से हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

नडियाद। खेड़ा जिले में स्टेट मॉनिटरिंग सेल की लगातार छापेमारी के बाद, आखिरकार लोकल LCB पुलिस की नींद खुल गई है। रेगुलर एडमिनिस्ट्रेटर सुभाष के आशीर्वाद से, नडियाद टाउन पुलिस के तहत पारस सर्कल के पास माखनपुरा इलाके में खुलेआम विदेशी शराब बेची जा रही थी। जानकारी सामने आ रही है कि खेड़ा LCB ने गुप्त सूचना के आधार पर इस काले शराब के धंधे पर छापा मारा और एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया, जिससे शराब तस्करों और उनके आकाओं में दहशत फैल गई है। गौरतलब है कि भ्रष्ट वहीवटदार के अंधे तालमेल और आशीर्वाद के कारण, पूरे खेड़ा जिले

में विदेशी शराब की तस्करी, बिक्री और भंडारण का काला धंधा बड़े पैमाने पर फल-फूल रहा है। सूत्रों से मिली चौंकाने वाली जानकारी के अनुसार, नडियाद टाउन की सीमा में तथाकथित वहीवटदार सुभाष के इशारे पर शराब तस्कर एक अनोखा तरीका अपना रहे थे। एजेंसियों की रेड से बचने के लिए, बूटलेगरों को सख्त हिदायत दी गई थी कि वे बिक्री की मुख्य जगह पर थोड़ी मात्रा रखें और बड़ा स्टॉक दूसरी गुप्त जगहों पर छिपा दें, ताकि अगर कोई बाहरी एजेंसी रेड करे, तो कोई बड़ा मामला न बने और बूटलेगर आसानी से भाग सके। लेकिन इस बार LCB टीम ने बूटलेगर गिरीश के इसी छिपे हुए गोदाम का पता लगाया है। LCB ने इस बूटलेगर के शराब रखने की जगह पर रेड मारकर लाखों रुपये का माल ज़ब्त किया है। इसके अलावा, मिली जानकारी के मुताबिक, बताया गया है कि LCB टीम ने चकलासी पुलिस स्टेशन के तहत फतेहपुरा इलाके में इस बूटलेगर के गुप्त अड्डे पर भी रेड मारकर बड़ी मात्रा में विदेशी शहर के रेगुलर वहीवटदार सुभाष, चकलासी के कुलदीप सिंह और वडताल के रिश्वतखोर पुलिसवाले भरत सिंह जैसे लोगों पर कथित मेहरबानी की वजह से पूरे इलाके में शराब देखी जा रही है। इतना ही नहीं, लोगों में यह भी चर्चा है कि LCB PI केवल और वहीवटदार जयेश रबारी ने पूरे खेड़ा जिले में शराब और जुए के गैर-कानूनी कामों को खुली छूट दे रखी है और हर दिन लाखों रुपये का भ्रष्टाचार हो रहा है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब पूरे जिले में शराब और जुए के अड्डे खुलेआम फल-फूल रहे हैं, तो जिला पुलिस चीफ आंखें क्यों मूंदे हुए हैं? क्या पुलिस चीफ की इजाजत के बिना इतना बड़ा नेटवर्क चल सकता है? ऐसे कई सवालों से खेड़ा पुलिस की साख फिलहाल खराब हो रही है।

रानपुर में बारिश से धारपीपला रोड, गायत्री सोसाइटी में पानी भर गया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बोटाद। रानपुर शहर में कल रात भारी बारिश होने से धारपीपला रोड और गायत्री सोसाइटी में बारिश का पानी भर गया। इससे लोकल रहने वालों और ड्राइवरों को काफ़ी परेशानी हुई। भारी बारिश की वजह से धारपीपला रोड, खासकर मार्केटिंग यार्ड, बस स्टेशन और स्कूल के पास नदी की तरह पानी भर गया। इस हालत की वजह से ड्राइवरों और पैदल चलने वालों को आने-जाने में दिक्कत हुई। इसी तरह गायत्री सोसाइटी में भी बारिश का पानी भर गया। पानी निकलने का सही इंतज़ाम न होने की वजह से सोसाइटी के रहने वाले परेशान हो गए क्योंकि सड़क पर पानी भर गया था। मानसून सीज़न की पहली बारिश में हुए इस पानी भरने की घटना ने एडमिनिस्ट्रेशन के प्री-मानसून काम पर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोकल रहने वालों और रहने वालों ने एडमिनिस्ट्रेशन से इस प्रॉब्लम को जल्द से जल्द सॉल्व करने की मांग की है।

मोरवाड़ा गांव में पेयजल संकट गहराया, ग्रामीणों ने प्रशासन से की तत्काल व्यवस्था की मांग

खारा पानी आने से ग्रामीणों की परेशानी बढ़ी

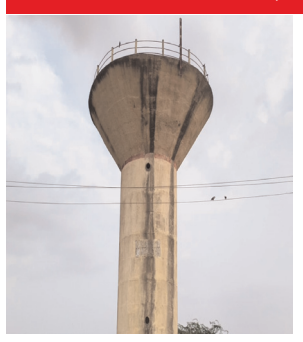

महानगर मेट्रो ब्यूरो

वाव,थराद। सुइगाम तालुका के मोरवाड़ा गांव में पेयजल की गंभीर समस्या से ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में कई वर्षों से नियमित रूप से पीने का पानी नहीं पहुंच रहा है। कभी-कभी पानी की आपूर्ति होती भी है तो वह खारा होने के कारण पीने योग्य नहीं रहता। पानी की कमी से महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे सबसे अधिक प्रभावित हैं। दैनिक उपयोग और पेयजल के लिए लोगों को दूसरे स्थानों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने प्रशासन से गांव में स्वच्छ और नियमित पेयजल आपूर्ति की तत्काल व्यवस्था करने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो वे आंदोलन और प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। अब ग्रामीणों की निगाहें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं।

गुजरात पुलिस टेक्निकल भर्ती परीक्षा की तारीख घोषित

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुजरात। पुलिस भर्ती बोर्ड ने टेक्निकल कैडर के अलग-अलग पदों के लिए होने वाली लिखित परीक्षा की तारीख घोषित कर दी है। भर्ती प्रक्रिया विज्ञापन संख्या GPRB/202526 (2, 3, 4) के तहत चल रही है, जिसमें कुल 950 पदों के लिए उम्मीदवारों का चयन किया जाएगा। इन सभी पदों के लिए लिखित परीक्षा 23 अगस्त, 2026 (रविवार) को होगी।

उम्मीदवारों के लिए आखिरी चरण की तैयारी का समय

परीक्षा की तारीख घोषित होने के साथ ही, अब उम्मीदवारों के लिए आखिरी चरण की तैयारी का समय शुरू हो गया है। परीक्षा से जुड़ी पूरी जानकारी, जिसमें एडमिट कार्ड, परीक्षा केंद्र और समय शामिल है, गुजरात पुलिस भर्ती बोर्ड आने वाले दिनों में घोषित करेगा। कुल 950 पदों के लिए होने वाली इस भर्ती में हजारों उम्मीदवारों के परीक्षा देने की संभावना है। कैंडिडेट्स को सलाह दी गई है कि वे एग्जाम से जुड़े सभी ऑफिशियल इंस्ट्रक्शन्स पर लगातार नज़र रखें। इस भर्ती में पुलिस सब इंस्पेक्टर (वायरलेस) के 172 पद, टेक्निकल ऑपरेटर के 698 पद, हेड कांस्टेबल ड्राइवर मैकेनिक (ग्रेड-1) के 45 पद शामिल हैं। इन पदों के लिए एप्लीकेशन जनवरी महीने में लिए गए थे। इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी की अलग-अलग स्ट्रीम, जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्युनिकेशन, IT, कंप्यूटर साइंस, ऑटोमोबाइल और मैकेनिकल में डिग्री या डिप्लोमा वाले कैंडिडेट्स ने फॉर्म भरे थे। जिसके बाद 21 जून, 2026 को प्रीलिम्स एग्जाम हुआ था। और अब 23 अगस्त, 2026 को रिटन एग्जाम हुआ है।

पोरबंदर स्टेशन यार्ड रीमॉडलिंग कार्य सफलतापूर्वक कमीशन

नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, डबल एग्जिट वॉशिंग लाइन और स्टेबलिंग लाइनों से ट्रेनों-रेक का टर्नअराउंड समय घटेगा, क्षमता व सुरक्षा बढ़ेगी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पोरबंदर। पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल ने रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पोरबंदर स्टेशन के यार्ड रीमॉडलिंग कार्य को 04 जुलाई, 2026 को सफलतापूर्वक कमीशन कर दिया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने से स्टेशन पर रेल परिचालन अधिक सुरक्षित, सुचारु एवं दक्ष बनेगा तथा ट्रेनों एवं रेकों के संचालन में उल्लेखनीय सुधार होगा। मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न इस परियोजना के अंतर्गत स्टेशन के इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम का व्यापक आधुनिकीकरण किया गया है। परियोजना के तहत 72 रूटों के साथ नई इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली स्थापित की गई। इसके अतिरिक्त 25 नए प्वाइंट लगाए गए तथा 16 पुराने प्वाइंट हटाए गए। यार्ड में अब कुल 31 प्वाइंट, 44 डिटेक्शन प्वाइंट, 28 ट्रैक सेक्शन, 10 मुख्य सिग्नल तथा 17 शंट सिग्नल (09 डिपेंडेंट एवं 08 इंडिपेंडेंट) उपलब्ध हैं। यार्ड रीमॉडलिंग के परिणामस्वरूप स्टेशन की परिचालन क्षमता एवं सुरक्षा में व्यापक सुधार हुआ है। इंजन एस्केप लाइन उपलब्ध होने से पूर्व में लाइन संख्या-1 (वर्तमान लाइन संख्या-2) पर होने वाली पुश-बैक मूवमेंट पूरी तरह समाप्त हो गई है, जिससे परिचालन अधिक सुरक्षित एवं तेज हो गया है। इसके साथ ही यार्ड की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिससे ट्रेनों एवं रेकों के संचालन की दक्षता बढ़ेगी। नई डबल एग्जिट पिट-कम-वॉशिंग लाइन के निर्माण से रेकों की धुलाई, हटाने एवं लगाने की प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक त्वरित एवं सुविधाजनक हो गई है। वहीं डबल एग्जिट सुविधा के साथ निर्मित दो नई स्टेबलिंग लाइनों से खाली रेकों की आवाजाही अधिक सुचारु एवं शीघ्रता से संचालित की

जा सकेगी। परियोजना के अंतर्गत नॉन-इंटरलॉक्ड यार्ड को पृथक किए जाने से अब लाइन संख्या-6, 7 एवं 8 पर शंटिंग एवं ट्रेनों की रिसेप्शन प्रक्रिया एक साथ संचालित की जा सकेगी। इससे समय की बचत होने के साथ-साथ परिचालन क्षमता एवं कार्यकुशलता में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यार्ड रीमॉडलिंग कार्य के सफलतापूर्वक पूर्ण होने से पोरबंदर स्टेशन पर ट्रेनों एवं रेकों का टर्नअराउंड समय कम होगा, यार्ड की क्षमता बढ़ेगी, परिचालन में अधिक लचीलापन आएगा तथा सुरक्षा एवं विश्वसनीयता के मानकों में महत्वपूर्ण सुधार होगा। यह परियोजना भविष्य में बढ़ते रेल यातायात को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित ढंग से संचालित करने में भी सहायक सिद्ध होगी। पश्चिम रेलवे यात्रियों को सुरक्षित, आधुनिक एवं विश्वसनीय रेल सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आधारभूत संरचना के विकास तथा अत्याधुनिक तकनीकों के समावेश को निरंतर प्राथमिकता दे रही है।

चौंकाने वाली और दुखद खबर: छोटा उदेपुर के पूर्व MLA और पूर्व वन मंत्री मोहन सिंह राठवा का निधन,

महानगर मेट्रो ब्यूरो

छोटा उदेपुर। गुजरात की राजनीति में एक युग का अंत हो गया है। छोटा उदेपुर के पूर्व MLA और पूर्व वन मंत्री मोहन सिंह राठवा का आज निधन हो गया। पिछले 55 सालों से लगातार राजनीति में सक्रिय और लोगों की सेवा करने वाले इस दिग्गज नेता के निधन की खबर फैलते ही छोटा उदेपुर और गुजरात का पूरा राजनीतिक जगत गहरे शोक में डूब गया है। लाखों लोगों के दिलों में इज्जतदार जगह रखने वाले मोहन सिंह राठवा के जाने से आदिवासी समुदाय और जिले ने एक सच्चा और रास्ता दिखाने वाला नेता खो दिया है।

55 साल का बिना रुके राजनीतिक सफर

मोहन सिंह छोटूभाई राठवा सिर्फ एक नेता नहीं थे, बल्कि छोटा उदेपुर के लोगों के लिए एक पिता तुल्य बुजुर्ग और आस्था का केंद्र थे। उन्होंने अपने जीवन के 55 साल से ज्यादा समय तक ख्र के तौर पर जनता की सेवा की। एक एक्टिव और टैलेंटेड लीडर के तौर पर, उन्होंने गुजरात लेजिस्लेटिव असेंबली में हमेशा लोगों, खासकर आदिवासी इलाकों के मुद्दों पर मज़बूती से बात की। इस बेहतरीन पार्लियामेंट्री परफॉर्मेंस की वजह से उन्हें 'बेस्ट ख्र' का फेम भी मिला। राज्य के फॉरेस्ट मिनिस्टर के तौर पर भी उन्होंने शानदार सर्विस देकर अपनी एडमिनिस्ट्रेटिव स्किल्स का परिचय दिया।

हमेशा लोगों के बीच रहकर और अटूट पॉपुलर वोट हासिल करना

मोहन सिंह राठवा की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे चाहे कितने भी ऊंचे पद पर रहे हों, उन्होंने कभी खुद को आम लोगों से दूर नहीं किया। वे हमेशा आम लोगों के बीच रहते थे, लोगों के सुख-दुख में शामिल होते थे और लोगों का छोटा से छोटा काम करने के लिए भी तैयार रहते थे। सत्ता के घमंड से ऊपर रहकर उन्होंने जो अटूट प्यार कमाया, वह आज भी कायम है। उनका सादा व्यक्तित्व और सेवा का भाव ही उनकी असली पूंजी थी, जिसकी वजह से उन्होंने लाखों लोगों के दिलों पर राज किया। जिले में गहरा दुख, नम आंखों से दी गई श्रद्धांजलि मोहन सिंह राठवा की मौत की खबर मिलते ही छोटा उदयपुर जिले के ग्रामीण इलाकों से लेकर शहरों तक गहरा सन्नाटा पसर गया और लोगों में गहरा दुख फैल गया।

अहमदाबाद: बारिश ने AMC को शर्मिंदा किया: हेलमेट सर्कल के पास सड़क डूबी, कई इलाकों में गड्ढें

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। आधी रात को 2 घंटे में 4 इंच तक बारिश ने स्ष्ट के प्री-मानसून ऑपरेशन को शर्मसार कर दिया है। ओगनाज में सबसे ज़्यादा 4 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई। भारी बारिश की वजह से हेलमेट सर्कल के पास की सड़क डूब गई, जबकि अखबारनगर, मकरबा, मीठाखली अंडरपास बंद कर दिए गए। चांदखेड़ा में शॉर्ट सर्किट की वजह से एक व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई, और दूधेश्वर समेत कई इलाकों में दीवारें गिर गईं। बारिश ने पहले ही शहर का बुरा हाल कर दिया है। अहमदाबाद में आधी रात को हुई भारी बारिश ने स्ष्ट के प्री-मानसून ऑपरेशन को शर्मसार कर दिया है। सिर्फ़ दो घंटे में हुई मूसलाधार बारिश की वजह से शहर के कई इलाकों में पानी भर गया। सड़कें बह जाने से हेलमेट सर्कल जैसी बिज़ी सड़कें डूब गई हैं और कई जगहों पर गड्डें हो गए हैं।

ओगंज में 2 घंटे में सबसे ज़्यादा 4 इंच बारिश

मिली जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में रात 12 बजे से सुबह 2 बजे के बीच औसतन एक इंच बारिश हुई। सबसे ज़्यादा 4 इंच बारिश पश्चिमी इलाके के ओगंज में हुई। भारी बारिश की वजह से अखबारनगर, मकरबा और मीठाखली अंडरपास में पानी भर गया और उन्हें तुरंत ट्रैफ़िक के लिए बंद करना पड़ा। हालांकि, 4 घंटे की कोशिश के बाद, नगर निगम प्रशासन ने पंपिंग शुरू करने के बाद सुबह 7 बजे अंडरपास को फिर से खोल दिया।

हेलमेट सर्कल के पास सड़क डूबी, कई इलाकों की हालत खराब

बारिश का पानी कम होते ही सड़कों की खस्ता हालत सामने आ गई है। विजय चार रास्ता से हेलमेट सर्कल की ओर जाने वाली मेन रोड पर ड्रेनेज लाइन के मैनहोल के पास सड़क डूब गई है। हालांकि यहां कभी भी बड़ा तूफ़ान आ सकता है, लेकिन अधिकारियों द्वारा सही बैरिकेडिंग न किए जाने की वजह से हादसों का डर बना हुआ है। चांदलोडिया के वंदे मातरम इलाके में वृंदावन हाइट्स से सेवी स्वराज तक की सड़क पूरी तरह फिसलन भरी हो गई है। चंद्रभागा नाले के चल रहे काम के आसपास सड़क किनारे बने गड्डें खतरनाक हो गए हैं। सैजपुर के बंगलो इलाके में मेन रोड पर बने बड़े गैप में एक महिला फंस गई, जिसे फायर ब्रिगेड ने समय रहते बचा लिया और इलाज के लिए हॉस्पिटल पहुंचाया। बारिश के साथ शहर में दूसरे हादसे भी सामने आए हैं।

संक्षिप्त न्यूज

गांधीनगरः CM ने भाट सर्किल के 1.5 KM ओवरब्रिज का उद्घाटन किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गांधीनगर को जोड़ने वाली बिज़ी सड़क पर लंबे समय से गाड़ी चलाने वालों के लिए चुनौती बनी ट्रैफिक की समस्या को हल करने के लिए राज्य सरकार ने एक अहम कदम उठाया है। दोनों शहरों के बीच जिले का पहला केबल-स्टेड ब्रिज 175 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार हो गया है। इसका उद्घाटन आज, 5 जुलाई को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने किया। गांधीनगर को अहमदाबाद एयरपोर्ट से जोड़ने वाली सड़क पर भाट चौक पर बना नया केबल-स्टेड फ्लाईओवर ब्रिज आज, रविवार, 5 जुलाई से गाड़ियों के ट्रैफिक के लिए खोल दिया गया है। 175 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक केबल-स्टेड ब्रिज तैयार अहमदाबाद-गांधीनगर हाईवे पर भाट चौक के पास रोज़ाना करीब 1.50 लाख गाड़ियां चलती हैं, जिससे ट्रैफिक जाम की गंभीर समस्या पैदा हो गई थी। इस समस्या को कम करने के लिए, अपोलो सर्कल पर 175 करोड़ रुपये की लागत से 1.48 द्वादृ लंबा एक अत्याधुनिक केबल-स्टेड ब्रिज बनाया गया है। गांधीनगर का यह पहला केबल-स्टेड ओवरब्रिज अब ट्रैफिक की भीड़ के लिए तैयार है।

किसानों को अब पावर टावर-लाइन के लिए मार्केट प्राइस से दोगुना मुआवजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। किसानों के हित में एक अहम फैसला लेते हुए गुजरात सरकार ने पावर टावर और पावर लाइनों के गुजरने से होने वाले असर के लिए मौजूदा मार्केट प्राइस से दोगुना मुआवजा देने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल की लीडरशिप में लिए गए इस फैसले का ऑफिशियल सर्कुलर घोषणा के सिर्फ 24 घंटे के अंदर जारी कर दिया गया है। स्पोक्सपर्सन मिनिस्टर जीतूभाई वघानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी के गुजरात दौरे की वजह से एडमिनिस्ट्रेटिव सिस्टम बिज़ी होने के बावजूद किसानों के हित में फैसले में कोई देरी नहीं हुई है। मुख्यमंत्री, कैबिनेट और सेक्रेटरी के कोऑर्डिनेशन से प्रोसेस जल्दी पूरा किया गया है। पहले किसानों को जंत्री रेट पर मुआवजा मिलता था। अब मार्केट प्राइस से दोगुना मुआवजा दिया जाएगा।

धंधुका के झंजरका के खेतों में पानी भरने से कपास की खड़ी फसल डूब गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। धंधुका तालुका के झंजरका गांव में नर्मदा की अदवाल माइनर नहर से बारिश के पानी की निकासी में रुकावट के कारण खेतों में पानी भर गया है। किसान नुकसान को लेकर परेशान हैं क्योंकि उनकी खड़ी कपास की फसल डूब गई है। किसानों ने तुरंत सर्वे, पानी निकालने की व्यवस्था और फसल नुकसान के लिए मदद की मांग की है।

अंकलेश्वर में दहेज का ज़हरीला कचरा! पॉल्यूशन माफिया के बड़े स्कैम का पर्दाफाश, GPCB बेलगाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। भरूच ज़िले के इंडस्ट्रियल एरिया में पॉल्यूशन माफिया एक बार फिर बेलगाम हो गया है। एक सनसनीखेज मामला सामने आया है कि दहेज SE-2 एरिया में मौजूद रोहा डाइकेम प्राइवेट लिमिटेड से बड़ी मात्रा में केमिकल और कंटैमिनेटेड प्लास्टिक वेस्ट को नियमों को तोड़कर अंकलेश्वर के नोबल मार्केट एरिया के एक गोदाम में डंप किया गया। इस स्कैम की गंभीर शिकायत होने के बाद गुजरात पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की नींद टूटी और अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और पूरी जांच शुरू की। इस पूरे काले धंधे का पर्दाफाश नेचर प्रोटेक्शन बोर्ड ने किया है। नियमों के मुताबिक, दहेज और उसके आस-पास के इंडस्ट्रियल एस्टेट से आने वाले ऐसे खतरनाक और ज़हरीले प्लास्टिक वेस्ट को ऑथराइज़्ड ट्रीटमेंट फैसिलिटी (TSDF) या को-प्रोसेसिंग में भेजना होता है। लेकिन कानून तोड़ने वाली कंपनियां और बिचौलिए इस ज़हरीले कचरे को कबाड़खानों में भेज रहे हैं। इन गोदामों में बिना किसी इजाज़त के इस ज़हरीले प्लास्टिक को धोया जाता है और उससे निकलने वाला केमिकल वाला ज़हरीला पानी सीधे पास की खाड़ियों में बहा दिया जाता है, जिससे पानी में प्रदूषण होता है। इतना ही नहीं, कई जगहों पर इस प्लास्टिक को खुले में जलाने के भी गंभीर आरोप लगे हैं, जिससे हवा में ज़हर घुल रहा है। यह बात सामने आई है कि इस पूरे खेल में सरकारी कागज़ों के साथ बड़ा खेल खेला गया है। ट्रांसपोर्टेशन के लिए जो कागज़ात (मैनिफेस्ट) तैयार किए गए थे, उनमें यह बात छिपाने की कोशिश की गई कि माल एक कानूनी रीसाइक्लिंग प्लांट में जा रहा है। चूंकि यह गैर-कानूनी हेरफेर झूठे कागज़ात के आधार पर हुई है, इसलिए शक है कि इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है। यहां यह बताना ज़रूरी है कि इससे पहले नोबल मार्केट इलाके में भी यही गोदाम आंवला खादी को गुलाबी और ज़हरीला बनाने

के लिए ज़िम्मेदार पाए गए थे और तब GPCB ने कार्रवाई की थी। हालांकि, प्रदूषण माफिया सुधरने का नाम नहीं ले रहा है, जिससे GPCB की पिछली जल्दबाज़ी वाली कार्रवाई पर भी सवाल उठते हैं। खास जानकारी के आधार पर, नेचर प्रोटेक्शन बोर्ड के प्रतिनिधि हरेशभाई ने इस पूरे स्कैम को रंगे हाथों पकड़ा है और सबूतों के साथ GPCB में लिखित शिकायत दर्ज कराई है।

पर्यावरणविदों ने मांग की है कि इस मामले की बिना किसी भेदभाव के निष्पक्ष जांच की जाए और झूठे कागज़ात बनाकर पर्यावरण से छेड़छाड़ करने वाली कंपनियों, ट्रांसपोर्टरों और गोदाम मालिकों के खिलाफ सख्त क्रिमिनल एक्शन लिया जाए और उन्हें जेल में डाला जाए।

कुल की मर्यादा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजस्थान। ग्रामीण क्षेत्र में मई माह की भीषण गर्मी में भरे पूरे परिवार को छोड़कर घर की महिला मुखिया के आकस्मिक निधन ने परिवार की जड़ों को हिला कर रख दिया था। 12 दिनों के संपूर्ण कार्यक्रम करने के बाद अब सबसे बड़ी समस्या और दुविधा उभर कर यह सामने आई कि राजस्थान में घूँघट प्रथा और घर के ज्येष्ठ पुरुषों से महिलाओं की बातचीत न करने की सामाजिक परम्परा के कारण अब घर के पुरुष मुखिया के लिए घर की तीनों बहुओं के लिए प्रश्न यह था कि सासु मां के आकस्मिक निधन के बाद पापाजी से कैसे बात की जाए? कैसे उनसे बात करके,उनसे बोल उनकी परेशानियों को समझ उनके मन को समझने का प्रयास किया जाए,उन्हें संबल दिया जाए ? सामाजिक व्यवस्था और समाज की निर्धारित कथित कुरीतियों के आगे तीनों बहुओं के सामने बहुत बड़ी परेशानी खड़ी कर दी थी। अपने पिता तुल्य ससुर जी की माँ तुल्य सासु माँ के जाने के बाद असहाय सी दयनीय हालत देख घर की बड़ी बहू ने सारी कथित सामाजिक बंदिशों को लांघ अपनी मर्यादा में रह अपने ससुर जी के पैर छूकर क्षमा मांगते हुए विवाह के 22 साल बाद पहली बार उनसे सीधा संवाद कर ससुरजी की अविरल अश्रुधारा की साक्षी बनकर बहू से बेटी होने का फ़र्ज़ निभा दिया। बड़ी बहू की इस पहल ने सामाजिक कानाफूसियों को जमकर हवा भी दी लेकिन फिर भी घर में अचानक आई गम की भयावह काली आँधी के बाद शीतल बयार की सरसराहट अब महसूस होने लगी थी ।

बड़ी बहू के इस फैसले ने दोनों छोटी बहुओं को भी हिम्मत दी और वे भी अपने ससुर जी से सीधे संवाद कर उनकी भीगी पलकों को अपनी भावनाओं से पौंछने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। आज दिवंगत आत्मा ने दूर आसमान से नीचे झाँक कर जब अपनी बड़ी बींदणी के साथ दोनों छोटी बींदणी के इस समर्पण को देखा तब उनकीआँखों में भी खुशी के आँसू छलक धरती पर बारिश की बुंदों में आ गए। आज बड़ी बहू के साथ दोनों बहुएं सिर पर पल्लू रहकर उनकी दुःख सुख की पीड़ा समझ जाती है।

अंतर्राष्ट्रीय पंडवानी गायिका पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन एक युग का अंत महाभारत की कथा को छत्तीसगढ़ी भाषा शैली में पूरे विश्व में पहुंचाने में अतुलनीय योगदान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

हेमंत वर्मा / राजनंदगांव। छत्तीसगढ़ की भिलाई से लगी हुई गनियारी में पली बढ़ी पद्म विभूषण तीजन बाई का आज अवसान हो गया तीजन बाई के निधन पर देश के राष्ट्रपति प्रधानमंत्री केंद्रीय मंत्री मुख्यमंत्री राज्यपाल से लेकर तमाम राजनीतिक व्यक्तियों ने गहरा संवेदना व्यक्त किया है तीजन बाई छत्तीसगढ़ की एकमात्र ऐसी कलाकार रही है जिन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया तीजन बाई ने विगत कई दशकों से छत्तीसगढ़ के लोगों का महाभारत की कथाओं का पंडवानी के माध्यम से वाचन कर जनमानस में अमिट छाप छोड़ी पंडवानी विधा दरअसल महाभारत की कथाओं पर पंडवानी शैली में यानी की गीत संगीत के माध्यम से जीवंत अभिनय करना पंडवानी कहा जाता है पंडवानी के दो मुख्य विधा है पहली काल्पनिक शैली दूसरा है वेदमाती शैली काल्पनिक शैली यानी

की कथा शास्त्रों से ही लिया गया है लेकिन कुछ बातें उसमें मनोरंजन के हिसाब काल्पनिक शैली में उदाहरण देकर समझाया जाता है इस पर तीजन बाई का जबरदस्त पकड़ रहा वह प्रस्तुति ऐसे देते थे जैसे महाभारत का कोई कलाकार पर्दे पर जीवंत अभिनय कर रहा हो इसी तरीके से वेदमाती शैली जो की महाभारत शास्त्र पर आधारित है इसमें भी तीजन बाई की जबरदस्त पकड़ रही है दोनों शैली में पंडवानी में जबरदस्त पकड़ देश के लोग उनकी पंडवानी को बड़े चाव से सुनते ही थे लेकिन विदेशों में भी पंडवानी को लोग बड़े शौक से सुनते थे जब तीजन बाई भीमसेन की ललकार को जब बताते थे तो हाल तालियों से गूंजता था छत्तीसगढ़ में वैसे तो पंडवानी के और भी बहुत बड़े कलाकार हुए हैं लेकिन तीजन बाई जैसे पंडवानी गायिका संभवतः ना पहले हो पाया है ना भविष्य में हो पाएगा तीजन बाई का जाना मतलब पंडवानी के एक युग का खत्म हो जाना निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ की आन-बान शान कहे जाने वाली तीजन बाई ने वैश्विक स्तर पर पूरे छत्तीसगढ़ का मान सम्मान बढ़ाया है अब वह तमूरा की तान और वह भीमसेन की दहाड़ कभी सुनने को नहीं मिल पाएगा हेमंत वर्मा की कलम से

भरूच LCB ने ?4.53 लाख की शराब ज़ब्त कीः नर्मदा गेट के पास खड़ी ईको कार में मिली मात्रा, ड्राइवर की तलाश

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। मुहर्रम और आने वाली रथ यात्रा जैसे त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, भरूच LCB जिले में शराबबंदी से जुड़े अपराधों के खिलाफ़ बड़ी कार्रवाई कर रही है। भरूच ज़िले के पुलिस सुपरिटेंडेंट अक्षय राज के गाइडेंस में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और असामाजिक गतिविधियों को कंट्रोल करने के लिए एक खास ड्राइव चलाई जा रही है। इस ड्राइव के तहत,LCB पुलिस इंस्पेक्टर एम.पी. मल्होत्रा के गाइडेंस में अलग-अलग टीमों ने पेट्रोलिंग और निगरानी का इंतज़ाम किया। इस बीच, LCB के PSI वी.पी. मल्होत्रा की टीम ने पेट्रोलिंग और निगरानी का इंतज़ाम किया। मल्होत्रा को जानकारी मिली कि नर्मदा गेट होटल के सामने सर्विस रोड पर GJ-15-CM-3271 नंबर की एक मारुति इको कार संदिग्ध हालत

में खड़ी है। पुलिस मौके पर पहुंची और कार बिना लाइसेंस की हालत में मिली। कार की तलाशी लेने पर, उसमें कुल 1,032 यूनिट भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर मिली, जिनकी कीमत 2,53,368 थी। इसके अलावा, पुलिस ने कुल 4,53,368 का सामान ज़ब्त किया, जिसमें 2 लाख की एक इको कार भी शामिल है। इस मामले में इको कार के अनजान ड्राइवर को वॉन्टेड घोषित किया गया है और अंकलेश्वर बी-डिवीजन पुलिस स्टेशन में शराबबंदी का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने वॉन्टेड आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है और आगे की जांच कर रही है।

हिम्मतनगर के पास कार में डॉक्टर की लाश मिलीः पुलिस जांच शुरू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। साबरकांठा ज़िले के हिम्मतनगर से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। हिम्मतनगर में सुंदरगढ़ के पास खेड़ तसिया रोड पर खड़ी एक कार में एक जाने-माने डॉक्टर की लाश मिलने से पूरे ज़िले में हड़कंप मच गया। शनिवार रात हुई इस घटना की जानकारी मिलते ही हिम्मतनगर A डिवीज़न पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी कार्रवाई की। घटना की जानकारी यह है कि सुंदरगढ़ गांव के पास सड़क किनारे खड़ी एक कार में एक युवक को सीट पर संदिग्ध हालत में पड़ा देखा गया। स्थानीय लोगों ने इसे देखा और तुरंत 108 इमरजेंसी सर्विस को इसकी जानकारी दी। 108 टीम मौके पर पहुंची और जांच की तो कार में युवक की मौत हो गई। पुलिस को तुरंत 112 पुलिस हेल्पलाइन के ज़रिए इसकी जानकारी दी गई। जानकारी मिलते ही हिम्मतनगर A डिवीजन के PI अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और कार की डिटेल में जांच शुरू की। पुलिस ने बॉडी को कब्जे में लेकर तुरंत

हिम्मतनगर सिविल हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस की शुरुआती जांच में मृतक की पहचान हो गई है। मृतक की पहचान हिम्मतनगर में लक्ष्मी पार्टी प्लॉट के पास श्रीजी सोसाइटी के रहने वाले डॉ. हार्दिकभाई पंकजभाई रावल के तौर पर हुई है। सिविल हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन ने इस बारे में हिम्मतनगर A डिवीजन पुलिस स्टेशन को ऑफिशियली जानकारी दी। इसके आधार पर पुलिस रविवार सुबह सिविल हॉस्पिटल पहुंची और आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू की। फिलहाल, बॉडी का पोस्टमार्टम किया गया है। हालांकि, होनहार डॉक्टर की मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो पाएगी। पुलिस फिलहाल इस मामले की सभी दिशाओं में जांच कर रही है।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस सेंट्रल गुजरात 2026

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। गुजरात का वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस वाइब्रेंट समिट हुआ। सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट गुजरात द्वारा ऑर्गनाइज़ किया गया वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस, महिला एंटरप्रेन्योरशिप, सेल्फ-रिलाएंस और लीडरशिप को बढ़ावा देने के लिए वडोदरा में ऑर्गनाइज़ किया गया था। सशक्त उद्योगिनी संवाद का प्रोग्राम गुजरात के 10 जिलों के इंडस्ट्रियलिस्ट, स्टार्टअप, इंडस्ट्री एक्सपर्ट, पॉलिसी मेकर्स और प्रोफेशनल्स के बीच आइडिया के एक्सचेंज के लिए ऑर्गनाइज़ किया गया था। इस सशक्त उद्योगिनी संवाद में, गुजरात सरकार की तरफ से भरूच और नर्मदा ज़िलों में जानी-मानी (महिला एंटरप्रेन्योर) एंटरप्रेन्योर और पी.एम. श्री कृष्ण आश्रमशाला की प्रिंसिपल, सुश्री श्री. रंजन वसावा भी गुजरात सरकार की तरफ से बुलाई गई स्पीकर के तौर पर मौजूद थीं। इन पैनल डिस्कशन में महिला एंटरप्रेन्योरशिप, इनोवेशन, लीडरशिप, फाइनेंशियल इनक्लूजन, मेंटरशिप और महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे उद्योगों के एम्पावरमेंट जैसे ज़रूरी टॉपिक पर चर्चा हुई। जहाँ अलग-अलग फील्ड की महिलाएँ,

इन्वेस्टर, मेंटर और मार्केटिंग एक्सपर्ट, सफल महिला एंटरप्रेन्योर, स्टार्ट-अप महिलाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर मौजूद थीं। जिन महिलाओं ने शुरू से एक सफल बिज़नेस खड़ा किया है, उन्होंने अपने स्ट्रगल, चैलेंज और सक्सेस स्टोरीज़ शेयर कीं। इन जवाबों की वजह से, जो महिलाएँ एक नई शुरुआत करना चाहती हैं, उन्हें असली गाइडेंस और इंस्पिरेशन मिली। इस मौके पर, भरूच ज़िले से स्पीकर के तौर पर मौजूद रंजन वसावा ने 'सक्षम उद्योगिनी संवाद' में महिला एंटरप्रेन्योरशिप, आदिवासी महिलाओं के इकोनॉमिक एम्पावरमेंट, नेचुरल फार्मिंग, एग्रीकल्चर-बेस्ड वैल्यू एडिशन, कार्बन क्रेडिट और रूरल इंडस्ट्री डेवलपमेंट पर अपने विचार और अनुभव बताए। उन्होंने राज्य सरकार को धन्यवाद दिया और प्रोग्राम पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गुजरात सरकार द्वारा वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस ङ्क सेंट्रल गुजरात 2026 में स्पीकर के तौर पर बुलाया जाना मेरे लिए गर्व, सम्मान और ज़िम्मेदारी का एक कभी न भूलने वाला पल रहा है। मेरे को-पैनलिस्ट और मौजूद सभी पार्टिसिपेंट्स के आइडिया, सवाल और अनुभवों ने इस बातचीत को और भी मतलब वाला और प्रेरणा देने वाला बना दिया। इसके अलावा, इस प्रोग्राम के बारे में उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि मज़बूत एंटरप्रेन्योरशिप की बातचीत महिला एम्पावरमेंट और इकोनॉमिक ऑटोनॉमी की ओर ले जाने वाला एक बहुत ही प्रेरणा देने वाला और पॉजिटिव प्लेटफॉर्म है। इस बातचीत के ज़रिए, समाज में महिला एंटरप्रेन्योर्स को अपनी बिज़नेस स्किल्स को निखारने और नई ऊँचाइयों को छूने के लिए एक मज़बूत प्लेटफॉर्म मिलता है।मेरा पर्सनली मानना ??है कि जब महिलाओं को सही मौके, ट्रेनिंग, मार्केट और फाइनेंशियल सपोर्ट मिलता है, तो वे न सिर्फ़ अपना भविष्य, बल्कि पूरे समाज और इकोनॉमी का भविष्य बदल सकती हैं। प्रोफेशनल लाइफ में कुछ पल सिर्फ़ अचीवमेंट्स नहीं होते, बल्कि ज़िंदगी भर की प्रेरणा बन जाते हैं। आने वाले दिनों में, मैंने भरूच और नर्मदा ज़िलों में महिला सशक्तिकरण, यहां यह बताना ज़रूरी है

मरीजों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए सही कदम उठाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भरूच। आमोद में मौजूद रेफरल हॉस्पिटल में शुक्रवार को पेशेंट वेलफेयर कमेटी की मीटिंग हुई। मीटिंग की अध्यक्षता डिप्टी कलेक्टर डॉ. सुप्रिया गांगुली ने की। जिसमें हॉस्पिटल की सुविधाओं का रिव्यू किया गया। मीटिंग नमो स्वच्छता अभियान और अमृतपान अभियान को ध्यान में रखकर रखी गई थी। अफसरों ने हॉस्पिटल के वार्ड, OPD, मैटरनिटी डिपार्टमेंट का दौरा किया। साफ-सफाई, हेल्थ सर्विस, मरीजों की सुविधाओं का इंस्पेक्शन किया गया। अधिकारियों ने इलाज करा रहे मरीजों से सीधे बातचीत की। उनसे मरीजों की हालत के बारे में पूछा गया। इलाज, दवाइयों, दूसरी सुविधाओं पर फीडबैक लिया गया। मरीजों के फीडबैक के आधार पर हेल्थ सर्विस को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि मरीजों हो। हॉस्पिटल में साफ-सफाई और हेल्थ सर्विस का लेवल बढ़ाया जाए। सभी को हेल्थ स्कीम मिलें, इस पर भी ध्यान देने को कहा गया।

बारिश की आड़ में गैर-ज़िम्मेदार इंडस्ट्रीज़ ने अपना धंधा शुरू कर दिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंकलेश्वर। अंकलेश्वर में लोग बारिश के पानी की निकासी में केमिकल वाले पानी और हवा में ज़हरीले कोहरे से परेशान हो गए हैं। पहली बारिश ने पानी के साथ एयर पॉल्यूशन भी फैला दिया है। लगातार दूसरे दिन भी वाटरशेड में केमिकल वाला पानी बहता देखा गया है। GIDC के

ड्रेनेज में लाल, हरे और भूरे पानी की बाढ़ देखी जा रही है। चिमनियों से निकल रहे केमिकल वाले धुएं ने ज़मीन पर कोहरा बना दिया। हर साल की तरह इस साल भी पहली बारिश के साथ ही अंकलेश्वर GIDC की बारिश के पानी की निकासी लाइनों में लाल, हरे और भूरे रंग का केमिकल वाला पानी बहता देखा गया है। बारिश से माहौल ठंडा होने पर कंपनी के इंसुलेटर और चिमनियों से निकलने वाला केमिकल वाला धुआं ऊपर उठने के बजाय कोहरे के रूप में ज़मीन पर जम गया। जिससे ड्राइवरों और लोकल लोगों को सांस लेने में भी दित हुई। स्थानीय लोगों के अनुसार, हर साल मानसून की शुरुआत में बारिश के पानी के नाले में ऐसा अजीब रंग का पानी देखा जाता है। शक है कि बारिश के पानी की आड़ में केमिकल वाला पानी छोड़ा जा रहा है।

BJP अनुशासित या दागी? अंबाजी BJP नेताओं में विवाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अंबाजी। खुद को भारतीय जनता पार्टी कहने वाली अंबाजी में मतभेद देखने को मिला है। सूत्रों के मुताबिक, जिनके बायोडेटा में पार्टी के प्रति वफादारी से ज़्यादा 'दागी' रिकॉर्ड है, उन्हें ज़िला BJP ने रेड कार्पेट बिछा दिया है। आमतौर पर BJP में एक छोटा सा पद पाने के लिए भी तीन पीढ़ियों के नेताओं और संगठन की अग्निपरीक्षा से गुज़रना पड़ता है। लेकिन अंबाजी में कुछ ऐसे 'चमत्कारी गुरु' एक्टिव हो गए हैं जिन्होंने बनासकांठा ज़िला BJP के मौड़ी मंडल की आंखों पर पट्टी बांध दी है। पार्टी के अंदर चर्चा है कि, "पार्टी की नाकामी के पीछे किस बड़े सिर का हाथ है?" ये वो नेता हैं जो अपने निजी फ़ायदों के लिए पार्टी के उसूलों को अपनी जेब में रखे हुए हैं। भले ही हाईकमान राष्ट्रवाद और भ्रष्टाचार मुक्त शासन की बात कर रहा हो, लेकिन ऐसा लगता है कि अंबाजी में 'दाग अच्छे हैं' की पॉलिसी चल रही है। सच्चे कार्यकर्ता जो सालों से पार्टी का झंडा लेकर चल रहे हैं, कड़ी धूप में मीटिंग के लिए कुर्सियां ??लगा रहे हैं और ज़मीनी काम कर रहे हैं, वे इन नियुक्तियों से नाराज़ हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक कार्यकर्ता ने मज़ाक में कहा"हम यहां सिर्फ़ पार्टी के नारे लगाने आए हैं।

क्या नितिन गडकरी की ई20 नीति की वजह से खराब हो रही हैं गाड़ियां?

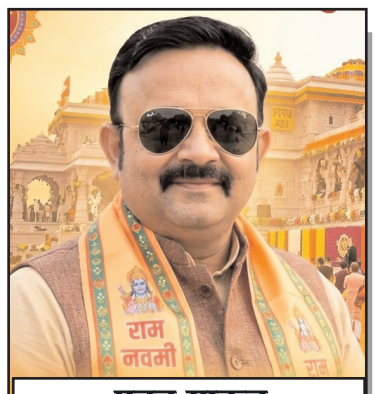

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है।

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पर इन दिनों चौतरफा हमले हो रहे हैं। कभी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ई20 पेट्रोल को वाहनों की खराबी का कारण बताया जा रहा है, तो कभी सड़कों पर उतरने की चेतावनी देकर केंद्र सरकार की एथनॉल नीति के खिलाफ माहौल बनाया जा रहा है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, जो लंबे समय से एथनॉल मिश्रित ईंधन को भारत की ऊर्जा आत्मनिर्भरता और किसानों की आय बढ़ाने का माध्यम बताते रहे हैं, अब उसी नीति को लेकर गंभीर सवालों के घेरे में हैं।

हम आपको बता दें कि ई20 यानी पेट्रोल में 20 प्रतिशत तक एथनॉल मिश्रण को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। ताजा मामले में बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप ने अपनी टोयोटा इनोवा हाईक्रॉस में आई खराबी का आरोप सीधे ई20 पेट्रोल और सरकार की नीति पर लगाया है। मनीष का दावा है कि उनकी दो महीने पुरानी और लगभग 12 हजार किलोमीटर चली गाड़ी का इंजन अचानक खराब हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि फ्यूल टैंक से निकाले गए पेट्रोल में 20 प्रतिशत से अधिक एथनॉल और अशुद्धियां मिलीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में वह काफी भावुक नजर आए और बोले कि लाखों रुपये खर्च कर खरीदी गई गाड़ी इतनी जल्दी खराब हो जाना गंभीर चिंता का विषय है।

देखा जाये तो मनीष कश्यप अकेले नहीं हैं। देशभर में हजारों वाहन मालिक माइलेज घटने, इंजन परफॉर्मेंस कम होने और वाहनों में तकनीकी समस्याओं की शिकायत कर रहे हैं। कई वीडियो में गुलाबी रंग का पेट्रोल, टंकी में पानी जैसी परत और अन्य अशुद्धियां दिखाकर दावा किया जा रहा है कि पेट्रोल में एथनॉल की मात्रा तय सीमा से अधिक है। हालांकि सरकार और पेट्रोलियम मंत्रालय इन दावों को खारिज कर रहे हैं।

इस विवाद ने अब राजनीतिक और सामाजिक रूप भी ले लिया है। राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला ने दिल्ली के जंतर मंतर पर ई20 नीति के खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। 'टीम भारत अगेंस्ट द एथनॉल स्कैम' के बैनर तले प्रस्तावित इस प्रदर्शन को एथनॉल नीति के खिलाफ पहला बड़ा सार्वजनिक आंदोलन बताया जा रहा है। पूनावाला का

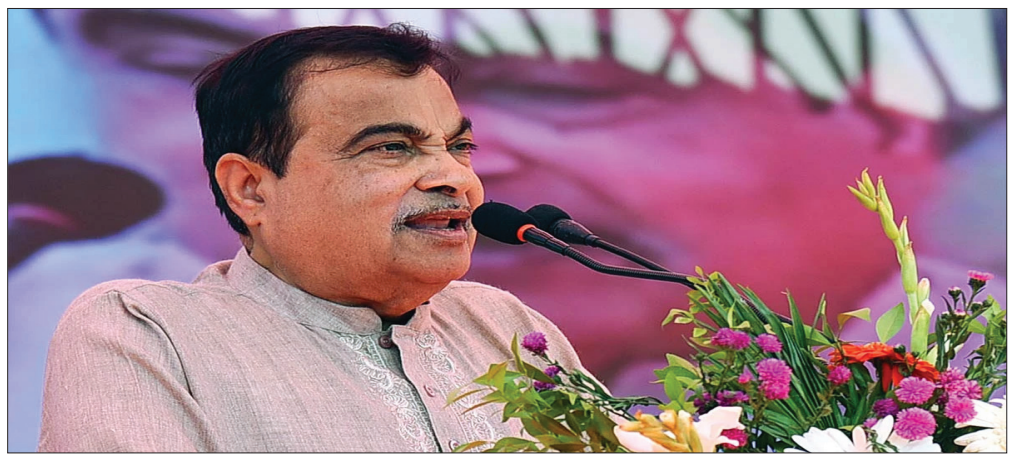

कहना है कि लोग एथनॉल नीति के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि इसकी जल्दबाजी में की गई क्रियान्वयन प्रक्रिया और उपभोक्ताओं को विकल्प न दिए जाने का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि यदि प्रदर्शन की अनुमति नहीं मिली तो कुछ लोग नितिन गडकरी के आवास के बाहर धरने पर बैठ सकते हैं।

देखा जाये तो विवाद केवल वाहन खराबी तक सीमित नहीं है। एक उद्योगपति ने भी सरकार की ई20 नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई का हवाला देते हुए कहा कि सरकार जनता के सामने इस योजना को पूरी तरह सफल बता रही है, लेकिन अदालत में इसे अभी भी 'चल रहा प्रयोग' बताया गया। हालांकि बाद में अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने इस दावे को गलत बताया। वहीं उक्त उद्योगपति का कहना है कि असली चिंता उन उद्योगों और निवेशकों की है जिन्होंने सरकार की नीति पर भरोसा करके एथनॉल संयंत्रों में अरबों रुपये का निवेश किया। यदि एथनॉल की खरीद और मांग ही निश्चित नहीं है, तो निवेशकों को किस भरोसे निवेश के लिए प्रेरित किया गया।

हम आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला भारत पेट्रोलियम निगम लिमिटेड और कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश से जुड़ा था, जिसमें एथनॉल आवंटन प्रक्रिया को दोबारा खोलने की बात कही गई थी। इस सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि सरकार द्वारा एथनॉल खरीद की बाध्यता वास्तव में कितनी मजबूत है। आलोचकों का कहना है कि यदि खरीद केवल 'सर्वश्रेष्ठ प्रयास' के आधार पर होगी तो उद्योगों की वित्तीय स्थिरता पर खतरा पैदा हो सकता है।

सोशल मीडिया पर कई लोगों ने एथनॉल नीति के आर्थिक और कृषि प्रभावों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि ई20 कार्यक्रम भारत को विदेशी मक्के और उससे बने उत्पादों पर अधिक निर्भर बना सकता है। सोशल मीडिया यूजर्स ने यह भी आरोप लगाया है कि यह नीति अब किसान केंद्रित कम और आयात आधारित ढांचे जैसी अधिक दिखाई देने लगी है। उन्होंने सरकार से ई20 की अनिवार्यता पर पुनर्विचार कर ई5 या ई10 जैसे विकल्प फिर से उपलब्ध कराने की मांग की है।

वहीं देशी और विदेशी वाहन निमार्ता कंपनियों ने ई20 पेट्रोल को लेकर मिश्रित लेकिन संतुलित रुख अपनाया है। मारुति सुजुकी, हुंडई, टाटा मोटर्स, महिंद्रा, टोयोटा, होंडा और किआ जैसी कंपनियों ने कहा है कि अप्रैल 2023 के बाद बने अधिकांश नए वाहन ई20 अनुकूल बनाए जा चुके हैं और उनमें इस ईंधन के इस्तेमाल से कोई बड़ा सुरक्षा खतरा नहीं है। वाहन उद्योग संगठन सियाम ने भी माना है कि ई20 से माइलेज में लगभग 2 से 4 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है, लेकिन इससे स्थायी इंजन क्षति का कोई प्रमाण नहीं मिला है। वहीं महिंद्रा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने स्वीकार किया कि ई20 सुरक्षित तो है, लेकिन इससे परफॉर्मेंस और माइलेज पर असर पड़ सकता है। टोयोटा सहित कई कंपनियों ने अपने नए पेट्रोल मॉडलों को ई20 अनुकूल घोषित किया है, जबकि कुछ विशेषज्ञों और कंपनियों ने पुराने वाहनों में सावधानी बरतने की सलाह दी है।

दूसरी ओर केंद्र सरकार लगातार इस योजना का बचाव कर रही है। सरकार का दावा है कि भारत ने निर्धारित समय से पहले दिसंबर 2025 में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार इस कार्यक्रम से देश को 1.90 लाख करोड़ रुपये से अधिक की विदेशी मुद्रा बचत हुई, किसानों को 1.60 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का भुगतान हुआ और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में भारी कमी आई। सरकार का कहना है कि इससे 310 लाख मीट्रिक टन से अधिक कच्चे तेल का विकल्प तैयार हुआ। सरकार का यह भी कहना है कि वाहन कंपनियों और सियाम के साथ व्यापक चर्चा के बाद ही ई20 लागू किया गया और कई निमार्ता वर्ष 2009 से ही ई20 अनुकूल इंजन विकसित कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी माइलेज घटने के दावों को मामूली बताया है। उनका कहना है कि एथनॉल मिश्रित ईंधन से इंजन की नॉकिंग कम होती है और वाहन की गति क्षमता बेहतर होती है। वहीं नितिन गडकरी ने एथनॉल विरोधी प्रचार को 'पेड कैंपेन' करार दिया है। उनका आरोप है कि पेट्रोलियम लॉबी भारत की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होने से परेशान है और इसलिए दुष्प्रचार कर रही है। गडकरी ने यह चुनौती भी दी कि दुनिया में कोई एक उदाहरण दिखाया जाए जहां ई20 पेट्रोल से वाहन स्थायी रूप से खराब हुए हों।

बहरहाल, फिलहाल एथनॉल मिश्रित पेट्रोल पर विवाद थमता नजर नहीं आ रहा। एक ओर सरकार इसे किसानों, पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के लिए क्रांतिकारी कदम बता रही है, तो दूसरी ओर उपभोक्ता, वाहन मालिक और कुछ उद्योग विशेषज्ञ इसके प्रभावों को लेकर गंभीर चिंता जता रहे हैं। आने वाले समय में यह बहस केवल सोशल मीडिया तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि सड़कों, अदालतों और राजनीतिक मंचों तक और तेज होती दिखाई दे सकती है।

संपादकीय

पालमपुर में मॉल रोड

एक हल्की सी शुरूआत भी कारवां बदल देती है और इधर हम सदियां गुजार देते हैं बिना कुछ किए। एक सुखद खबर पालमपुर से आई है। पालमपुर के एसडीएम डा. ओपी यादव ने शहर की तासीर में व्यवस्था बसाने की कोशिश करते हुए मुख्य बाजार को मॉल रोड बनाने का जिम्मा उठा लिया। मॉल रोड यानी वाहन प्रतिबंधित मार्ग। शुक्रवार से रविवार तक शहर का मुख्य बाजार पांच से आठ बजे तक वाहन रहित चलेगा। यह कोई पहली कोशिश नहीं। कई प्रशासनिक अधिकारियों ने अलग-अलग शहरों में मुख्य बाजारों या कुछ अहम सडकों को मॉल रोड बनाने की कोशिश की, लेकिन राजनीतिक दखल, संकीर्णता और नागरिक असहयोग से ऐसा संभव नहीं हो पाया। ऐसे में पालमपुर से हो रहा श्रीगणेश शहरी विकास का अनुशासित पहलू दर्ज कर सकता है। शहरों के बाजारों में पर्यटन की मस्ती अगर कायम करनी है, तो इन्हें वाहन रहित घोषित करना पड़ेगा। मंडी, धर्मशाला, कुल्लू, हमीरपुर, कसौली, डलहौजी व तमाम मंदिरों के प्रमुख बाजारों तथा अहम सडकों को वाहन रहित घोषित करने की जरूरत तब पूरी होगी, जब व्यापार मंडल भी सहयोग करेंगे। करीब डेढ़ दशक पूर्व हमीरपुर के मुख्य बाजार को वाहन रहित मॉल रोड बनाने की मांग उठी, लेकिन व्यापार मंडल नहीं माना। धर्मशाला में ऐसे प्रयास विफल रहे, बल्कि व्यापार मंडल द्वारा वन-वे मानचित्र बनाने की कोशिश में भी जनता आड़े आ गई। वाहन रहित बाजार भले ही समय की मांग हैं, लेकिन ऐसे निर्णयों को अमल में लाने के लिए आवश्यक विकल्पों और नीति-नियमों पर गौर करना होगा। वाहन रहित बाजारों की परिकल्पना में शहर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को आम नागरिक की सहूलियत से जोडा होगा। पालमपुर के बाजार को मॉल रोड घोषित करने के साथ महापार्किंग तथा बाजार तक पहुंचने के लिए इलेक्ट्रिक कार्ट जैसी सुविधा देनी होगी। धार्मिक स्थलों पर बस स्टैंड से मंदिर परिसरों तक रोपवे बिछा कर, वाहन रहित विकल्प तराशे जा सकते हैं। हिमाचल का शहरी पुनर्गठन आवश्यक है और इसके तहत तमाम नगर निगमों के तहत, शहरी विकास योजनाओं का प्रारूप अब अगली सदी के संबोधन में साबित करना होगा। कोलकाता जैसे कई प्राचीन शहरों ने इस लिहाज से कई परियोजनाओं पर काम किए हैं। कोलकाता के बीचों-बीच स्थित कई स्कूल इसलिए अन्यत्र शिफ्ट किए ताकि परिवहन की बाधाएं हटें। कई शहरों में नए ट्रांसपोर्ट कोरिडोर बनाए जा रहे हैं। हिमाचल में परिवहन के विकल्प तथा भौगोलिक स्थिति के अनुरूप रज्जु मार्ग, झूला पुल तथा पैदल भ्रमण कोरिडोर विकसित करने होंगे। इतना ही नहीं, हर शहर की दीर्घकालीन परियोजनाओं में न्यू मार्किट, सब्जी बाजार, कार्यालय परिसर, सामुदायिक मैदान, महापार्किंग स्थल, स्थानीय परिवहन नेटवर्क, टैक्सी स्टैंड, वोल्वो बस स्टैंड, सामुदायिक सेवा स्थल-काउंटर, मनोरंजन पार्क तथा विभिन्न गतिविधियों के जोन स्थापित करने होंगे। बेशक हिमाचल के कुछ शहर नगर निगमों के परिचय से सुसज्जित हो गए हैं, लेकिन इनके परिचय में निखार के लिए नीतियों, कार्यक्रमों, योजनाओं, परियोजनाओं और प्राथमिकताओं में बदलाव चाहिए।

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

शेर का होना और समाज में उसकी पहचान

शेर बचेंगे तो विरासत बचेगीः समाज की स्वीकृति ही असली सुरक्षा

शेर एक जंगली जानवर है, लेकिन जिस तरह उसका स्वभाव भावनाओं से जुड़ा है, उसे जंगली या बेपरवाह नहीं माना जा सकता, वह ऐसा ही जानवर है। वह ज़्यादातर समाज में ही रहता है। अगर कोई किसी मनगढ़ंत डर से या उससे आने वाली बदबू की वजह से उससे नफ़रत करता है, तो अलग बात है, लेकिन अगर आप उसे राजा मानकर परेशान नहीं करते, तो उसे आपको परेशान करने में बिल्कुल भी दिलचस्पी नहीं है!!? भगवान श्री कृष्ण ने गीता के विभूतियोग में कहा है कि मृगनाम् मृगनेन्द्रदहम्। मैं जानवरों में शेर हूँ। हाल की घटनाओं ने एक बार फिर समाज में शेर के लिए दुश्मनी वाला माहौल बना दिया है। यह भी स्वाभाविक है कि जब किसी के परिवार का कोई सदस्य गुज़र जाता है, तो उसके प्रति नापसंदगी या दुश्मनी होना स्वाभाविक है! लेकिन हमें शेर के लिए कुछ बातें समझनी होंगी और उसके असर की भी चिंता करनी होगी !शेर अब रेवेन्यू एरिया का रहने वाला बन गया है, यानी जहाँ हम खेती करते हैं। इनकी संख्या बढ़ने की वजह से आज ये गुजरात के करीब 11 जिलों और 35,000 स्क्वायर किलोमीटर में दिखते हैं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि इंसानों के साथ इनका रिश्ता और गहरा हो गया है। लेकिन हमें इनसे डरने या इनसे जलने की ज़रूरत नहीं दिखती। 200 द्दद वज़न वाला यह विशालकाय जानवर हम सभी के लिए गर्व की बात है कि यह एशिया में सिर्फ़ एक ही जगह पर दिखता है। यही वजह है कि गिर और उसके आस-पास के इलाके टूरिज़्म इंडस्ट्री के तौर पर दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर खींचते हैं। इतना ही नहीं, हर साल कम से कम 35 लाख टूरिस्ट इस जानवर की तरफ़ खिंचे चले आते हैं। इससे

50 लाख से ज़्यादा लोगों को रोज़गार मिलता है। लेकिन इसे हमारी विरासत की निशानी मानकर इसे बनाए रखना और सलाम करना भी एक ज़िम्मेदारी है! समाज के सभी हिस्सों को इनकी सामाजिक स्वीकृति की चिंता करनी चाहिए। 2019 में मुझे अफ़्रीकी देश रवांडा जाने का मौका मिला। वहाँ मैंने एकेगारा नाम की एक सैंक्चुअरी देखी। वहां के लोकल लोगों ने बताया कि जब 1995 में रवांडा में नरसंहार हुआ था, तो अफ़्रीकी शेरों की संख्या बहुत ज़्यादा थी। लेकिन उस नरसंहार के साथ ही वहां के लोकल आदिवासी लोगों का शेरों से कोई लगाव नहीं रहा।

इसलिए उन्होंने 1995 में सभी शेरों को मार डाला। उस सैंक्चुअरी से शेर खत्म हो गए। फिर लोकल सरकार ने तंजानिया जैसे देशों से शेरों को लाकर उन्हें फिर से बसाने की कोशिश की। लेकिन उनके साथ सोशल इंटरेक्शन या कोऑर्डिनेशन की कमी के कारण शेरों को फिर से नहीं बसाया जा सका। जो भी शेर आए, वे फिर मर गए। यह उदाहरण दिखाता है कि अगर समाज इस जानवर को अपना नहीं मानेगा, तो ज़ाहिर है इसके होने पर सवाल उठेंगे!! एक नागरिक के तौर पर सरकार की ज़िम्मेदारी जान-माल की सुरक्षा करना भी है, इसलिए सभी नागरिकों को अलर्ट करके, अगर कोई घटना होती है, तो जल्दी से मुआवज़ा देकर आग बुझाई जा सकती है। उसके लिए जनता का गुस्सा कम किया जा सकता है। समय-समय पर मुआवज़े की पॉलिसी को फिर से बनाना चाहिए, ज़रूरत पड़ने पर फ़ॉरेस्ट डिपार्टमेंट को अलग-अलग कमेटियाँ बनानी चाहिए और शेर की पब्लिक एक्सेप्टेंस के लिए ज़रूरी प्रोग्राम ऑर्गनाइज़ करने चाहिए, तभी हम ज़रूर शेर के होने को मान पाएँगे और उसे लंबे समय तक बनाए रख पाएँगे। नहीं तो, उसके होने पर सवाल उठ रहे

वास्तविकताः सांसों का अपमान और राख का सम्मान

क्या आपने कभी श्मशान की राख पर इत्र लगाते लोगों को देखा है? हां, हम सब रोज़ इसी अंधेर नगरी का खेल खेल रहे हैं

इंसान जब ज़िंदा होता है, सांसें ले रहा होता है, आपकी आंखों के सामने धड़क रहा होता है, तब उसकी मौजूदगी हमें खटकती है। उसकी आवाज़ हमें शोर लगती है और उसकी सलाह हमें एक बंधन महसूस होती है। लेकिन जैसे ही वही इंसान लकड़ियों के बीच सिमटकर राख बन जाता है, तो अचानक हमारे दिलों में प्यार का समंदर उमड़ आता है! जो होंठ पूरी ज़िंदगी उसके लिए दो मीठे बोल नहीं निकाल पाए, वो होंठ उसके जाने के बाद उसकी तारीफों के पुल बांधते थकते नहीं हैं। जिन आंखों ने कभी उसे प्यार से नहीं देखा, वो आंखें श्मशान की उड़ती धूल को देखकर फूट-फूट कर रोने लगती हैं। यह कैसा ढोंग है? यह कैसी विकृत मानसिकता है जहां ज़िंदा व्यक्ति की कोई कीमत नहीं और मरा हुआ व्यक्ति भगवान बन जाता है? क्या हमारी संवेदनाओं को जगाने के लिए किसी की मौत की ख़बर का होना ज़रूरी है? 'ज़िंदा इंसान को धक्का मारने वाला आज मरे हुए इंसान को कंधा देने के लिए कतार में खड़ा है। कद्र करनी है तो सांसों की करो, राख पर बहाए गए आंसू तो सिर्फ एक सामाजिक रिवाज़ हैं। '

आखिर ज़िंदा रहते कद्र क्यों नहीं होती?

इंसान की इस कड़वी मानसिकता के पीछे दो मुख्य बातें छुपी हुई हैं

प्रतिस्पर्धा और अहंकारः ज़िंदा इंसान हमारे सामने एक चुनौती है। अगर हम उसके जीते जी उसकी तारीफ करेंगे, तो हमारा अहंकार छोटा हो जाएगा। हमें लगेगा कि हम उससे कमतर साबित हो गए। लेकिन मरा हुआ इंसान कभी आपके साथ प्रतिस्पर्धा (कंपटीशन) करने नहीं

आने वाला, इसलिए उसकी तारीफ करने में हमारा अहंकार आड़े नहीं आता।

आसानी से उपलब्ध होना जो व्यक्ति आज हमारे साथ है, वह कल भी रहेगा ही–हम उसे खोने का डर ही भूल जाते हैं।

कॉर्पोरेट जीवन का कड़वा सच

एक ऑफिस में एक ईमानदार और मेहनती कर्मचारी दिन-रात देखे बिना काम करता है। उसके जीते जी उसका बॉस या उसके सहकर्मी कभी उसकी पीठ नहीं थपथपाते। इसके विपरीत, उसकी छोटी-मोटी गलतियाँ ढूंढकर उसे टारगेट किया जाता है, उसे मानसिक तनाव दिया जाता है। वह व्यक्ति जीते जी सम्मान और सराहना के लिए तरसता रहता है।

परंतु, एक दिन अचानक काम के दबाव या हार्ट अटैक से उस कर्मचारी का निधन हो जाता है। अगले ही दिन ऑफिस में दो मिनट का मौन रखा जाता है। बॉस भरे गले से स्टेज पर आकर कहता है, * 'वह हमारी कंपनी का सबसे चमकता हुआ हीरा था, उसकी कमी कभी पूरी नहीं हो पाएगी। ' * अब सोचिए, जो प्रशंसा उसके जीते जी उसे मानसिक शांति दे सकती थी, वह उसकी मौत के बाद ऑफिस के नोटिस बोर्ड पर श्रद्धांजलि बनकर लटके– इससे बड़ी इस समाज की और क्या लाचारी हो सकती है?

माता-पिता की व्यथा

एक पिता ने पूरी ज़िंदगी मज़दूरी करके अपने बेटों के लिए बंगले और गाड़ियां खड़ी कर दीं। लेकिन जब वही पिता बूढ़े हुए, तो बेटों के पास उनके पास बैठकर पांच मिनट बात करने का भी समय नहीं था। पिता दवा के बिल के लिए बेटे के आगे हाथ फैलाते और बेटा उस खर्च को 'बोझ' समझता। घर में जीते जी उस पिता का स्थान एक कोने की खाट तक ही सीमित था।

जैसे ही वे पिता शांत हो गए (उनकी मृत्यु हो गई), बेटों ने लाखों रुपए खर्च करके तेरहवीं (मृत्यु भोज) की, पूरे गांव को दावत पर बुलाया। पिता की तस्वीर पर सोने की बॉर्डर वाला फ्रेम चढ़वाया और घर के मुख्य हॉल में बीचों-बीच लटका दिया! हर सुबह उस तस्वीर के आगे अगरबत्ती जलाई जाती है। जो बाप जीते जी घर में खटकता था, वो मरने के बाद घर की शान बन गया! यह कैसा न्याय है?

जागने की ज़रूरत कब है?

श्मशान में लकड़ियां सजाते समय आँखों में आने वाले आँसू प्यार नहीं, बल्कि 'देर से जागा हुआ पछतावा' हैं। पत्थर की मूर्तियों पर दूध-पानी चढ़ाने वाले हम इंसान, ज़िंदा इंसान को प्यासा मार देते हैं। अगर आपके आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति है जो आपके लिए कुछ अच्छा कर रहा है–फिर चाहे वो आपके माता-पिता हों, जीवनसाथी हो, दोस्त हो या कोई कर्मचारी–तो जब तक उसकी सांसें चल रही हैं, उसका हाथ थामकर कह दीजिए कि 'तुम मेरे जीवन में बहुत कीमती हो। ' उसे जीते जी प्यार और सम्मान दीजिए। क्योंकि इंसान के जाने के बाद आप सोने की थाली में भी छप्पन भोग परोस देंगे, तो भी वह राख कभी उसे खाने वापस नहीं आएगी!

समय पर की गई कद्र ही रिश्तों का अमृत है, बाकी सब तो सिर्फ अहंकार का प्रदर्शन है।

दर्शना पटेल(नेशनल मेडलिस्ट)
(नेशनल अवार्ड से सम्मानित)
स्पोर्ट्स टीचर।

चंबल-मालवा के आस्था केंद्र टेकरी सरकार ट्रस्ट में उथल-पुथल, 20 में से 12 स्थाई सदस्यों की मौत के बाद वैधानिकता पर उठे सवाल

गुना के प्रसिद्ध हनुमान टेकरी सरकार मंदिर ट्रस्ट में अंदरूनी कलह तेज हो गई है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गुना। मालवा-चंबल अंचल के लाखों श्रद्धालुओं की अगाध आस्था का केंद्र ऐतिहासिक श्री हनुमान टेकरी सरकार मंदिर ट्रस्ट इन दिनों गंभीर प्रशासनिक और आंतरिक संकट के भंवर में फंसा हुआ है। पूर्व मंत्री महेंद्र सिंह सिसौदिया द्वारा संरक्षक के पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद, अब एक और प्रमुख ट्रस्टी राजेंद्र अग्रवाल (पुत्र स्व. रामबाबू अग्रवाल) ने भी अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। इस लगातार होते इस्तीफों के दौर ने ट्रस्ट की आंतरिक गुटबाजी और व्यवस्थापकीय खामियों को सरेआम उजागर कर दिया है। यह पूरा विवाद ऐसे समय में गहराया है जब गुना टेकरी ट्रस्ट की वैधानिकता को लेकर लोक न्यास पंजीयन अधिकारी (एसडीएम कोर्ट) के समक्ष एक बेहद गंभीर कानूनी मामला विचाराधीन है। शिकायतकर्ताओं ने वर्ष 1982 में गठित इस मंदिर ट्रस्ट के बायलॉज का हवाला देते हुए बेहद चौंकाने वाले आरोप लगाए हैं। नियमों के मुताबिक, ट्रस्ट के मूल 20 स्थाई सदस्यों में से ही हर साल पदाधिकारियों का चयन

अनिवार्य है। शिकायत में खुलासा हुआ है कि इन 20 मूल ट्रस्टियों में से 12 सदस्यों की मृत्यु कई वर्ष पहले ही हो चुकी है। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर इन रिक्त पदों पर नई नियुक्तियां तो कर ली गईं, लेकिन इसकी कोई वैधानिक सूचना लोक न्यास पंजीयन अधिकारी को नहीं दी गई।

विहिप-बजरंग दल का तीखा विरोध

प्रशासनिक गड़बड़ियों के अलावा, ट्रस्ट हाल ही में प्राचीन शिवालय से दशकों पुरानी शिव परिवार की प्रतिमाओं को विस्थापित करने के अपने फैसले को लेकर भी चौतरफा घिरा था। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के उग्र विरोध तथा जनआक्रोश के बाद ट्रस्ट के अध्यक्ष नारायण लाल अग्रवाल और सचिव ओ.पी. बरौनिया को बैकफुट पर आना पड़ा था। हालांकि, ट्रस्ट ने विरोध करने वालों को गैर-सनातनी बताते हुए कोर्ट जाने की धमकी दी थी, लेकिन इस जमीनी गतिरोध ने ट्रस्ट के भीतर की रार को और बढ़ा दिया, जिसका नतीजा अब लगातार हो रहे इस्तीफों के रूप में सामने आ रहा है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में बड़ा खुलासा! 1 साल पुराना डेटा रिकवर, चैट्स से खुला 2 करोड़ की चोरी का राज

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच में अयोध्या पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है. पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन का बैकअप हासिल कर लिया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है. जिन चैट्स को आरोपियों ने हमेशा के लिए मिटा हुआ समझ लिया था, वही अब उनके खिलाफ सबसे बड़े सबूत बनते दिख रहे हैं. अयोध्या पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपियों के मोबाइल का बैकअप हासिल कर लिया है. करीब एक साल पहले डिलीट किया गया डेटा भी रिकवर कर लिया गया है. सूत्रों के मुताबिक, रिकवर हुए मोबाइल डेटा से 2 करोड़ रुपये से ज्यादा की कथित चोरी से जुड़े सुराग मिले हैं. चैट्स में चोरी की रकम के बंटवारे को लेकर आरोपियों के बीच आपस में ही विवाद होने की बातें सामने आई हैं. जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, पुलिस को पहले से शक था कि आरोपियों ने मोबाइल बदल दिए हैं और पुराने फोन का डेटा डिलीट कर दिया है. इसी वजह से साइबर एक्सपर्ट्स की मदद ली गई. फॉरेंसिक जांच के दौरान न सिर्फ पुराने मोबाइल का बैकअप निकाला गया, बल्कि करीब एक साल पहले डिलीट किए गए चैट, डेटा और दूसरी डिजिटल जानकारी भी रिकवर कर ली गई. पुलिस ने मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला और अनुकल्प मिश्रा के नए मोबाइल फोन का डेटा भी हासिल कर लिया है. अब जांच टीम इन डिजिटल रिकॉर्ड को पूरे केस की टाइमलाइन से जोड़कर देख रही है. सूत्रों के मुताबिक, रिकवर हुई चैट्स में सबसे बड़ा खुलासा पैसों के बंटवारे को लेकर हुआ है. फरवरी 2026 में अनुकल्प मिश्रा और लवकुश मिश्रा के बीच चोरी की रकम को लेकर तीखी बहस हुई थी. चैट्स में अनुकल्प, लवकुश पर आरोप लगा रहा था कि उसने ज्यादा रकम अपने पास रख ली और उसका पूरा हिस्सा नहीं दिया. यानी जिस रकम के लिए कथित तौर पर पूरा खेल खेला गया, उसी रकम के बंटवारे ने आरोपियों के बीच दरार भी पैदा कर दी.

2 करोड़ से ज्यादा की रकम के मिले सुराग

सूत्रों के मुताबिक, मोबाइल डेटा से पुलिस को 2 करोड़ रुपये से अधिक की कथित चोरी से जुड़ी जानकारी मिली है. अब जांच टीम इन चैट्स में लिखी रकम का मिलान बैंक खातों में हुए ट्रांजेक्शन से कर रही है. अगर चैट्स और बैंक रिकॉर्ड एक-दूसरे से मेल खाते हैं, तो यह जांच की सबसे मजबूत कड़ियों में से एक हो सकता है. जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आरोपियों ने नए मोबाइल फोन खरीद लिए थे. पुलिस को शक है कि ऐसा पुराने डिजिटल सबूतों से दूरी बनाने के लिए किया गया होगा.

UP : मजदूरी विवाद में मकान मालिक की हत्या, राजमिस्त्री और उसके साथियों ने पीट-पीटकर मार डाला

चमनगंज गांव में मजदूरी के भुगतान को लेकर हुए विवाद में मकान मालिक राममिलन गुप्ता की क्रिकेट बैट से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई. आरोप है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले से एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है. यहां अंतू थाना क्षेत्र के चमनगंज गांव में मजदूरी के भुगतान को लेकर हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया. आरोप है कि राजमिस्त्री और उसके साथियों ने मकान मालिक की क्रिकेट बैट से पीट-पीटकर हत्या कर दी. घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है. जानकारी के मुताबिक शनिवार देर रात मकान मालिक राममिलन गुप्ता और निर्माण कार्य कर रहे राजमिस्त्री राजाराम व उसके तीन सहयोगियों के बीच मजदूरी के पैसे को लेकर कहासुनी हो गई. विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने कथित तौर पर शराब के नशे में अपना आपा खो दिया और क्रिकेट बैट से राममिलन गुप्ता पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया. गंभीर चोटें लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई.

पुलिस की तलाश में जुटी पुलिस

वारदात को अंजाम देने के बाद चारों आरोपी मौके से फरार हो गए. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई. इसके बाद पुलिस अधीक्षक भी भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. पुलिस अधिकारियों के अनुसार मामले की जांच शुरू कर दी गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई थीं. कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है.

महंगे फोन के साथ बनाई रील, बदमाशों ने समझ लिया करोड़पति! फिर किडनैप कर मांगी 10 लाख की फिरौती

मध्य प्रदेश के पन्ना में 19 साल का युवक सोशल मीडिया पर महंगे मोबाइल और लग्जरी लाइफस्टाइल की रील्स बनाता था. रील्स देखकर बदमाशों ने उसे करोड़पति समझ लिया और किडनैप करने की साजिश रच डाली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पन्ना। रील बनाओ, लेकिन सोच-समझकर... मध्य प्रदेश के पन्ना से आई यह खबर सोशल मीडिया पर अपनी लग्जरी लाइफ दिखाने वालों के लिए बड़ी सीख बन सकती है. यहां 19 साल के युवक ने महंगे मोबाइल और ठाठ-बाट वाली रील्स सोशल मीडिया पर पोस्ट कीं. इन्हीं रील्स को देखकर तीन बदमाशों ने उसे अमीर समझ लिया. फिर प्लान बना, युवक का अपहरण हुआ और परिवार से 10 लाख रुपये की फिरौती मांग ली गई. मामला पन्ना जिले के पवई का है. अपहृत युवक की पहचान 19 साल के अंशुल के रूप में हुई है. वह इलाके के एक कपड़ा व्यापारी का बेटा है. पुलिस के मुताबिक, तीनों आरोपियों ने सोशल मीडिया पर अंशुल की रील्स देखीं. महंगे मोबाइल, स्टाइल और लाइफस्टाइल देखकर उन्हें लगा कि लड़का काफी संपन्न परिवार से है. इसके बाद उन्होंने 27 जून को उसे किडनैप कर लिया. फिरौती की सूचना मिलते ही पन्ना पुलिस हरकत में आई. सबसे पहले उस

बैंक खाते को फ्रीज कराया गया, जिसमें पैसे भेजे गए थे. इसके बाद तकनीकी निगरानी और लगातार तलाश के जरिए पुलिस ने युवक को सकुशल बरामद कर लिया. पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया. इनमें राजकमल रजक, राजकुमार पाल और शिवेंद्र सिंह शामिल हैं. उनके कब्जे से एक पिस्टल, दो देसी कट्टे और दो बाइक बरामद की गईं. गिरफ्तारी के बाद पवई पुलिस ने तीनों आरोपियों का नगर के मुख्य बाजार से पैदल जुलूस निकाला. पुलिस का कहना है कि इसका मकसद लोगों के मन से अपराध का डर खत्म करना और अपराधियों में कानून का खौफ पैदा करना था. जुलूस के दौरान तीनों आरोपी पुलिस के बीच सिर झुकाए चलते दिखाई दिए. बाद में उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया. थाना प्रभारी सुशील कुमार अहिरवार के मुताबिक, शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया पर युवक की रील्स देखकर उसे आर्थिक रूप से बेहद मजबूत समझ लिया था. इसी वजह से उसे निशाना बनाया गया और फिरौती मांगने की साजिश रची गई. हर रील सिर्फ लाइक्स नहीं लाती, कभी-कभी गलत लोगों की नजर भी खींच लेती है. सोशल मीडिया पर अपनी आर्थिक स्थिति, महंगे गैजेट्स, गाड़ियों या रोजमर्रा की लोकेशन का जरूरत से ज्यादा प्रदर्शन कई बार अपराधियों के लिए सुराग बन सकता है.

जमानिया स्टेशन के पास बड़ा रेल हादसा टला: दानापुर-बेंगलुरु संघमित्रा एक्सप्रेस से टकराया लोहे का गेट,

गाजीपुर पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के तहत जमानिया स्टेशन के पश्चिम की तरफ एक बड़ा हादसा टल गया।

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गाजीपुर। पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के तहत जमानिया स्टेशन के पश्चिम की तरफ किलोमीटर संख्या 712 के पास स्टार्टर सिग्नल के निकट एक बड़ा रेल हादसा ड्राइवर की सतर्कता से टल गया। अप लाइन पर रेल पटरी पर पड़ा मालगाड़ी का लोहे का गेट (डाला) दानापुर से बेंगलुरु जा रही अप 2296 संघमित्रा एक्सप्रेस के इंजन से टकरा गया। अब इस मामले में जांच करने के बाद दोषियों पर कार्रवाई की बात रेलवे के उच्च अधिकारियों के ओर से की जा रही है। इस मामले में लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगा कर दुर्घटना को टाल दिया। ड्राइवर ने ट्रेन रोकने के बाद इंजन से उतरकर रेल पटरी पर पड़े मालगाड़ी के गेट को ट्रैक से हटाकर किनारे रख दिया। इस दौरान ट्रेन करीब पांच मिनट रुकी रही। इस घटना को लेकर लोको पायलट ने वॉकी-टॉकी से सूचना जमानिया स्टेशन को दिया। वहां से इस घटना की सूचना दानापुर रेल कंट्रोल को मिली। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए शनिवार को दानापुर मंडल के वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त उदय सिंह पवार ने जमानिया पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ दिलदारनगर आरपीएफ पोस्ट प्रभारी गणेश सिंह राणा और बक्सर आरपीएफ निरीक्षक कुंदन कुमार मौजूद रहे। वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त ने इस मामले में कर्मचारियों से पूछताछ की। इसके साथ ही इस घटना की विस्तृत जानकारी भी लिया। प्राथमिक जांच में सामने आया कि घटना वाले दिन शाम करीब 640 बजे एक मालगाड़ी इस ट्रैक से गुजरी थी। उसके बाद कई ट्रेनों का इस ट्रैक से आना जाना हुआ लेकिन किसी भी ड्राइवर को पटरी पर गेट दिखाई नहीं दिया।

ग्वालियर के हस्तिनापुर में बच्चों के क्रिकेट झगड़े में कूदा सनकी पिता, 11 साल के मासूम पर बैट से किए ताबड़तोड़ वार

ग्वालियर के हस्तिनापुर थाना क्षेत्र में बच्चों के बीच हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। बेटे से कहासुनी होने पर एक पिता ने गुस्से में आकर 11 साल के खिलाड़ी पर क्रिकेट बैट से ताबड़तोड़ हमला कर उसके तीन दांत तोड़ दिए

महानगर मेट्रो ब्यूरो

ग्वालियर। बच्चों के बीच खेल-खेल में हुई मामूली कहासुनी एक खूनी और दर्दनाक वारदात में बदल गई। हस्तिनापुर थाना क्षेत्र के किरावली में एक सनकी पिता ने गुस्से में अपना आपा खोते हुए मैदान में खेल रहे 11 वर्षीय मासूम खिलाड़ी पर क्रिकेट बैट से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। आरोपी द्वारा किए गए वार इतने जोरदार और बर्बर थे कि बच्चे के सामने के तीन दांत टूट गए और उसका ऊपरी होंठ बुरी तरह फट गया। लहूलुहान हालत में मासूम को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए इलाज शुरू किया। ग्राउंड जीरो से मिली जानकारी के मुताबिक, उटीला के किशनलाल का पुरा निवासी रणवीर सिंह 2 जुलाई को सपरिवार अपनी बहन के घर किरावली आए हुए थे। शाम करीब 430 बजे उनका 11 साल का बेटा दिनेश गांव के अन्य बच्चों के साथ खेत में बने मैदान पर क्रिकेट खेल रहा था। इसी दौरान खेल के नियमों को लेकर दिनेश की राहुल बंजारा नाम के बच्चे से कहासुनी हो गई। विवाद की भनक लगते ही राहुल का पिता बालकिशन बंजारा गुस्से में तमतमाता

हुआ सीधे मैदान पर पहुंच गया। उसने बिना कुछ सोचे-समझे अपने ही बेटे के हाथ से क्रिकेट बैट छीना और सीधे दिनेश के मुंह पर दे मारा। हमले के बाद जब दिनेश जमीन पर गिरकर तड़पने लगा, तब भी आरोपी का दिल नहीं पसीजा। जाते-जाते आरोपी बालकिशन बंजारा ने पीड़ित परिवार को सरेआम धमकी दी कि अगर इस मामले की शिकायत पुलिस में की, तो वह उन्हें जान से मार देगा। घटना के अगले दिन पीड़ित परिवार ने हिम्मत जुटाकर हस्तिनापुर थाने में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी बालकिशन के खिलाफ मारपीट और गंभीर धारा के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

मथुरा में बड़े सेक्स रैकेट का भंडाफोड़, आपत्तिजनक हालत में मिली 7 युवतियां और 10 युवक

मथुरा के थाना राया क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के राया कट के पास स्थित दो गेस्ट हाउसों पर पुलिस ने छापेमारी कर कथित देह व्यापार के नेटवर्क का भंडाफोड़ किया.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मथुरा। यमुना एक्सप्रेसवे के किनारे चल रहे कथित देह व्यापार के बड़े नेटवर्क का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है. राया कट के पास स्थित दो गेस्ट हाउसों पर एक साथ छापेमारी कर पुलिस ने 17 लोगों को हिरासत में लिया है. मामले को लेकर पुलिस की पूछताछ जारी है. पुलिस का दावा है कि पूछताछ में सेक्स रैकेट नेटवर्क को लेकर कई बड़े खुलासे हो सकते हैं.

दरअसल थाना राया क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के राया कट के पास स्थित 'रॉयल होटल' और 'न्यू सांवरिया गेस्ट हाउस' पर शनिवार को पुलिस ने एक साथ छापेमारी की. जानकारी के मुताबिक छापेमारी के दौरान दोनों गेस्ट हाउसों में आपत्तिजनक हालत में 10 युवक और 7 युवतियां मिलीं. पुलिस टीम को देखते ही सब भागने लगे. जिसके बाद पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया. पुलिस के अनुसार पकड़ी गई युवतियां दिल्ली, पंजाब, अलीगढ़ और पश्चिम बंगाल की रहने वाली हैं. सभी से पूछताछ की जा रही है और पूरे नेटवर्क के संचालन, उससे जुड़े लोगों तथा संभावित सरगनाओं की पहचान के लिए जांच तेज कर दी गई है. यह कार्रवाई सीओ महावन संजीव कुमार राय के नेतृत्व में की गई. सीओ ने बताया कि इन गेस्ट हाउसों में लंबे समय से अनैतिक गतिविधियां संचालित होने की शिकायतें मिल रही थीं. शिकायतों के सत्यापन के बाद पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी की. मौके से मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. अधिकारियों का कहना है कि नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका भी खंगाली जा रही है और जांच के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी.

मेरठ में अंतरराज्यीय मोबाइल चोरी नेटवर्क का पर्दाफाश, पुलिस ने चार आरोपी दबोचे, चीन-बांग्लादेश तक तार

मेरठ पुलिस ने चार ऐसे अंतरराज्यीय गिरोह के चार लोगों को गिरफ्तार किया है, जो चोरी के मोबाईल ओर पुराने खरीदे गए मोबाइलों के मदर बोर्ड वाया दिल्ली असम के रस्ते चीन और बांग्लादेश को बेचते थे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेरठ। मेरठ की मेडिकल थाना पुलिस ने मोबाइल चोरी और उसके अवैध कारोबार से जुड़े एक बड़े अंतरराज्यीय नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया गिरोह चोरी और कबाड़ से खरीदे गए मोबाइल फोन के मदरबोर्ड से आईएमईआई (ढ्ढरूश्वढ्ढ) चिप निकालकर उन्हें असम के रास्ते चीन और बांग्लादेश तक भेजता था। आरोपियों के कब्जे से बड़ी संख्या में आईएमईआई चिप निकाले गए मोबाइल मदरबोर्ड, अन्य इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स तथा एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। पुलिस अब इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों, सप्लायरों और खरीददारों की तलाश में जुटी है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में जागृति विहार एक्सटेंशन निवासी सलमान, लक्खीपुरा निवासी फुरकान, अहमदनगर निवासी अनस तथा असम के बारपेटा का रहने वाला मिजानुर रहमान शामिल है। मिजानुर फिलहाल मेरठ के लोहियानगर थाना क्षेत्र स्थित

आशियाना कॉलोनी में रह रहा था और पूरे नेटवर्क की कड़ी माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, 27 मई को कालियागढ़ी निवासी नितिन शर्मा के दो मोबाइल फोन चोरी हो गए थे। इस मामले में मेडिकल थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद पुलिस ने सर्विलांस और तकनीकी जांच शुरू की। जांच के दौरान मिले इनपुट के आधार पर शनिवार को रिंग रोड स्थित जागृति विहार एक्सटेंशन में घेराबंदी की गई। यहां पुलिस ने चारों आरोपितों को उस समय दबोच लिया, जब तीन स्थानीय आरोपी दो कट्टों में भरे मोबाइल मदरबोर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स मिजानुर रहमान को सौंप रहे थे। तलाशी के दौरान बरामद सभी मदरबोर्ड से आईएमईआई चिप पहले ही निकाली जा चुकी थी। पुलिस का कहना है कि आईएमईआई चिप हटाने का मकसद मोबाइल की पहचान पूरी तरह खत्म करना था, ताकि चोरी का सामान आसानी से दूसरे राज्यों और विदेशों तक पहुंचाया जा सके। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में यह भी सामने आया कि गिरोह स्थानीय स्तर पर चोरी किए गए मोबाइल फोन और कबाड़ में बिकने वाले खराब मोबाइल बेहद कम कीमत पर खरीदता था। इसके बाद मोबाइलों को खोलकर उनके उपयोगी इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स अलग किए जाते थे। सबसे पहले आईएमईआई चिप हटाई जाती थी, जिससे डिवाइस की पहचान समाप्त हो जाए। इसके बाद मदरबोर्ड और अन्य पार्ट्स दिल्ली भेजे जाते थे, जहां से उन्हें असम पहुंचाया जाता था। असम में मौजूद संपर्कों के माध्यम से यह सामान चीन और बांग्लादेश भेजा जाता था।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

दिल्ली में महिला की हत्या... पति ने एक्साइड बैट्री से पीट-पीटकर मारा, फिर खुद भी दे दी जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है. जहां एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी. फिर खुद भी जहर खा लिया. जिससे दोनों की मौत हो गई. इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई. फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और मामले की जांच में भी जुट गई है. पुलिस के मुताबिक विनय ने अपनी पत्नी निशा पर एक्साइड बैटरी से हमला किया. फिर खुद भी उसने एल्युमीनियम फॉस्फाइड की गोलियां खा लीं और बाद में अपनी बहन को घटना के बारे में बताया. दोनों को संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, जहां निशा को मृत घोषित कर दिया गया और विनय को भी मृत घोषित कर दिया गया. दोनों का पोस्टमार्टम किया गया है और शव अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिए गए हैं.

अलग रह रहे थे दोनों

रणहोला पुलिस स्टेशन BNS की धारा 103(1) के तहत FIR दर्ज की गई है और जांच जारी है. वहीं आरोपी की बहन का कहना है कि हालात ऐसे थे कि मेरे बड़े भाई और भाभी अलग रहते थे, जबकि मेरी मां और छोटा भाई यहां रहते थे. उसने बताया कि भाभी फोन पर बात कर रही थीं तो मैंने उसे ऐसा करते हुए पकड़ लिया. कुछ दिनों बाद मेरा भाई घर आया और कहा कि उसने ज़हर खा लिया है. फिर उसने बताया कि उसने अपनी पत्नी को मार डाला है. जब तक हमने भाभी को देखा, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी.

मिडिल ईस्ट में हालात सुधरे, दिल्ली सरकार ने खत्म किया वर्क फॉम होम

दिल्ली सरकार ने कर्मचारियों के लिए वर्क फॉम होम और अलग-अलग कार्यालय समय की व्यवस्था खत्म कर दी है.

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। मिडिल ईस्ट में हालात सामान्य होने के बाद दिल्ली सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए लागू वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था खत्म कर दी है. अब सरकारी कर्मचारी पहले की तरह नियमित समय पर दफ्तर आएंगे. सरकार का कहना है कि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम के बाद हालात में सुधार हुआ है, इसलिए ऊर्जा बचाने के लिए लागू किए गए अस्थायी कदमों की अब जरूरत नहीं रही. सीएम रेखा गुप्ता ने शनिवार को इस फैसले को वापस लेने की मंजूरी दे दी. मुख्यमंत्री कार्यालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि अब अंतरराष्ट्रीय स्थितियां सामान्य हो चुकी हैं. इसी वजह से हर हफ्ते बुधवार और शनिवार को मिलने वाली वर्क फ्रॉम होम की छूट को खत्म किया जा रहा है. इस नए आदेश के बाद अब दिल्ली सरकार के सभी कर्मचारियों को पहले की तरह सुबह 1000 बजे से शाम 630 बजे तक दफ्तर में रहकर काम करना होगा. हालांकि, नगर निगम के कर्मचारियों के समय में कोई बदलाव नहीं हुआ है, वे सुबह 830 से शाम 500 बजे तक ही काम करेंगे. दिल्ली सरकार ने मई 2026 में हाइब्रिड वर्क व्यवस्था शुरू की थी. उस समय अमेरिका-ईरान तनाव की वजह से मिडिल ईस्ट में अनिश्चितता बढ़ गई थी. जिसके चलते होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका थी. इसी को देखते हुए ईंधन की बचत के लिए सरकारी कर्मचारियों को सप्ताह में दो दिन घर से काम करने की अनुमति दी गई थी. वर्क फ्रॉम होम के साथ सरकार ने कई दूसरे कदम भी उठाए थे. आधिकारिक बैठकों का बड़ा हिस्सा ऑनलाइन कर दिया गया था, ताकि यात्रा कम हो. अलग-अलग विभागों के दफ्तरों का समय भी बदला गया था, जिससे ट्रैफिक और ईंधन की खपत कम हो सके. इसके अलावा, सरकारी अधिकारियों के लिए पेट्रोल की मासिक सीमा 20 प्रतिशत घटा दी गई थी. इसके अलावा, छह महीने तक नई सरकारी गाड़ियां नहीं खरीदने का फैसला भी लिया गया था. साथ ही लोगों को मेट्रो और सार्वजनिक परिवहन इस्तेमाल करने के लिए कहा गया था. इसके लिए 'मेट्रो डे' और 'नो कार डे' जैसी पहल भी शुरू की गई थी. सरकारी कर्मचारियों की सुविधा के लिए 29 सरकारी कॉलोनियों में 58 विशेष बसें भी चलाई गई थीं. सरकार का कहना है कि मिडिल ईस्ट में हालात पहले के मुकाबले काफी सामान्य हो चुके हैं. इसी वजह से ऊर्जा बचाने के लिए लागू की गई वर्क फ्रॉम होम व्यवस्था वापस ली गई है. हालांकि, सरकार ने साफ किया है

दिल्ली एयरपोर्ट पर CISF ने बम को निष्क्रिय करने की दिखाई हाईटेक तकनीक, %वॉटर जेट डिसरप्टर% का लाइव प्रदर्शन

CISF News: CISF ASG दिल्ली ने BDDS की ऑपरेशनल तैयारी को बेहतर बनाने के लिए वॉटर जेट डिसरप्टर का डेमो और ऑपरेशनल एक्सपोजर रखा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) ने एक विशेष डेमोंस्ट्रेशन-कम-ऑपरेशनल एक्सपोजर कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बम डिटेक्शन एंड डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीडीएस) के लिए महत्वपूर्ण उपकरण 'वॉटर जेट डिसरप्टर' का लाइव प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में आईपीएस अधिकारी बाबू राम, डीआईजी/सीएएसओ तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस अभ्यास का उद्देश्य बीडीडीएस कर्मियों को वॉटर जेट डिसरप्टर के सुरक्षित संचालन, सटीक उपयोग और रणनीतिक तैनाती का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना था। यह उपकरण विशेष रूप से इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) यानी देसी बम जैसे विस्फोटक खतरों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय करने में अहम भूमिका निभाता है। कार्यक्रम के दौरान वास्तविक परिस्थितियों जैसा माहौल तैयार कर बीडीडीएस टीम को विशेष उपकरणों के उपयोग का अभ्यास कराया गया। इससे जवानों की तकनीकी दक्षता बढ़ी और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी प्रतिक्रिया देने की उनकी क्षमता और मजबूत हुई।

विस्फोटक खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने की ट्रेनिंग

इस अवसर पर डीआईजी/सीएएसओ बाबू राम ने अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि बदलते विस्फोटक खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए नियमित प्रशिक्षण, आधुनिक उपकरणों की जानकारी और वास्तविक परिस्थितियों पर आधारित अभ्यास अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने सभी कर्मियों से अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और सामरिक कौशल को लगातार विकसित करने का आह्वान किया, ताकि बम निष्क्रिय करने के प्रत्येक अभियान में त्वरित, सुरक्षित और बेहतर समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। अपने आधिकारिक 'एक्स' पोस्ट पर भी इस अभ्यास की जानकारी साझा करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य बीडीडीएस कर्मियों की परिचालन क्षमता को और सुदृढ़ बनाना है। संगठन ने दोहराया कि वह क्षमता निर्माण, विशेष प्रशिक्षण और परिचालन उत्कृष्टता के माध्यम से देश की विमानन सुरक्षा को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

IAS तुकाराम मुंढे के एक्शन से महाराष्ट्र में तहलका, मिलावटखोर गिन रहे दिन, एनर्जी ड्रिंक्स कंपनियां राइट टाइम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। हरियाणा के चर्चित आईएएस रहे अशोक खेमका की तरह ही महाराष्ट्र में अपने तबादलों के लिए सुर्खियों में रहने वाले तेजतर्रार आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंढे इन दिनों चर्चा में हैं। उन्हें महाराष्ट्र सरकार ने 19 मई को महाराष्ट्र के अन्न और औषधि प्रशासन का नया कमिश्नर नियुक्त किया गया था। उन्होंने मई 2026 के आखिरी हफ्ते में इस पद का कार्यभार संभाला था। उनका 21 साल की नौकरी में यह 25वां ट्रांसफर था। तुकाराम मुंढे की कार्यशैली से जहां मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में मिलावटखोरों में हड़कंप हैं तो वहीं दूसरी तरफ मुंढे के सामने पेप्सिको, रेड बुल, स्टिंग जैसी कंपनियों ने सरेंडर कर दिया है। मुंढे ने कुछ दिन पहले इन कंपनियों को पेय पदार्थ पर 'एनर्जी ड्रिंक' नहीं लिखने पर चेतावनी दी थी। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे की नोटिस पर कंपनियों ने कहा है कि वे अब ऐसा नहीं करेंगी।

मिलावटखोरों का छूट रहा पसीना

तुकाराम मुंढे ने एफडीए कमिश्नर की जिम्मेदारी संभालते ही पद संभालते ही उन्होंने महाराष्ट्र में मिलावटखोरी, नकली दूध, नकली पनीर और अवैध गुटखा माफियाओं के खिलाफ राज्यव्यापी छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई शुरू की थी। इससे मिलावटखोरों का पसीना तब छूट गया था जब उन्होंने प्रतिबंधित खाद्य पदार्थों के निर्माण, परिवहन और बिक्री के शामिल आरोपियों के खिलाफ मकोका के तहत कार्रवाई का आदेश दिया था। उनके इस आदेश को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच में चुनौती दीगई है। मुंढे ने यह आदेश 12 जून को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिकनियम के तहत जारी किया था।

तुकाराम मुंढे के बड़े फैसले

मुंबईकरों को सुरक्षित भोजन के लिए पूरे राज्य में होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, बेकरी, क्लाउड किचन और ऑनलाइन फूड प्लेटफॉर्म के लिए एफएसएसएआई लाइसेंस जरूरी कर दिया है। तुकाराम मुंढे ने खून की सुरक्षा से जुड़े मानकों में लापरवाही पर जेजे ब्लड बैंक समेत दे सेंटर को बंद कर दिया था। तुकाराम मुंढे ने साफ किया है कि पेप्सिको, रेड बुल, स्टिंग और ऐसी ही दूसरी सॉफ्ट ड्रिंक कंपनियां 'शेड्यूल 4' के आधार पर अपने प्रोडक्ट्स पर 'एनर्जी ड्रिंक' लिखती हैं। नियमों के अनुसार उन्हें 'एनर्जी ड्रिंक' लिखने की इजाजत नहीं है और कंपनियों को नोटिस भेजे गए हैं। अब से वे ऐसा नहीं लिखेंगी। 'एनर्जी ड्रिंक' शब्द पर आपत्ति तुकाराम मुंढे ने आपत्ति जताई थी। उनका कहना है कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स के नियमों के तहत, इन ड्रिंक्स को 'एनर्जी ड्रिंक' के तौर पर बेचने की कोई कानूनी इजाजत नहीं है। ये असल में कैफीन वाले ड्रिंक्स हैं। अहमदनगर जिले में एक स्कूली छात्र की मौत के बाद, विधानसभा में इस मुद्दे पर जोरदार बहस हुई। इसके बाद राज्य सरकार ने सभी स्कूलों के 500 मीटर के दायरे में 'स्टिंग' जैसे ड्रिंक्स की बिक्री पर रोक लगाने का ऐलान किया। FDA ने गलत ब्रांडिंग (गुमराह करने वाली जानकारी देने) के लिए 10-12 बड़ी कंपनियों को नोटिस जारी किए थे। इनमें स्टिंग, रेड बुल, मॉन्स्टर और कैम्पा शामिल हैं। एफडीए आयुक्त तुकाराम मुंढे की एक्शन पर विपक्ष खुश है। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के विधायक और पूर्व मंत्री जितेंद्र आव्हाड ने कहा है .

एकनाथ शिंदे की बिगड़ी तबीयत, ठाणे के अस्पताल में हुए भर्ती, डॉक्टर ने क्या बताया?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने तीन कॉस्मेटिक उत्पादों को 'मानक गुणवत्ता के नहीं' (एनएसक्यू) घोषित करते हुए उपयोग और बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की सलाह जारी की है। प्रयोगशाला जांच में इन उत्पादों में पारा (मरकरी) और सीसा (लेड) जैसी जहरीली भारी धातुओं की मात्रा निर्धारित सीमा से अधिक पाई गई, जिसके चलते इन्हें उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के लिए असुरक्षित माना गया है। इनमें से एक क्रीम तो पाकिस्तान का प्रोडक्ट है। एफडीए की ओर से जारी जनसूचना के अनुसार, सरकारी विश्लेषक द्वारा परीक्षण के बाद 'गोरी ब्यूटी क्रीम', 'फेस फ्रेश गोल्ड (ब्यूटी क्रीम + ब्यूटी सीरम)' और 'गोल्डन स्टार ब्यूटी क्रीम' को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं पाया गया।

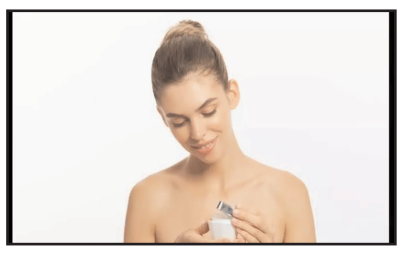

चेंबूर के दुकानदार के पास मिली था पाकिस्तान की क्रीम

अधिकारियों ने बताया कि 'गोरी ब्यूटी क्रीम' , कथित तौर पर पाकिस्तान का है। कुछ दिन पहले, मुंबई पुलिस ने चेंबूर के एक दुकानदार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था। उस पर आरोप था कि उसने पाकिस्तान से आयात पर केंद्र सरकार की रोक के बावजूद 'गोरी क्रीम' का स्टॉक रखा और उसे बेचा।

घटिया क्वॉलिटी की मिलीं क्रीम

बाकी दो प्रोडक्ट जिन्हें "नॉट ऑफ़ स्टैंडर्ड क्वालिटी यानी घटिया क्वालिटी का घोषित किया गया है, वे हैं 'फेस फ्रेश गोल्ड' (ब्यूटी क्रीम और ब्यूटी सीरम) और 'गोल्डन स्टार ब्यूटी क्रीम'। FDA की लैब में हुई जांच में इन क्रीम में जहरीली भारी धातुओं की बहुत ज़्यादा मात्रा पाई गई। लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने से त्वचा, किडनी और नर्वस सिस्टम को नुकसान पहुंच सकता है। जांच में यह भी सामने आया कि इन उत्पादों पर निर्माता का नाम और पता, बैच नंबर, निर्माण तिथि तथा एक्सपायरी डेट जैसी अनिवार्य जानकारियां भी अंकित नहीं थीं, जो उपभोक्ता सुरक्षा मानकों का स्पष्ट उल्लंघन है।

दुबई से 4 किलो सोना लेकर मुंबई पहुंची महिला... पैंट के अंदर छिपाए थे 6 करोड़ के गोल्ड बार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर डीआरआई ने सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी. अधिकारियों ने दुबई से आई एक महिला के पास से पैंट के अंदर छिपाए गए 4 किलो विदेशी मार्किंग वाले गोल्ड बार बरामद किए हैं. जब्त सोने की कीमत करीब 6 करोड़ रुपये आंकी गई है. महिला को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है. दुबई से मुंबई पहुंची एक महिला को शायद लगा था कि उसकी चालाकी किसी की नजर में नहीं आएगी. लेकिन एयरपोर्ट पर पहले से अलर्ट बैठी डीआरआई (राजस्व खुफिया निदेशालय) की टीम ने उसका पूरा प्लान फेल कर दिया. तलाशी हुई तो महिला की पैंट के अंदर से एक-दो नहीं, बल्कि 4 किलो सोना बरामद हुआ. इसकी कीमत करीब 6 करोड़ रुपये बताई जा रही है. अब महिला गिरफ्तार है और जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह सिर्फ एक कैरियर थी या उसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है. एजेंसी के मुताबिक, डीआरआई को इनपुट मिला था कि दुबई से आने वाली एक महिला यात्री सोने की तस्करी कर सकती है. इसी सूचना के आधार पर शुक्रवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर निगरानी बढ़ा दी गई. जैसे ही महिला दुबई से उतरी, डीआरआई अधिकारियों ने उसे रोक लिया. शुरुआती पूछताछ के बाद उसकी और उसके सामान की जांच की गई. तलाशी के दौरान महिला की पैंट के अंदर बड़ी सफाई से छिपाए गए चार विदेशी मार्किंग वाले गोल्ड बार मिले. इनका कुल वजन करीब 4 किलोग्राम था. डीआरआई के मुताबिक, भारतीय बाजार में इन गोल्ड बार की कीमत करीब 6 करोड़ रुपये आंकी गई है. बरामदगी के बाद पूरा सोना जब्त कर लिया गया और महिला को कस्टम्स एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया. जांच एजेंसियों के सामने बड़ा सवाल यह है कि क्या महिला खुद इस पूरे रैकेट का हिस्सा है, या फिर वह सिर्फ किसी और के लिए सोना लेकर आई थी. डीआरआई अब यह पता लगाने में जुटी है कि यह सोना दुबई से किसने भेजा, भारत में किस तक पहुंचना था और इसके पीछे कौन-सा नेटवर्क है. अधिकारियों को शक है कि पूछताछ में इस नेटवर्क से जुड़े और लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं. हाल के वर्षों में एयरपोर्ट पर सोने की तस्करी के कई मामले सामने आए हैं. कभी सोना जूतों में छिपाकर लाया जाता है, कभी इलेक्ट्रॉनिक सामान में, तो कभी कपड़ों के अंदर. इस बार तस्करों ने गोल्ड बार को महिला की पैंट के अंदर छिपाकर कस्टम जांच से बचने की कोशिश की. फिलहाल महिला से पूछताछ जारी है. डीआरआई यह भी खंगाल रही है कि क्या वह पहले भी ऐसी खेप भारत ला चुकी है या यह पहली बार था.

मॉनसून की पहली भारी बारिश में राजधानी बेहाल, दिल्ली-द्वारका एक्सप्रेस-वे बंद, तुगलकाबाद समेत कई जगहों पर जलभराव

राजधानी दिल्ली में रविवार को मॉनसून की पहली बारिश हुई. ओखला औद्योगिक क्षेत्र समेत कई इलाकों में मूसलाधार बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली. हालांकि, कई स्थानों पर जलभराव और यातायात प्रभावित होने की स्थिति भी देखने को मिली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

दिल्ली। राजधानी दिल्ली में रविवार को मानसून की पहली जोरदार बारिश ने लोगों को भीषण गर्मी और उमस से राहत तो दिलाई, लेकिन इसके साथ ही शहर की जल निकासी व्यवस्था और प्रशासनिक तैयारियों की भी पोल खोलकर रख दी. महज आधे घंटे की मूसलाधार बारिश के बाद दिल्ली के कई प्रमुख इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई. सबसे ज्यादा परेशानी द्वारका एक्सप्रेसवे के अंडरपास पर देखने को मिली, जहां भारी मात्रा में पानी भर जाने के कारण प्रशासन को एहतियातन अंडरपास को वाहनों की आवाजाही के लिए बंद करना पड़ा. इसके चलते हजारों वाहन चालकों को लंबा जाम झेलना पड़ा और उन्हें वैकल्पिक मार्गों का सहारा लेना पड़ा. बारिश का असर केवल द्वारका एक्सप्रेसवे तक ही सीमित नहीं रहा. तुगलकाबाद, पुल प्रह्लादपुर, मिंटो ब्रिज, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, बायो डायवर्सिटी पार्क और अन्य कई निचले इलाकों की सड़कें पानी में डूब गईं. कई जगहों पर जलभराव इतना अधिक था कि दोपहिया वाहन बंद हो गए और कारों की रफ्तार भी बेहद धीमी पड़ गई. रविवार होने के बावजूद कई प्रमुख मार्गों पर लंबा ट्रैफिक जाम देखने को मिला, जिससे लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में काफी समय लगा.

बारिश से सड़कें लबालब

ओखला औद्योगिक क्षेत्र से सामने आई तस्वीरों में तेज बारिश के बीच सड़कें पानी से लबालब नजर आईं. जलभराव के कारण फैक्ट्रियों में आने-जाने वाले कर्मचारियों और स्थानीय लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा. कई स्थानों पर पैदल चलना भी चुनौती बन गया. बारिश के कारण सार्वजनिक परिवहन की रफ्तार भी प्रभावित हुई और कुछ मार्गों पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं. स्थानीय लोगों का कहना है कि द्वारका एक्सप्रेसवे अंडरपास में हर मानसून के दौरान यही स्थिति बनती है. हर साल भारी बारिश के बाद अंडरपास में कई फीट तक पानी भर जाता है, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो जाता है. लोगों का आरोप है कि प्रशासन हर वर्ष जल निकासी के दावे करता है, लेकिन स्थायी समाधान आज तक नहीं निकल सका. नतीजा यह है कि पहली ही तेज बारिश में राजधानी की यातायात व्यवस्था चरमरा जाती है

दिल्ली में CM रेखा गुप्ता का बड़ा ऐक्शन, वित्त विभाग के 52 अफसरों का तबादला

दिल्ली सरकार ने वित्त एवं लेखा विभाग में पांच साल से तैनात 52 अधिकारियों का तबादला और 19 वरिष्ठ लेखा अधिकारियों को पदोन्नत किया है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने वित्त एवं लेखा विभाग में बीते पांच साल से मौजूद 52 अधिकारियों का तबादला कर दिया है। सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता को मजबूत करने के उद्देश्य से यह फेरबदल किया है। इनमें 23 डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स और 29 वरिष्ठ लेखाधिकारी शामिल हैं। इसके अलावा सरकार ने विभागीय कार्यकुशलता को बढ़ावा देते हुए 19 वरिष्ठ लेखा अधिकारियों (सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर) को पदोन्नत कर डिप्टी कंट्रोलर ऑफ अकाउंट्स बनाया है। सरकार का कहना है कि ये सभी निर्णय प्रशासनिक आवश्यकताओं, बेहतर वित्तीय प्रबंधन और पारदर्शी कार्यप्रणाली को ध्यान में रखते हुए लिए गए हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने क्या कहा?

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार ऐसी प्रशासनिक व्यवस्था विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो पारदर्शिता, जवाबदेही, दक्षता और सुशासन के उच्चतम मानकों पर आधारित हो। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था में शिथिलता, लापरवाही और भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं है। सरकार के अनुसार, वित्त एवं लेखा विभाग में किए गए इस व्यापक फेरबदल से वित्तीय प्रबंधन और समयबद्ध निर्णयों के माध्यम से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी। पालम विधानसभा क्षेत्र के द्वारका सेक्टर 7 स्थित एयर फोर्स और नेवल ऑफिसर्स एनक्लेव में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 500 किलोवॉट क्षमता के सोलर पावर प्लाट का उद्?घाटन किया। यह सोलर प्लाट सोसायटी के करीब 375 घरो की बिजली की जरूरतों को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा से पूरा करेगा। ुख्यमंत्री ने उद्घाटन के दौरान बताया कि प्लाट चालू होने से एनक्लेव का मासिक बिजली खर्च करीब 12 लाख रुपये से घटकर आधा, यानी लगभग 6 लाख रुपये रह जाएगा। इससे सोसायटी के निवासियों को हर साल करीब 72 लाख रुपये की बचत होगी। करीब दो करोड़ रुपये की लागत से तैयार इस परियोजना के लिए केंद्र सरकार की ओर से 90 लाख रुपये और दिल्ली सरकार की ओर से 10 लाख रूपये की सब्सिडी दी गई है

मुंबई में कहीं पेड़ उखड़े जो कहीं सड़कें बनीं दरिया

महाराष्ट्र के कई इलाकों में भारी बारिश का असर देखने को मिला है. मुंबई के कई इलाकों में बारिश के बाद जलभराव की समस्या हुई है. वहीं, लोनावला में भी लगातार बारिश जारी है.

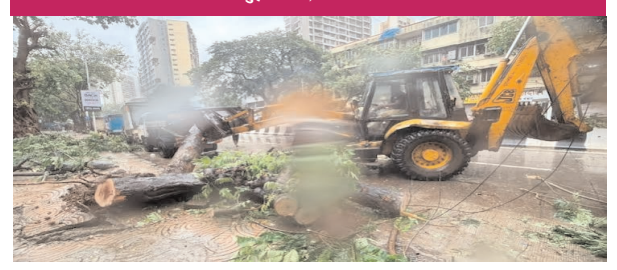

महानगर मेट्रो ब्यूरो

महाराष्ट्र। कई हिस्सों में भारी बारिश के बाद लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है. अंधेरी, विरार, माटुंगा और पवई समेत कई इलाकों में लोग मुश्किलों से जूझ रहे हैं. कहीं पेड़ गिरने की घटनाएं सामने आई हैं, तो कहीं जलभराव ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है. बता दें, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मुंबई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. कई जगहों पर भारी बारिश की चेतावनी दी गई है. लगातार बारिश के चलते कई इलाकों में सड़कें धंसने, पेड़ गिरने और घर ढहने की घटनाएं सामने आई हैं. इसके कारण सड़क और रेल यातायात भी बाधित हुआ है. वहीं, पर्यटन नगरी लोनावला में भी मॉनसून पूरे शबाब पर है. पिछले 24 घंटों में यहां 267 मिलीमीटर यानी करीब 10 इंच बारिश दर्ज की गई, जो इस सीजन की अब तक की सबसे ज्यादा बारिश है. मौसम विभाग का पूर्वानुमान बिल्कुल सटीक साबित हुआ. वीकेंड पर लगातार हो रही बारिश ने पर्यटकों का उत्साह दोगुना कर दिया है. झरने, पहाड़ और हरियाली का नजारा देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक लोनावला पहुंच रहे हैं. इससे पर्यटन पर निर्भर व्यापारियों के चेहरों पर भी खुशी लौट आई है. इस मॉनसून में अब तक लोनावला और आसपास के क्षेत्रों में कुल 1090 मिलीमीटर बारिश दर्ज की जा चुकी है. अच्छी बारिश के चलते किसानों ने भी बुवाई का काम तेज कर दिया है. हालांकि, पिछले साल आज ही के दिन तक 2392 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई थी. ऐसे में स्थानीय लोगों और किसानों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में मॉनसून इसी तरह मेहरबान रहेगा और बारिश का सिलसिला जारी रहेगा.

बारिश से बढ़ा जलाशयों में पानी का स्तर

शनिवार, 4 जुलाई 2026 की सुबह से रविवार की सुबह के बीच हुई भारी बारिश के कारण मुंबई को पानी सप्लाई करने वाले सभी सात जलाशयों में पानी का स्तर काफी बढ़ गया है. नगर निगम के अनुसार, सातों जलाशयों में कुल पानी का स्टॉक अभी 13.19% तक पहुंच गया है, जिसमें पिछले 24 घंटों में ही 3.78% की बढ़ोतरी दर्ज की गई है.

चातुर्मास का विशेष प्राण है तो व जिनवाणी है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

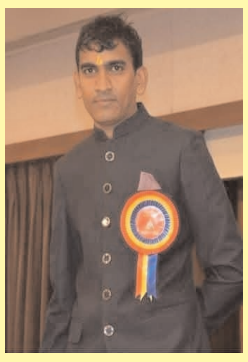

चातुर्मास क्या है और यह क्यों मनाते चातुर्मास यानि चार महिने वर्ष के बारह महीने व तीन ऋतुएं , एक? ऋतु चार महीने तक होती है यही चातुर्मास, तो वर्षा ऋतु वाला चातुर्मास का इतना विशेष महत्व क्यों, इस ऋतु में बारिश होने के कारण जीवों की उत्पत्ति अधिक होती है। निर्दोष जीवो? कि विराधना न हो, इसी कारण ज्ञानी भगवंतों ने श्रमण , श्रमणी भगवंतों को चार महीने एक जगह स्थिर रहकर आराधना करने व कराने आज्ञा दी है। हमारा कर्तव्य क्या है? हमें भी बिना कारण इन दिनों में बाहर गांव नहीं जाना चाहिए, साधू महाराज के नियम होते , लेकिन हमारे प्रायः नियम नहीं होते लेकिन जितना हो सके उतना जयणा पालन करना चाहिए, इन दिनों में भक्ष्य और अभक्ष्य का खास ध्यान रखना , पास के? उपाश्रय में जाकर महात्मा से जान लेना कि अभी क्या क्या भक्ष्य हे, और कितने दिन तक चलेगा , ऋतु परिवर्तन के साथ खाने पिने कि वस्तुओं में भी बदलाव होता है कल तक बादाम भक्ष्य थी लेकिन आज से बदाम भी 4 महीने के लिए अब अभक्ष्य होगी , इन चार महीने में बाहर का खाना का पूरा तरह त्याग करना चाहिए ताकि निर्दोष गोचरी का लाभ मिले, चातुर्मास का विशेष प्राण है तो व जिनवाणी है जिनवाणी का श्रवण जरूर करें, आज महात्मा का प्रवेश बड़े धूमधाम से शहो रहा है बड़े-बड़े पंडाल उपासरे को बहुत कीमती वस्तुओं से सजाया जाता है लेकिन देखें तो सब प्रवचन हॉल खाली ही रहते हैं । आप अपना समय निकालकर उपाश्रय में जरूर आवे और जिनवाणी का श्रवण करें विशेष कर युवा मित्रों से निवेदन है कि आप ज्यादा से ज्यादा मात्रा में उपाश्रय में पधारे है क्योंकि बिना, जिनवाणी आत्मा का कल्याण नहीं है , प्रभू की वाणी से ही आत्मा का उद्धार होगा के विक्रम सुराणा

केदारनाथ यात्रा : भूस्खलन का खतरा, प्रशासन हाई अलर्ट पर

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में मॉनसून की शुरुआत के साथ ही पहाड़ों पर भूस्खलन और पत्थर गिरने की घटनाएं बढ़ी हैं, जिसका सीधा असर केदारनाथ यात्रा पर हो रहा है। कई क्षेत्रों से लगातार मलबा गिरने की खबरें सामने आ रही हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा एक बड़ी चिंता बनी है। रुद्रप्रयाग के जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह राजवार ने बताया कि केदारनाथ यात्रा मार्ग पर कई खतरनाक इलाके चिन्हित किए हैं, जिनकी सीसीटीवी सेंटरों के माध्यम से लाइव मॉनिटरिंग हो रही है। उन्होंने श्रद्धालुओं से प्राकृतिक आपदाओं से निपटने की पूरी तैयारी रखने और किसी भी आपातकालीन स्थिति की जानकारी तुरंत प्रशासन को देने की अपील की है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले चार दिनों (5 से 8 जुलाई) तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें 5 जुलाई के लिए कई इलाकों में ऑरेंज अलर्ट शामिल है। इसके मद्देनजर राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रखा है। पुलिस, एसडीआरएफ, एनएच, पीडब्लयूडी और बीआरओ जैसे विभागों को भी सतर्क रहने और आवश्यकता पड़ने पर ट्रेकिंग गतिविधियों को रोकने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों को चौबीसों घंटे सक्रिय रहने और किसी भी आपदा की सूचना तत्काल राज्य आपदा नियंत्रण कक्ष को देने को कहा गया है। इस बीच, जुलाई की शुरुआत में सोनप्रयाग-गौरीकुंड मोटरमार्ग पर मुनकटिया के पास हुए भारी भूस्खलन के कारण यात्रा मार्ग बाधित हुआ था। हालांकि, खराब मौसम और यात्रा में अस्थायी रुकावटों के बावजूद, केदारधाम के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह बरकरार है। प्रशासन उनकी सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

नैनीताल हादसा : बंदरों को पत्थर मारते हुए बालक खिड़की से गिरा, गंभीर घायल

नैनीताल (एजेंसी)। शहर के मल्लीताल क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक होटल में ठहरे दिल्ली के पर्यटक परिवार का तीन वर्षीय बच्चा खिड़की से 20 फीट नीचे गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गया। बच्चे को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, दिल्ली निवासी विशाल सोनी अपने परिवार के साथ नैनीताल घूमने आए थे और मल्लीताल स्थित एक होटल में रुके हुए थे। रविवार सुबह उनका तीन वर्षीय बेटा गौरांत कमरे में खेल रहा था। बताया गया कि इसी दौरान बालक को खिड़की के सामने कुछ बंदर दिखाई दिए, जिस पर उसने उन्हें पत्थर मारना शुरू कर दिया। इसी क्रम में अचानक उसका ध्यान हटा और वह असंतुलित होकर होटल की खिड़की से करीब 20 फीट नीचे जा गिरा। बच्चे के गिरने की आवाज सुनकर स्वजनों में चीख-पुकार मच गई। वे तत्काल गौरांत को बीडी पांडे अस्पताल ले गए। अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि बच्चे के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है।

रील बनाने के चक्कर में 2 को कुचला

लुधियाना (एजेंसी)। एक युवक ने रील बनाने के चक्कर में दो महिलाओं को कुचल दिया। लुधियाना में अपनी सहेली के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी को एक तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद महिला बोनट पर अटक गई। थोड़ी दूर जाकर कार के सामने ही जमीन पर गिर पड़ी जिससे उसकी खोपड़ी पर पहिया चढ़ गया। महिला के शरीर की हड्डियां तक टूट गई। महिला को करीब 10 मीटर घसीटने के बाद गाड़ी सवार वहां भाग गया। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित किया गया। वहीं, उसकी सहेली को भर्ती कर लिया गया। एक्सीडेंट की सीसीटीवी फुटेज सामने आई है। बताया जा रहा है कि एक्सीडेंट करने वाला युवक 12वीं पास है। उसे पुलिस ने अब्दुल्लापुर बस्ती से गिरफ्तार कर लिया। वहीं, उसकी कार राजस्थान से बरामद हुई।

खाड़ी से यूरोप तक, भारत बदलेगा वैश्विक समीकरण

जयशंकर का वैश्विक कूटनीतिक मिशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर रविवार से एक महत्वपूर्ण छह-देशीय कूटनीतिक यात्रा पर रवाना होंगे, जिसमें कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, बेल्जियम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। आज से 10 जुलाई तक चलने वाली उनकी चार खाड़ी देशों की यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय में हो रही है, जब अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के बाद इस क्षेत्र में राजनीतिक समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। यह यात्रा भारत के लिए इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों के साथ संबंधों को मजबूत करने और वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराने का एक बड़ा अवसर है।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, जयशंकर अपनी खाड़ी यात्रा के दौरान इन देशों के नेताओं और अपने समकक्षों से मुलाकात करेंगे। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य कतर, बहरीन, कुवैत और ओमान के साथ द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक सशक्त बनाना है। इसके साथ ही, क्षेत्रीय घटनाक्रमों और आपसी हित के विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श भी होगा, जिससे भारत की पश्चिम एशिया नीति को नई दिशा मिल सकती है। खाड़ी देशों का दौरा पूरा करने के बाद, विदेश मंत्री 13 जुलाई को न्यूयॉर्क के लिए प्रस्थान करेंगे, जहाँ वे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में साल 2028-29 के कार्यकाल के लिए भारत के आधिकारिक अभियान की शुरुआत करेंगे। यह कदम वैश्विक शासन में भारत की बढ़ती आकांक्षाओं और भूमिका को दर्शाता है, जहाँ भारत स्थायी सदस्यता के लिए भी प्रयासरत है। अपनी यात्रा के अंतिम चरण में, जयशंकर 14 और 15 जुलाई को बेल्जियम की राजधानी ब्रसेल्स जाएंगे। यहाँ वे तीसरी भारत-यूरोपीय संघ व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की बैठक में भाग लेंगे और अपने यूरोपीय संघ तथा बेल्जियम के समकक्षों के साथ महत्वपूर्ण बातचीत करेंगे। टीटीसी की शुरुआत 2022 में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी क्षेत्रों में आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से की गई थी। यह परिषद भारत और यूरोपीय संघ के बीच रणनीतिक तकनीकी सहयोग को गहरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे दोनों पक्षों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास और साझाकरण में लाभ मिल सके। जयशंकर का यह बहुआयामी दौरा न केवल द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा, बल्कि वैश्विक कूटनीतिक पटल पर भारत की बढ़ती साख और प्रभाव को भी रेखांकित करेगा, जिससे आने वाले समय में वैश्विक समीकरणों में भारत की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो सकती है।

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण विज्ञापन : केंद्र सरकार का मेटा को नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। (ईएमएस)। भारत सरकार ने इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े आपत्तिजनक विज्ञापनों को बढ़ावा देने के मामले में उसकी पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक. को नोटिस थमा दिया है। 4 जुलाई को जारी नोटिस का जवाब केंद्र सरकार ने कंपनी से सात दिनों के भीतर मांगा है। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इंस्टाग्राम को तत्काल प्रभाव से इसतरह के सभी विज्ञापनों को ब्लॉक करने और हटाने का निर्देश दिया है, जो बाल यौन शोषण (सीएसएएम) को बढ़ावा देते हैं या उससे संबंधित कंटेंट तक पहुँच बनाते हैं। यह कार्रवाई मीडिया रिपोर्टों के बाद की गई है, जिसमें उजागर किया गया था कि इंस्टाग्राम भारत में रेप और चाइल्ड वीडियो जैसे शब्दों का उपयोग करके पेड विज्ञापन दिखा रहा था। इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद उपयोगकर्ता टेलीग्राम चैनलों पर भेज दिए जाते थे, जहाँ कथित तौर पर बाल यौन शोषण से संबंधित सामग्री मात्र 99 रुपये में ब्रिकी के लिए मौजूद थी। रिपोर्ट में बताया गया कि इंस्टाग्राम पर दिखने वाले सभी विज्ञापन मेटा के मॉडरेशन सिस्टम से अनुमोदन के बाद ही दिखाते हैं, जिससे इस प्रणाली की गंभीर खामियां उजागर हुई हैं। एक मीडिया हाउस द्वारा इसतरह के एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से किए जाने पर, कंपनी ने लगभग 24 घंटे बाद जवाब दिया था कि यह पोस्ट उसकी कम्यूनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं करती। हालांकि, जब मीडिया ने मेटा से मामले पर स्पष्टीकरण मांगा, तब कंपनी ने स्वीकार किया कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित खातों को निलंबित किया है और आपत्तिजनक यूएलआर को हटाया है। मेटा ने अपनी प्रतिक्रिया में स्वीकार किया कि कोई भी मॉडरेशन सिस्टम पूरी तरह से त्रुटिहीन नहीं होता और समीक्षा प्रक्रिया हर नियम उल्लंघन की पहचान नहीं कर पाती है।

बंगाल में 12 साल की लड़की की गैंगरेप के बाद हत्या

– लोगों में आक्रोश, सड़क पर शव रखकर लगाया जाम

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के बारुईपुर में संदिग्ध हालात में 12 साल की लड़की की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। उसके परिवार और स्थानीय लोगों का आरोप है कि उसके साथ गैंगरेप और हत्या की गई और बाद में उसकी लाश तालाब में फेंक दी गई। इस घटना से इलाके में भारी आक्रोश है। बताया जा रहा है कि लड़की शनिवार शाम पास की दुकान से खाने-पीने का सामान लेने घर से निकली थी लेकिन वापस नहीं लौटी। परिवार ने उसे बहुत ढूंढा, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। रविवार सुबह सूर्यपुर हाट इलाके के एक तालाब में उसकी लाश मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों का दावा है कि चार युवकों ने लड़की का अपहरण किया और गैंगरेप के बाद उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद, गुस्साए लोगों ने सड़क पर लाश रखकर विरोध प्रदर्शन किया और दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग की।

सूचना मिलने पर बारुईपुर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों ने एक संदिग्ध, प्रभास मंडल, को पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ कर रही है। इस बीच, बाकी आरोपियों का पता लगाने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मौत की सही वजह और रेप के आरोपों की सच्चाई का पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही चल पाएगा। फिलहाल मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

घटना के बाद तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। प्रशासन लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रहा है, जबकि परिवार और स्थानीय लोग दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। पुलिस का कहना है कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है। आरोप सिद्ध होने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चंदा विवाद: विश्व हिंदू परिषद ने विपक्ष के नेताओं से मांगे सबूत

–सबूत हैं तब पुलिस को दें, अन्यथा भ्रम नहीं फैलाए

अयोध्या (एजेंसी)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने राम मंदिर निर्माण के लिए चंदे में अनियमितताओं के आरोपों को लेकर विपक्षी नेताओं को खुली चुनौती दी है। उन्होंने अयोध्या के डीसीपी को पत्र लिखकर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी के नेताओं से सबूत पेश करने की मांग की है, जिन्होंने हजारों करोड़ के घोटाले या चोरी का दावा किया है। विहिप के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार ने स्पष्ट किया कि उनके पत्र का उद्देश्य किसी पर आरोप लगाना नहीं, बल्कि पुलिस से अनुरोध करना है कि वे इन बड़े, पढ़े-लिखे नेताओं से जानकारी, सबूत या गवाह जुटाएं, ताकि राम मंदिर चंदा विवाद से जुड़े आरोपों की सच्चाई सामने आ सके।

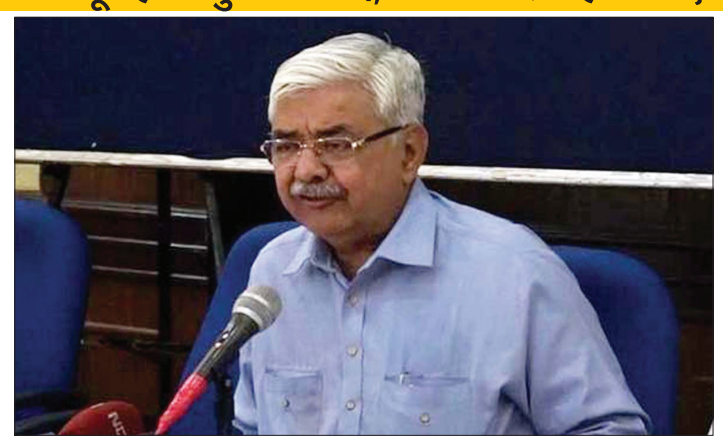

विहिप अध्यक्ष के अनुसार, सपा नेता राम गोपाल यादव ने 20,000 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाले का आरोप लगाया था, वहीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी हजारों करोड़ के चंदे की हेराफेरी की बात कहकर सीसीटीवी फुटेज सार्वजनिक करने की मांग की थी। वहीं आम आदमी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और नेता संजय सिंह ने क्रमशः 200 करोड़ रुपये से अधिक की चोरी का आरोप लगाया था, जिसमें 50 कर्मचारियों के शामिल होने का दावा किया था। विहिप अध्यक्ष कुमार का कहना है कि यदि नेताओं के पास पुख्ता सबूत हैं, तब उन्हें जांच में सहयोग करना चाहिए, अन्यथा, बिना आधार के समाज में भ्रम फैलाने के लिए इनके खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कुमार के कदम पर आम आदमी पार्टी (आप) ने तीखा पलटवार किया है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि विहिप अध्यक्ष का यह पत्र दिखाता है कि संगठन देशभर में उठ रहे चंदा चोरी के मुद्दे से बेहद परेशान और डरा हुआ है। आप नेता भारद्वाज ने आरोप लगाया कि विहिप के इरादे साफ नहीं हैं। यदि वे साफ होते, तब वे खुद अपने संगठन से जुड़े गवाह पेश करते, क्योंकि ट्रस्ट में उनके ही लोग शामिल थे। आप नेता भारद्वाज ने कहा कि विहिप नेता कुमार ने एक तरह से आत्मसमर्पण किया है, क्योंकि उनकी पार्टी या संगठन के लोग मामले में गवाह बनने को तैयार नहीं हैं।

राम मंदिर चंदे में हेराफेरी के आरोपों पर आलोक कुमार ने हर एक आरोप की बारीकी से जांच की मांग की है, यह कहकर कि चोरी, लूट या डकैती चाहे जो कहा जाए, सच केवल निष्पक्ष जांच से ही सामने आएगा। उन्होंने राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा की टिप्पणियों पर कोई भी बयान देने से इंकार किया। इसके अलावा, विहिप की केंद्रीय समिति की बैठक को अयोध्या से दिल्ली शिफ्ट करने के सवाल पर कुमार ने सख्त रुख दिखाकर कहा कि यह संगठन का आंतरिक मामला है और किसी को भी इस पर सवाल उठाने का अधिकार नहीं है कि बैठक कहाँ आयोजित की जाए।

भारत–नेपाल सीमा पर रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक आवाजाही बंद, मधुबनी में ग्रामीणों का विरोध

मधुबनी (एजेंसी)। भारत–नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) ने बड़ा फैसला लिया है। मधुबनी जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में अब रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक सीमा पर आम आवाजाही पूरी तरह बंद रहेगी। यह व्यवस्था भारत सरकार के निर्देशों के तहत लागू की जा रही है। हालांकि, इस निर्णय का स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध जताया है। मधवापुर स्थित एसएसबी कैंप में आयोजित बैठक के बाद 48वीं बटालियन के कमांडेंट राजेंद्र कुमार ने बताया कि निर्धारित समय के दौरान केवल मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति में ही सीमा पार करने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि रोजमर्रा के आवश्यक सामान की आवाजाही जारी रहेगी, लेकिन भारी मात्रा में आयात–निर्यात और व्यावसायिक परिवहन पर पूरी तरह रोक रहेगी। सीमा पर बैरिकेडिंग किए जाने के बाद अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच करीब ढाई घंटे तक बैठक हुई, लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। बैठक में एसएसबी अधिकारियों के साथ बेनीपट्टी के एसडीएम, डीएसपी, बीडीओ, सीओ और स्थानीय थाना अध्यक्ष सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने मांग की कि शादी–विवाह, आपातकालीन परिस्थितियों और अन्य आवश्यक कार्यों के लिए रात में भी सीमित आवाजाही की अनुमति दी जाए। उनका कहना था कि सीमा पूरी तरह बंद होने से बच्चों की पढ़ाई, रसोई गैस की आपूर्ति, आवश्यक सेवाओं और दोनों देशों के बीच वर्षों पुराने सामाजिक एवं पारिवारिक 'रोटी–बेटी' के रिश्तों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। बैठक बिना किसी निष्कर्ष के समाप्त हो गई। फिलहाल सीमा क्षेत्र में इस फैसले को लेकर असंतोष का माहौल है। अब सबकी नजर प्रशासन पर है कि वह सुरक्षा और स्थानीय लोगों की जरूरतों के बीच संतुलन कैसे स्थापित करता है।

प्रशांत किशोर बांकीपुर से चुनाव लड़ना फाइनल

नितिन नवीन के करीब को मिल सकता है मौका

पटना (एजेंसी)। जन सुराज पार्टी ने घोषणा की है कि उसके संस्थापक प्रशांत किशोर (पीके) पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में प्रत्याशी है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने इस बात की पुष्टि की है। यह सीट भाजपा विधायक नितिन नवीन के राज्यसभा सांसद बनने के बाद खाली हुई है, जिससे यह चुनाव काफी अहम हुआ है।

अपनी उम्मीदवारी की घोषणा के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि बीते चार सालों से जन सुराज ही उनकी जिंदगी है और पार्टी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी लगन से निभाएंगे। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि बांकीपुर से मिलने वाली जीत से न केवल पार्टी का मनोबल बढ़ेगा, बल्कि बिहार में एक नए राजनीतिक विकल्प की नींव भी मजबूत होगी। पीके ने कहा था कि यदि उनके चुनाव लड़ने से भाजपा बांकीपुर जैसी मजबूत सीट हारती है, तब वे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने बांकीपुर की जनता से पूरी ईमानदारी से काम करने का वादा किया और कहा कि अगर वे जन सुराज के प्रतिनिधि को चुनते हैं, तब वह

विधानसभा में 242 विधायकों पर भारी पड़ेगा।

इस दौरान प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने उन्हें पिछले दरवाजे से बने मुख्यमंत्री और सिलेक्टेड मुख्यमंत्री करार देकर कहा कि उनका असली चाल-चरित्र जल्द ही सामने आ जाएगा। पीके ने बांकीपुर के मतदाताओं से अपील की कि यह चुनाव केवल एक सीट जीतने का नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति को एक नया विकल्प देने और परिवर्तन की शुरुआत करने का है। उन्होंने चार लाख मतदाताओं से समर्थन मांगा।

दूसरी ओर, भाजपा ने अभी तक अपने उम्मीदवार की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, नील रतन घोष (नीलू दा) का नाम करीब तय है। नील रतन घोष भाजपा के एक पुराने और भरोसेमंद कार्यकर्ता हैं, जो लंबे समय से नवीन के साथ जुड़े रहे हैं और उनके विश्वसनीय हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं की मांग पर उन्हें टिकट मिलने की संभावना है। मंदिरी के रहने वाले नीलू दा मूल रूप से पश्चिम बंगाल से हैं।

ममता की बागियों को चुनौती... तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं?

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में जारी बगावत के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बागी नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। ममता ने स्पष्ट कहा कि अगर उन्हें रोकना है, तब उन्हें मारना पड़ेगा, क्योंकि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाने वाला और उनकी आवाज कोई नहीं दबा सकता। उन्होंने बागी नेताओं को सीधी चुनौती देकर कहा, अगर हिम्मत है, तब खुलकर भाजपा में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? ममता ने आरोप लगाया कि ये बागी नेता अब खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं और गद्दारी की भी सीमा होती है। उन्होंने कहा कि जिन नेताओं ने पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वहीं अब उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं, जिसने उन्हें राजनीतिक पहचान दी। ममता का यह बयान तब आया है जब पार्टी के भीतर बड़ी टूट देखने को मिली है। पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं, जिन्होंने पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया है। हाल ही में, टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा देकर बागी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं। इन विधायकों ने 3 जून को ममता के नेतृत्व से अलग होने की घोषणा की थी, जबकि सांसदों ने 15 जून को त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (एनसीपीआई) में विलय कर लिया था। ममता ने कहा कि वे इस बगावत का डटकर मुकाबला करेंगी और जनता के बीच अपनी पार्टी का चिह्न लेकर जाएंगी।

लालू यादव का जनता के नाम खुला पत्र: बड़ी वैचारिक लड़ाई का आह्वान

पटना (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष और बिहार की राजनीति के कद्दावर नेता लालू प्रसाद यादव ने पार्टी के 30वें स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार की जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के नाम एक विस्तृत खुला पत्र लिखा है। अपने इस महत्वपूर्ण संदेश में, लालू यादव ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सीधा और तीखा हमला बोला है, उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और संविधान की मूल भावना को खतरे में डालने का गंभीर आरोप लगाया है। लालू यादव ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है और देश का लोकतंत्र इस समय गंभीर चुनौतियों के दौर से गुजर रहा है।

लालू यादव यहीं नहीं रुके, उन्होंने भाजपा पर अपनी राजनीतिक ताकत का इस्तेमाल कर संस्थाओं को कमजोर करने और एक विशेष हिंदुत्व के नैरेटिव को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि भाजपा ऐसा करके देश के सामने मौजूद बेरोजगारी, शिक्षा, सामाजिक न्याय, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के अधिकारों जैसे अहम मुद्दों के साथ-साथ सरकार की विफलताओं से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। आरजेडी प्रमुख ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे एक बड़ी वैचारिक लड़ाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल सत्ता हासिल करने की नहीं, बल्कि देश के मूल्यों और सिद्धांतों को बचाने की है, और इसके लिए सभी को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा। लालू यादव ने जोर देकर कहा कि आरजेडी सिर्फ चुनाव लड़ने वाली एक राजनीतिक पार्टी नहीं है, बल्कि संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय की स्थापना और गरीबों, वंचितों व हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों के लिए लड़ने को प्रतिबद्ध एक आंदोलन है। उन्होंने पार्टी के सफर को याद करते हुए बताया कि आरजेडी का गठन 5 जुलाई 1997 को इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया गया था, ताकि गरीबों, दलितों, पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और अन्य हाशिए पर रहने वाले समुदायों की आवाज को बुलंद किया जा सके।

उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से लोगों के साथ लगातार जुड़े रहने और संसद व सड़कों पर जनहित के मुद्दों को पूरी दृढ़ता से उठाते रहने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी पिछले तीन दशकों से सामाजिक न्याय, समानता और समावेशी विकास के आदर्शों के प्रति अटल प्रतिबद्धता के साथ खड़ी है। लालू यादव ने पार्टी कार्यकर्ताओं के अदम्य साहस, समर्पण और बलिदान की सराहना की, जिन्होंने पिछले 30 वर्षों में आरजेडी को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने हर मुश्किल दौर में पार्टी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने के लिए सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का हार्दिक धन्यवाद किया।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com
अहमदाबाद, (सोमवार)
06 जुलाई 2026

क्यूब हाईवेज ट्रस्ट 5000 करोड़ रुपए के आईपीओ की तैयारी में

निवेशक आधार बढ़ाने पर जोर, 27 राजमार्ग परिसंपत्तियों का है ट्रस्ट का पोर्टफोलियो

नई दिल्ली ।

राजमार्ग अवसंरचना निवेश ट्रस्ट (इनविट) क्यूब हाईवेज ट्रस्ट इस महीने 5,000 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की योजना बना रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरा निर्गम बिक्री पेशकश (ओएफएस) के रूप में होगा, जिसमें मौजूदा निवेशक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे और ट्रस्ट कोई नई पूंजी नहीं जुटाएगा। ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य सूचीबद्ध होने के बाद अपने निवेशक आधार का विस्तार करना और यूनिट में कारोबार को बढ़ाना है। मार्च 2026 तक, क्यूब हाईवेज ट्रस्ट के पास देश के 12 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में कुल 8,754 लेन किलोमीटर की 27 परिचालन वाली राजमार्ग परिसंपत्तियां हैं, जिनकी औसत शेष रियायती अवधि 18 वर्ष है। ट्रस्ट के पोर्टफोलियो का लगभग 85 फीसदी हिस्सा टोल सड़क परियोजनाओं का है, जिन्हें यातायात वृद्धि और महंगाई से जुड़ी टोल दरों में संशोधन का लाभ मिलता है। शेष 15 फीसदी परिसंपत्तियां एन्यूटी आधारित परियोजनाएं हैं, जिनसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की अनुबंधित भुगतान व्यवस्था के तहत स्थिर आय प्राप्त होती है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ट्रस्ट ने प्रति यूनिट 13.77 रुपये के वितरण की घोषणा की थी। इस अवधि में नौ अधिग्रहण पूरे होने से ट्रस्ट की प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) बढ़कर 36,842 करोड़ रुपये पर पहुंच गईं। ट्रस्ट ने लगभग 7,300 करोड़ रुपये के संयुक्त उपक्रम मूल्य वाली चार नई राजमार्ग परियोजनाओं के लिए प्रतिबद्धता पत्र भी हासिल किए हैं, जिससे पोर्टफोलियो बढ़कर 31 परिसंपत्तियों का हो जाएगा। प्रायोजकों से तीन अतिरिक्त परिसंपत्तियों पर 'राइट ऑफ फर्स्ट ऑफर' भी मिला है, जो भविष्य के विस्तार की संभावनाओं को मजबूत करता है।

बिहार आईटी हब बनने को तैयार बेंगलुरु मीट में वैश्विक दिग्गजों ने दिखाई निवेश में दिलचस्पी

मंत्री नीतीश मिश्रा और सचिव अभय कुमार सिंह ने वैश्विक कंपनियों को किया आकर्षित

मुंबई ।

बेंगलुरु में आयोजित बिहार आईटी इंडस्ट्री मीट 2026 में बिहार सरकार को देश और दुनिया की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। राज्य को देश के अग्रणी डिजिटल और प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से हुई इस बैठक में निवेशकों ने बिहार की नई नीतियों और कुशल मानव संसाधन में गहरी रुचि दिखाई। इस सफल आयोजन ने बिहार में बड़े पैमाने पर डिजिटल निवेश और उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजन का मार्ग प्रशस्त किया है। बिहार सरकार का सूचना प्रावैधिकी विभाग राज्य को डिजिटल क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए सक्रिय है। इसी कड़ी में बेंगलुरु में बिहार आईटी इंडस्ट्री मीट 2026 का आयोजन किया गया, जिसमें देश-विदेश की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) लीडर्स, स्टार्टअप्स और उद्योग विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बिहार में निवेश आकर्षित करना और वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ दीर्घकालिक साझेदारी स्थापित करना था। इस अवसर पर बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी मंत्री श्री नीतीश मिश्रा ने राज्य के आधुनिक तकनीकी इकोसिस्टम को विकसित करने की सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने बताया कि बिहार आईटी पॉलिसी 2024 और बिहार ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर पॉलिसी 2026 बड़े निवेश, रोजगार सृजन और राज्य को वैश्विक तकनीकी मानचित्र पर नई पहचान दिलाने में मील का पत्थर साबित होंगी।

कोल इंडिया और यूपीआरवीयूएनएल के बीच हुआ समझौता

साझेदारी से सौर, पवन और पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर होगा काम

नई दिल्ली ।

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ ऊर्जा क्रांति को नई गति देने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल हुई है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) ने राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास हेतु एक संयुक्त उपक्रम (जेवी) समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस रणनीतिक साझेदारी का उद्देश्य प्रदेश की बढ़ती बिजली जरूरतों को टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल समाधानों से पूरा करना है। लखनऊ में हुए इस समझौते के तहत एक नई जेवी कंपनी का गठन होगा, जिसमें कोल इंडिया लिमिटेड की 51 फीसदी और यूपीआरवीयूएनएल की 49 फीसदी हिस्सेदारी होगी।

गैस संकट से थमी रायबरेली रेल पहिया कारखाने की रफ्तार

गैस आपूर्ति ठप होने से मात्र 7300 पहिए ही बन सके, वार्षिक लक्ष्य 60,000 का

रायबरेली ।

भारतीय ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने के प्रयासों को बड़ा झटका लगा है। ईरान-इजराइल युद्ध के कारण बाधित हुई गैस आपूर्ति ने देश के रेल पहिया उत्पादन कारखाने की कमर तोड़ दी है। गैस की कमी के चलते पिछले तीन माह में कारखाना केवल 7300 पहिए ही बना पाया है, जबकि चालू वित्त वर्ष का लक्ष्य 60,000 पहियों का है। यह गंभीर संकट ईरान-इजराइल युद्ध के कारण गैस आपूर्ति में आई रुकावट से पैदा हुआ है, क्योंकि कारखाने को आवश्यक मात्रा में गैस नहीं मिल पा रही है। प्रति वर्ष 80 हजार से एक लाख रेल पहिए बनाने की क्षमता वाले इस कारखाने का उत्पादन पहले आरआईएनएल के तहत धीमा रहा था। अप्रैल 2024 में भारतीय रेलवे ने इसका अधिग्रहण किया और आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (आरेडिका) के अधिकारियों-कर्मचारियों की मेहनत से उत्पादन में सुधार देखा गया। वित्तीय वर्ष 2023-24 में 22562 और वित्तीय वर्ष 2024-25 में 33515 पहियों का

उत्पादन हुआ था। हालांकि, मौजूदा गैस संकट ने इस प्रगति पर विराम लगा दिया है ।और रेलवे के लिए अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को पूरा करना अब एक बड़ी चुनौती बन गया है।

नौ महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द, निवेशकों की अरुचि बनी चुनौती

- सरकार की आयात निर्भरता घटाने की योजना प्रभावित

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार को महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र में एक बार फिर झटका लगा है। निवेशकों की उदासीन प्रतिक्रिया और पर्याप्त बोलीदाताओं की कमी के चलते सरकार ने नौ महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द कर दी है। यह फैसला देश की ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण खनिजों के आयात पर निर्भरता घटाने की रणनीतिक योजनाओं के लिए एक बड़ा धक्का माना जा रहा है। खान मंत्रालय के अनुसार, सातवें दौर की नीलामी में शामिल किए गए कुल 19 ब्लॉकों में से दो के लिए कोई बोली प्राप्त नहीं हुई- इनमें मध्य प्रदेश का मझौली टाइटेनियम, वैनेडियम एवं एल्युमिनस लैटराइट ब्लॉक तथा राजस्थान का रैमब देगाना टंगस्टन, लिथियम एवं संबद्ध खनिज ब्लॉक शामिल हैं। वहीं, बिहार, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में स्थित सात अन्य ब्लॉकों (मुख्यतः ग्लॉकोनाइट, वैनेडियम और ग्रेफाइट) के लिए तकनीकी रूप से तीन से कम पात्र बोलीदाता मिले, जिसके कारण उनकी नीलामी निरस्त कर दी गई। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि तकनीकी जटिलताओं, अधिक पूंजीगत लागत और नियामकीय अनिश्चितताओं के चलते निजी निवेशकों को ऐसे खनिज ब्लॉकों की ओर आकर्षित करना अब भी एक बड़ी चुनौती है। सरकार इससे पहले भी महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक खनिज ब्लॉकों की कई नीलामियां रद्द कर चुकी है, जो इस क्षेत्र में लगातार आ रही समस्याओं को रेखांकित करता है। सातवें दौर में पहली बार गुजरात, उत्तराखंड और तेलंगाना के ब्लॉक शामिल किए गए थे, जिससे देश में महत्वपूर्ण खनिजों के अन्वेषण का दायरा विस्तृत हुआ था।

शीर्ष 10 में से 6 कंपनियों के मूल्यांकन में 1 लाख करोड़ का इजाफा

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने मारी बाजी

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली, जिसके परिणामस्वरूप देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का संयुक्त बाजार मूल्यांकन एक लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गया। इस उछाल में भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई। सकारात्मक घरेलू आर्थिक संकेतकों और वैश्विक मौद्रिक नीति में नरमी की उम्मीदों ने निवेशकों के विश्वास को मजबूत किया, जिससे बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों में भी उल्लेखनीय बढ़त दर्ज की गई। पिछले सप्ताह बीएसई का बेंचमार्क सेंसेक्स 663.44 अंक (0.86 प्रतिशत) और एनएसई का निफ्टी 214.85 अंक (0.89 प्रतिशत) बढ़कर बंद हुआ। बाजार के जानकारों ने बताया कि घरेलू मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों में मजबूती, जीएसटी संग्रह में अच्छी वृद्धि और औद्योगिक गतिविधि में सुधार ने बाजार को गति दी। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका के श्रम बाजार के उम्मीद से नरम आंकड़ों के बाद अधिक उदार वैश्विक मौद्रिक नीति की उम्मीदों ने निवेशकों का भरोसा और बढ़ाया। इस दौरान भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 36,529.21 करोड़ रुपये बढ़कर 11,63,877.30 करोड़ रुपये हो गया, जो शीर्ष 10 में सबसे बड़ी बढ़त रही। बजाज फाइनेंस ने 33,059.83 करोड़ रुपये की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की, जिससे इसका मूल्यांकन 6,43,141.36 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक

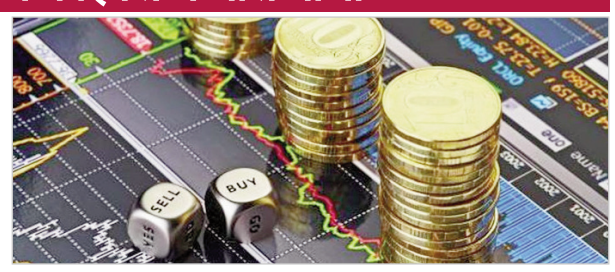

(16,084.29 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (7,664.89 करोड़ रुपये), भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) (8,601.99 करोड़ रुपये) और हिंदुस्तान यूनिलीवर (6,461.38 करोड़ रुपये) भी फायदे में रहे। हालांकि, कुछ कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में गिरावट भी आई। रिलायंस इंडस्ट्रीज को 18,945.56 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ, जबकि लार्सन एंड टुब्रो (26,572.2 करोड़ रुपये) और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) (4,846.08 करोड़ रुपये) के मूल्यांकन में भी कमी दर्ज की गई।

इन उतार-चढ़ाव के बावजूद, रिलायंस इंडस्ट्रीज 17,64,981.36 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान आता है।

वैश्विक संकेतों और कंप नियों के नतीजों पर टिकी बाजार की नजर

अमेरिका-ईरान वार्ता कच्चे तेल के उतार-चढ़ाव और टीसीएस के तिमाही परिणाम तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह रही तेजी के बाद निवेशकों की नजर अब इस सप्ताह में वैश्विक और घरेलू कारकों पर टिक गई है।

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, और प्रमुख आईटी कंपनी टीसीएस के पहली तिमाही के नतीजे बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार, आगामी सप्ताह में वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच अंतिम शांति समझौते को लेकर जारी वार्ता पर निवेशकों की पैनी नजर बनी रहेगी।

इस वार्ता का परिणाम न केवल वैश्विक स्थिरता को प्रभावित करेगा, बल्कि कच्चे तेल की कीमतों में भी उतार-चढ़ाव ला सकता है। कच्चे तेल की कीमतें भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए संवेदनशील हैं, क्योंकि इनकी तेजी आयात बिल बढ़ाती है और रुपये पर दबाव डालती है, जबकि नरमी राहत प्रदान कर सकती है। इसके अतिरिक्त, विदेशी शेयर बाजारों के रुझान और विदेशी संस्थागत निवेशकों की गतिविधियां भी भारतीय बाजार को प्रभावित करेंगी।

घरेलू स्तर पर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी, के पहली तिमाही के नतीजे 09 जुलाई को घोषित होंगे। ये नतीजे केवल टीसीएस के प्रदर्शन को ही नहीं दर्शाएंगे, बल्कि पूरे आईटी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण संकेतक होंगे। विश्लेषकों का मानना है कि टीसीएस की आय, मुनाफा और विशेष रूप से प्रबंधन की भविष्य की टिप्पणी अन्य तकनीकी शेयरों की दिशा और बाजार के समग्र मूड को प्रभावित कर सकती है। निवेशकों को कंपनी की विकास संभावनाओं और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच उसके लचीलेपन पर ध्यान देना होगा।

पायरेसी पर केंद्र का कड़ा प्रहार- टेलीग्राम को सख्त नोटिस, 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

- प्लेटफॉर्म की जवाबदेही तय करने पर जोर, आपराधिक श्रेणी में आएगा पायरेटेड कंटेंट साझा करना

नई दिल्ली। फिल्म और ओटीटी कंटेंट की चोरी (पायरेसी) पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाते हुए मशहूर मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम को सख्त नोटिस जारी किया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने प्लेटफॉर्म पर धड़ल्ले से शेयर हो रही पायरेटेड सामग्री पर तत्काल रोक लगाने को कहा है और अगले 15 दिनों के भीतर की गई कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट मांगी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब छोटे-मोटे लिंक्स या चैनल्स को ब्लॉक करना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि प्लेटफॉर्म को अपनी जवाबदेही तय करनी होगी। मंत्रालय ने कड़े शब्दों में याद दिलाया है कि भारत में पायरेसी सिर्फ एक दीवानी उल्लंघन नहीं, बल्कि कॉपीराइट एक्ट, 1957 और सिनेमैटोग्राफ एक्ट, 1952 के तहत एक गंभीर आपराधिक श्रेणी का अपराध है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि केवल शिकायत मिलने पर चैनल्स हटाना आईटी एक्ट, 2000 और आईटी रूल्स, 2021 के तहत प्लेटफॉर्म की पूरी जिम्मेदारी (ड्यू डिलिजेंस) को साबित नहीं करता।

इस हफ्ते दो कंपनियों से निवेशकों को मिलेंगे बोनस शेयर

गोल्डियाम इंटरनेशनल और हिंदुस्तान इंसुलेटर्स ने एक्स-डेट व रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई तय की

नई दिल्ली ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। दो कंपनियां गोल्डियाम इंटरनेशनल लिमिटेड और हिंदुस्तान इंसुलेटर्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा देने जा रही हैं। इस कॉर्पोरेट एक्शन के लिए एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है, जिससे निवेशकों को भविष्य में बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है। बीएसई के आंकड़ों के अनुसार गोल्डियाम इंटरनेशनल लिमिटेड (सिक्योरिटी कोड- 526729, गो ल्डियम) ने अपने निवेशकों के लिए 1:3 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने का फैसला किया है। इसका अर्थ है कि कंपनी के हर 3 मौजूदा शेयरों पर निवेशकों को 1 अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेगा, जिससे उनके शेयरों की कुल संख्या में वृद्धि होगी। इसी कड़ी में, हिंदुस्तान इंसुलेटर्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड (सिक्योरिटी कोड- 539984, हिल) भी अपने शेयरधारकों पर मेहरबान हुई है। इस कंपनी ने 2:1 के धमाकेदार अनुपात में बोनस शेयर देने का ऐलान किया है। यानी, प्रत्येक 1 शेयर पर आपको 2 नए बोनस शेयर मिलेंगे, जिससे आपका कुल शेयर होल्डिंग तीन गुना हो जाएगा। दोनों ही कंपनियों ने इस बोनस तोहफे के लिए एक्स-डेट और रिकॉर्ड डेट 10 जुलाई तय की है।

वैश्विक बाजार में सोने की जोरदार वापसी, साप्ताहिक बढ़त से निवेशकों में उत्साह

अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड तेजी के साथ 4200 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया

नई दिल्ली ।

कई सप्ताह की नरमी के बाद वैश्विक सोने के बाजार में इस हफ्ते जोरदार तेजी दर्ज की गई है। मई के बाद पहली बार सोने ने साप्ताहिक आधार पर मजबूत बढ़त हासिल की, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में गोल्ड 2.2 प्रतिशत की तेजी के साथ 4200 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया। इस उछाल की मुख्य वजह अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की उम्मीदों का कमजोर होना है। जून के रोजगार आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में बढ़ोतरी की संभावना कम हुई है, जिससे डॉलर इंडेक्स में भी गिरावट आई। इसके साथ ही, दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की बढ़ती खरीदारी ने भी सोने को बड़ा सहारा दिया। भारतीय मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी इसका असर दिखा। यहां गोल्ड फ्यूचर्स 1.10 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,47,365 रुपए प्रति 10 ग्राम पर, जबकि सिल्वर फ्यूचर्स 2.11 प्रतिशत चढ़कर 2,34,081 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि यदि मौजूदा आर्थिक परिस्थितियां बनी रहती हैं, तो सोने में आगे भी मजबूती आ सकती है। अमेरिकी निवेश बैंक जेपी मॉर्गन ने चौथी तिमाही में सोने के 4,500 डॉलर

प्रति औंस तक पहुंचने का अनुमान जताया है। उनका मानना है कि केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी और सुरक्षित निवेश की मांग लंबी अवधि में सोने को समर्थन देती रहेगी।

निफ्टी ने अनिश्चितता छोड़ी पीछे, 24,500 के ऊपर नई रफ्तार संभव

बैंकिंग सेक्टर मजबूत, भागीदारी का दायरा बढ़ा।

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार एक ऐसे नए दौर में है, जहां सूचकांकों के बजाय सेक्टरों की बदलती ताकत अगली तेजी का आधार बनेगी। निफ्टी ने मजबूती दिखाते हुए संकेत दिया कि खरीदार बाजार पर पकड़ बना रहे हैं, जिससे अनिश्चितता पीछे छूटी है। निफ्टी के लिए 24,490-24,510 का क्षेत्र सबसे बड़ी बाधा है, जिसे पार करने पर 24,630 से 24,860 तक की नई तेजी मिल सकती है। 24,060-24,080 निकट अवधि का महत्वपूर्ण समर्थन रहेगा, जबकि 23,800 मजबूत आधार का काम कर सकता है। विकल्प आंकड़ों में 24,500 पर कॉल ओपन इंटरेस्ट प्रतिरोध और 24,000 पर पुट ओपन इंटरेस्ट आधार दर्शाता है। लगभग 1 का पीसीआर ऊपर बढ़ने की संभावना

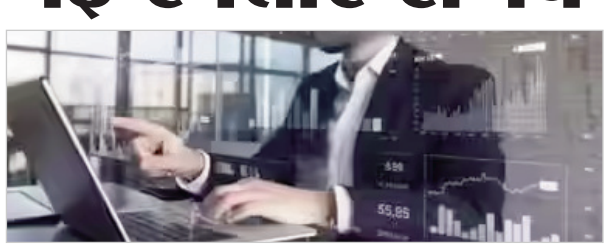

को इंगित करता है। इस पूरे बाजार में बैंकिंग सेक्टर सर्वाधिक मजबूत रहा है और अगली बड़ी चाल से पहले स्वस्थ कंसोलिडेशन में है। 58,740-58,760 के ऊपर बंद होने पर बैंक निफ्टी 59,600 से 60,000 की ओर बढ़ सकता है। निजी बैंक मजबूत हो रहे हैं, जबकि पीएसयू बैंकों में स्वस्थ मुनाफावसूली है।

तेल-तिलहन बाजार में मिला-जुला रुख, मूंगफली-बिनौला मजबूत, सरसों-सोयाबीन कमजोर

सस्ता होने से मूंगफली और उपलब्धता की कमी से बिनौला तेल में उछाल

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में कीमतों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। सूरजमुखी तेल के महंगा होने और बिनौला तेल की कम उपलब्धता के कारण उपभोक्ताओं की मांग मूंगफली और बिनौला तेल की ओर बढ़ी, जिससे इनके दाम में सुधार आया। वहीं, ऊंची कीमतों पर कमजोर खरीदारी, प्लांट वालों की ओर से दाम घटाने और लागत से नीचे बिक्री के दबाव में सरसों, सोयाबीन और पाम तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, सूरजमुखी तेल की बढ़ी हुई कीमतें और बिनौला तेल की बेहद कम उपलब्धता ने मूंगफली तेल की मांग को बढ़ाया। सस्ता विकल्प होने के कारण मूंगफली तेल की औद्योगिक और खुदरा मांग तेज हुई, जिससे इसके दाम में सुधार आया। इसी तरह, नमकीन बनाने वाली कंपनियों से बिनौला तेल की औद्योगिक मांग बनी रहने और उपलब्धता न के बराबर होने के चलते इसके दाम भी सुधरे। दूसरी ओर, ऊंची कीमतों के कारण सरसों तेल की खरीदारी धीमी रही, क्योंकि उपभोक्ता सस्ते आयातित तेलों को तरजीह दे रहे हैं। इसके परिणामस्वरूप बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई। सोयाबीन तेल-तिलहन में भी प्लांट मालिकों द्वारा खरीद के दाम घटाने के कारण कमजोरी दिखी। सूत्रों ने बताया कि लागत मूल्य से नीचे बिकवाली के दबाव के चलते कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन के दाम भी लुढ़क गए, जिससे इन तेलों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए।

सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 50 रुपये की गिरावट के साथ 7,525-7,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 15,525 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,565-2,665 रुपये और 2,565-2,710 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 100-100 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 7,000-7,050 रुपये और 6,850-6,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 15,400 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 175 रुपये की गिरावट के साथ 15,250 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 25 रुपये की गिरावट के साथ 11,975 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में शांति बहाली के बाद भारत ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर आपात प्रतिबंध हटाए

पेट्रोलियम मंत्रालय ने होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी आपूर्ति सामान्य होने के बाद अधिसूचना जारी की

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव कम होने और होर्मुज जलडमरूमध्य से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की आपूर्ति सामान्य होने के बाद केंद्र सरकार ने प्राकृतिक गैस आपूर्ति पर लगाए गए अधिकांश आपातकालीन प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से वापस ले लिया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को अधिसूचना जारी कर प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश, 2026 में किए गए उन संशोधनों को हटा दिया, जो घरेलू और आयातित गैस की आपूर्ति को सरकार द्वारा तय प्राथमिकता सूची के अनुसार विनियमित करते थे। सरकार ने ये आपातकालीन प्रतिबंध नौ मार्च को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत लागू किए थे, जब पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने और अमेरिका-इजरायल की ओर से ईरान पर हमलों के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से एलएनजी की आवाजाही प्रभावित हुई थी। उस समय कई अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं ने फोर्स मेज्योर लागू कर दिया था, जिससे भारत सहित कई देशों की ऊर्जा सुरक्षा पर गहरा असर पड़ने की आशंका पैदा हो गई थी। मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना में स्पष्ट किया है कि अब क्षेत्र में युद्धविराम लागू है, राजनयिक बातचीत जारी है और होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात पूरी तरह से सामान्य हो चुका है। ऐसे में गैस आपूर्ति पर लगाए गए इन आपातकालीन प्रावधानों को जारी रखने की आवश्यकता नहीं रह गई है। पश्चिम एशिया संकट के दौरान, सरकार ने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कुल तीन बड़े कदम उठाए थे। इनमें प्राकृतिक गैस आपूर्ति का नियंत्रण, रिफाइनरियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश और थोक उपभोक्ताओं के लिए डीजल की बिक्री को सीमित करना शामिल था। एलपीजी उत्पादन और डीजल बिक्री से जुड़े प्रतिबंध पहले ही वापस ले लिए जा चुके थे, और अब गैस आपूर्ति से जुड़े प्रावधान भी समाप्त कर दिए गए हैं। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस की लगभग आधी आवश्यकता आयात के जरिये पूरी करता है। इसमें से लगभग 40-45 प्रतिशत कच्चा तेल और 65 प्रतिशत एलएनजी आयात पश्चिम एशिया से होता है। यही कारण है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में किसी भी तरह का व्यवधान भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती माना जाता है।

महाभारत का हुआ था जहां युद्ध उस कुरुक्षेत्र के रहस्य

कुरुक्षेत्र युद्ध कौरवों और पाण्डवों के मध्य कुरु साम्राज्य के सिंहासन की प्राप्ति के लिए कुरुक्षेत्र में युद्ध लड़ा गया था। आओ जानते हैं कुरुक्षेत्र के 5 रहस्य। कुरुक्षेत्र भारतीय राज्य हरियाणा का एक क्षेत्र है।

छोटे भाई का वध

मान्यता अनुसार यह कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण को डर था कि भाई-भाइयों के, गुरु-शिष्यों के व संबंधी कुटुंबियों के इस युद्ध में एक दूसरे को मरते देखकर कहीं ये संधि न कर बैठें। इसलिए ऐसी भूमि युद्ध के लिए चुनने का फैसला लिया गया जहां क्रोध और द्वेष के संस्कार पर्याप्त मात्रा में हों। तब श्रीकृष्ण ने कई दूत अनेकों दिशाओं में भेजे और उन्हें वहां की घटनाओं का जायजा लेने को कहा। एक दूत ने सुनाया कि कुरुक्षेत्र में बड़े भाई ने छोटे भाई को खेत की मेंड़ टूटने पर बहते हुए वर्षा के पानी को रोकने के लिए कहा। उसने साफ इनकार कर दिया। इस पर बड़ा भाई आग बबूला हो गया। उसने छोटे भाई को छुरे से गोद डाला और उसकी लाश को पैर पकड़कर घसीटता हुआ उस मेंड़ के पास ले गया और जहां से पानी निकल रहा था वहां उस लाश को पानी रोकने के लिए लगा दिया। इस कहानी को सुनकर श्रीकृष्ण ने तय किया कि यही भूमि भाई-भाई के युद्ध के लिए उपयुक्त है। जब श्रीकृष्ण आश्वस्त हो गए कि इस भूमि के संस्कार यहां पर भाइयों के युद्ध में एक दूसरे के प्रति प्रेम उत्पन्न नहीं होने देंगे तब उन्होंने युद्ध कुरुक्षेत्र में करवाने की घोषणा की।

कुरु का क्षेत्र

दूसरी कहानी अनुसार कहते हैं कि जब कुरु इस क्षेत्र की जुताई कर रहे थे तब इन्द्र ने उनसे जाकर इसका कारण पूछा। कुरु ने कहा कि जो भी व्यक्ति इस स्थान पर मारा जाए, वह पुण्य लोक में जाए, ऐसी मेरी इच्छा है। इन्द्र उनकी बात को हंसी में उड़ाते हुए स्वर्गलोक चले गए। ऐसा अनेक बार हुआ। इन्द्र ने अन्य देवताओं को भी ये बात बताई। देवताओं ने इन्द्र से कहा कि यदि संभव हो तो कुरु को अपने पक्ष में कर लो। तब इन्द्र ने कुरु के पास जाकर कहा कि कोई भी पशु, पक्षी या मनुष्य निराहार रहकर या युद्ध करके इस स्थान पर मारा जायेगा तो वह स्वर्ग का भागी होगा। ये बात भीष्म, कृष्ण आदि सभी जानते थे, इसलिए महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र में लड़ा गया।

श्रवण कुमार की कहानी

मातृ और पितृ भक्त श्रवण कुमार की कहानी तो आपने सुनी ही होगी। श्रवण कुमार जैसे पितृभक्त खोजना मुश्किल है। वे अपने अंधे माता-पिता की सेवा पूरी तत्परता से करते थे, उन्हें किसी प्रकार का कष्ट नहीं होने देते थे। एक बार माता-पिता ने तीर्थ यात्रा की इच्छा की और वे उन्हें कांवर में बिठाकर तीर्थ यात्रा को चल दिए। बहुत से तीर्थ करा लेने पर एक दिन अचानक उसके मन में यह भाव आया कि पिता-माता को पैदल क्यों न चलाया जाए? उन्होंने कांवर जमीन पर रख दी और उन्हें पैदल चलने को कहा। अंधे माता और पिता पैदल चलने तो लगे पर उन्होंने साथ ही यह भी कहा- बेटा इस भूमि को जितनी जल्दी हो सके पार कर लेना चाहिए। वे तेजी से चलने लगे जब वह भूमि निकल गई तो श्रवणकुमार को माता-पिता के साथ इस तरह का व्यवहार करने पर बड़ा पश्चाताप हुआ और उसने पैरों में गिरकर क्षमा मांगी तथा फिर से दोनों को कांवर में बिठा लिया। उनके अंधे पिता ने कहा- पुत्र इसमें तुम्हारा दोष नहीं। उस भूमि पर किसी समय मय नामक एक असुर रहता था उसने जन्मते ही अपने ही पिता-माता को मार डाला था, उसी के संस्कार उस भूमि में अभी तक बने हुए हैं इसीसे उस क्षेत्र में गुजरते हुए तुम्हें ऐसी बुद्धि उपजी।

कुरुक्षेत्र का महत्व

महाभारत के वनपर्व के अनुसार, कुरुक्षेत्र में आकर सभी लोग पापमुक्त हो जाते हैं और जो ऐसा कहता है कि मैं कुरुक्षेत्र जाऊंगा और वहीं निवास करुंगा। यहां तक कि यहां की उड़ी हुई धूल के कण पापी को परम पद देते हैं। नारद पुराण में आया है कि ग्रहों, नक्षत्रों एवं तारागणों को कालगति से (आकाश से) नीचे गिर पड़ने का भय है, किन्तु वे, जो कुरुक्षेत्र में मरते हैं पुनः पृथ्वी पर नहीं गिरते, अर्थात वे पुनःजन्म नहीं लेते। भगवद्गीता के प्रथम श्लोक में कुरुक्षेत्र को धर्मक्षेत्र कहा गया है।

कुरुक्षेत्र के क्षेत्र

यहां एक विशाल तालाब है जिसका निर्माण महाभारत काल में ही हुआ था। यहां एक ज्योतिसर नामक स्थान हैं जहां पर श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था। यहां पर ब्रह्मसरोवर, सन्निहित सरोवर, भद्रकाली मन्दिर, पिहोवा और श्री स्थानेश्वर महादेव मन्दिर व पूण्डरी नामक स्थान प्रसिद्ध है।

महाभारत में व्यूह रचना कितने प्रकार की थी?

महाभारत में आपने सिर्फ चक्रव्यूह का ही नाम सूना होगा। लेकिन महाभारत के युद्ध में कई प्रकार की व्यू रचना का उल्लेख मिलता है। युद्ध को लड़ने के लिए पक्ष या विपक्ष अपने हिसाब से व्यूह रचना करता था। व्यूह रचना का अर्थ है कि किस तरह सैनिकों को सामने खड़ा किया जाए। आसमान से देखने पर यह व्यूह रचना दिखाई देती है। जैसे क्रौंच व्यूह है, तो आसमान से देखने पर क्रौंच पक्षी की तरह सैनिक खड़े हुए दिखाई देंगे। इसी तरह चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। आओ जानते हैं कुछ खास व्यूह रचना के बारे में।

गरुड़ व्यूह: गरुड़ पक्षी का चित्र तो देखा ही होगा आपने। यह विशालकाय पक्षी भगवान विष्णु का वाहन है। युद्ध में सैनिकों को विपक्षी सेना के सामने इस तरह पंक्तिबद्ध खड़ा किया जाता है कि जिससे आसमान से देखने पर गरुढ़ पक्षी जैसी आकृति दिखाई दे। इसे ही गरुड़ व्यूह कहते हैं। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी।

क्रौंच व्यूह: क्रौंच सारस की एक प्रजाति है। इस व्यूह का आकार इसी पक्षी की तरह होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना युधिष्ठिर ने की थी।

मकरव्यूह: प्राचीन काल में मकर नाम का एक जलचर प्राणी होता है। मकर का सिर तो मगरमच्छ की तरह लेकिन उसके सिर पर बकरी के सींगों जैसे सींग होते थे, मृग और सांप जैसा शरीर, मछली या मोर जैसी पूंछ और पैंथर जैसे पैर दर्शाए भी होते थे। वैदिक साहित्य में अक्सर तिमिंगिला और मकर का साथ-साथ जिक्र होता है। लेकिन संभवतः यहां व्यूह रचना से तात्पर्य मगर से होगा मकर से नहीं। महाभारत में इस व्यूह की रचना कौरवों ने की थी। >

कछुआ व्यूह: इसमें सेना को कछुए की तरह जमाया जाता है।

अर्धचंद्राकार व्यूह: अर्ध चंद्र का अर्थ तो आप समझते ही हैं। सैन्य रचना जब अर्ध चंद्र की तरह होती थी तो उसे अर्धचंद्राकार व्यूह रचना कहते थे। इस व्यूह की रचना अर्जुन ने कौरवों के गरुड़ व्यूह के प्रत्युत्तर में की थी।

मंडलाकार व्यूह: मंडल का अर्थ गोलाकार या चक्राकार होता है। इस व्यूह का गठन परिपत्र रूप में होता था। महाभारत में इस व्यूह की रचना भीष्म पितामह ने की थी। इसके प्रत्युत्तर में पांडवों ने व्रज व्यूह की रचना कर इसे भेद दिया था।

चक्रव्यूह: चक्रव्यूह को आसमान से देखने पर एक घूमते हुए चक्र के समान सैन्य रचना दिखाई देती है। इस चक्रव्यूह को देखने पर इसमें अंदर जाने का रास्ता तो नजर आता है, लेकिन बाहर निकलने का रास्ता नजर नहीं आता। आपने स्पाइरल देखा होगा बस उसी तरह का यह होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना गुरु द्रोण ने की थी।

चक्रशकट व्यूह: महाभारत युद्ध में अभिमन्यु की निर्मम हत्या के बाद अर्जुन ने शपथ ली थी कि जयद्रथ को कल सूर्यास्त के पूर्व मार दूंगा। तब गुरु द्रोणाचार्य ने जयद्रथ को बचाने के लिए इस व्यूह की रचना की थीं। लेकिन भगवान श्रीकृष्ण की चतुराई से जयद्रथ उस व्यूह से निकलकर बाहर आ गया और मारा गया।

वज्र व्यूह: वज्र एक तरह का हथियार होता है। ये दो प्रकार का होता था- कुलिश और अशानि। इसके ऊपर के तीन भाग तिरछे-टेढ़े बने होते हैं। बीच का हिस्सा पतला होता है। पर यह बड़ा वजनदार होता है। इसका आकार देखने में इन्द्रदेव के वज्र जैसा होता है। महाभारत में इस व्यूह की रचना अर्जुन ने की थी।

औरमी व्यूह: पांडवों के व्रज व्यूह के प्रत्युत्तर में भीष्म ने औरमी व्यूह की रचना की थी। इस व्यूह में पूरी सेना समुद्र के समान सजाई जाती थी। जिस प्रकार समुद्र में लहरें दिखाई देती हैं, ठीक उसी आकार में कौरव सेना ने पांडवों पर आक्रमण किया था।

श्रीन्गातका व्यूह: कौरवों के औरमी व्यूह के प्रत्युत्त में अर्जुन ने श्रीन्गातका व्यूह की रचना की थी। ये व्यूह एक भवन के समान दिखाई देता था। संभवतः इसे ही तीन शिखरों वाला व्यूह कहते होंगे।.इसके अलावा सर्वतोभद्र और सुपर्ण व्यूह का उल्लेख भी मिलता है।

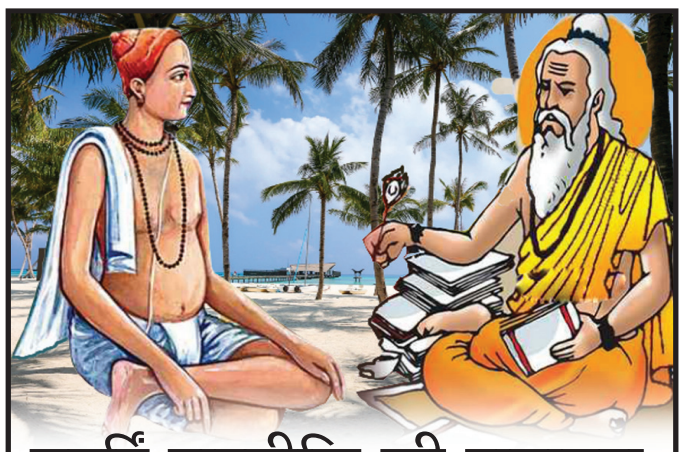

महर्षि वाल्मीकि की रामायण और गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस के उत्तर कांड में फर्क क्यूं?

रामायण या रामचरित मानस के उत्तर कांड के संबंध में बहुत लोगों को इस बात का संशय है कि इसमें घटनाओं का वर्णन वैसा नहीं है जैसा कि शोधकर्ता मानते हैं। रामायण और रामचरित मानस दोनों ही का उत्तर कांड बहुत ही भिन्न है। ऐसा क्यों? यह शोध का विषय हो सकता है। रामानंद सागर द्वारा उत्तर कांड के नाम से उत्तर रामायण नाम का सीरियल बनाया गया है। आओ जानते हैं दोनों ही रामायण के काण्ड का फर्क।

वाल्मीकि कृत रामायण का उत्तर कांड

उत्तरकाण्ड में राम के राज्याभिषेक के अनन्तर कौशिकादि महर्षियों का आगमन, महर्षियों के द्वारा राम को रावण के पितामह, पिता तथा रावण का जन्मादि वृत्तान्त सुनाना, सुमाली तथा माल्यवान के वृत्तान्त, रावण, कुम्भकर्ण, विभीषण आदि का जन्म-वर्णन, रावणादि सभी भाइयों को ब्रह्मा से वरदान-प्राप्ति, रावण-पराक्रम-वर्णन के प्रसंग में कुबेरादि देवताओं का घर्षण, रावण सम्बन्धित अनेक कथाएँ, सीता के पूर्वजन्म रूप वेदवती का वृत्तान्त, वेदवती का रावण को शाप, सहस्त्रबाहु अर्जुन के द्वारा नर्मदा अवरोध तथा रावण का बन्धन, रावण का बालि से युद्ध और बालि की कांख में रावण का बन्धन, सीता-परित्याग, सीता का वाल्मीकि आश्रम में निवास, निमि, नहुष, ययाति के चरित, शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर वध, शंबूक वध तथा ब्राह्मण पुत्र को जीवन प्राप्ति, भार्गव चरित, वृत्रासुर वध प्रसंग, किंपुरुषोत्पत्ति कथा, राम का अश्वमेध यज्ञ, वाल्मीकि के साथ राम के पुत्र लव कुश का रामायण गाते हुए अश्वमेध यज्ञ में प्रवेश, राम की आज्ञा से वाल्मीकि के साथ आयी सीता का राम से मिलन, सीता का रसातल में प्रवेश, भरत, लक्ष्मण तथा शत्रुघ्न के पुत्रों का पराक्रम वर्णन, दुर्वासा-राम संवाद, राम का सशरीर स्वर्गगमन, राम के भ्राताओं का स्वर्गगमन, तथा देवताओं का राम का पूजन विशेष आदि वर्णित है।

तुलसीदास गोस्वामी कृत रामचरितमानस का उत्तर कांड

इसमें मंगलाचरण, भरत विरह तथा भरत-हनुमान मिलन, अयोध्या में आनंद, श्री रामजी का स्वागत, भरत मिलाप, सबका मिलनानन्द, राम राज्याभिषेक, वेदस्तुति, शिवस्तुति, वानरों की और निषाद की विदाई, रामराज्य का वर्णन, पुत्रोत्पति, अयोध्याजी की रमणीयता, सनकादिका आगमन और संवाद, हनुमानजी के द्वारा भरतजी का प्रश्न और श्री रामजी का उपदेश, श्री रामजी का प्रजा को उपदेश (श्री रामगीता), पुरवासियों की कृतज्ञता, श्री राम-वशिष्ठ संवाद, श्री रामजी का भाइयों सहित अमराई में जाना, नारदजी का आना और स्तुति करके ब्रह्मलोक को लौट जाना, शिव-पार्वती संवाद, गरुड़ मोह, गरुड़जी का काकभुशुण्डि से रामकथा और राम महिमा सुनना, काकभुशुण्डि का अपनी पूर्व जन्म कथा और कलि महिमा कहना, गुरुजी का अपमान एवं शिवजी के शाप की बात सुनना, रुद्राष्टक, गुरुजी का शिवजी से अपराध क्षमापन, शापानुग्रह और काकभुशुण्डि की आगे की कथा, काकभुशुण्डिजी का लोमशजी के पास जाना और शाप तथा अनुग्रह पाना, ज्ञान-भक्ति-निरुपण, ज्ञान-दीपक और भक्ति की महान महिमा, गरुड़जी के सात प्रश्न तथा काकभुशुण्डि के उत्तर, भजन महिमा, रामायण माहात्म्य, तुलसी विनय और फलस्तुति और रामायणजी की आरती का वर्णन मिलता है। वाल्मीकि कृत उत्तर कांड में राम के रावण वध की आगे की गाथा का वर्णन है, जिसमें राम का राज्याभिषेक, सीता परित्याग, वाल्मीकि आश्रम में लव और कुश का जन्म, बचपन और सीता का जीवन। शत्रुघ्न द्वारा लवणासुर का वध और इसके अलावा पूर्व के ऋषि मुनियों और राजाओं की गाथा का वर्णन मिलेगा। दूसरी ओर गोस्वामी तुलसीदास कृत रामचरित मानस में शिव और पार्वती का रामकथा के संबंध में संवाद, काकभुशुण्डि और गरुढ़ संवाद सहित ज्ञान और उपदेश की बातें ही ज्यादा हैं। इसमें सीता परित्याग और लव एवं कुश के बारे में उल्लेख नहीं मिलता है। विद्वान लोग मानते हैं कि ऋषि वाल्मीकि राम के समकालीन थे और गोस्वामी तुलसीदास राम के भक्त थे। यदि प्रमाण की बात सामने आए तो वाल्मीकि रामायण को ही प्रमाण मानना चाहिए, क्योंकि वही सही रामायण है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस को लिखने के पूर्व वाल्मीकि कृत रामायण सहित दक्षिण भारत की रामायण को भी पढ़ा था। अतः उन्होंने सभी को पढ़कर लिखा जबकि वाल्मीकि ने राम के जीवन को देखकर रामायण को लिखा था।

अश्वमेध यज्ञ क्या होता है, खास बातें

अश्वमेध यज्ञ को कुछ विद्वान एक राजनीतिक और कुछ विद्वान इसे आध्यात्मिक प्रयोग मानते हैं। कहा जाता है कि इसे वही सम्राट कर सकता था, जिसका अधिपत्य अन्य सभी नरेश मानते थे। कालांतर में यह यज्ञ जो नरेश जिस समाज से संबंध रखता था उस समाज की रीति के अनुसार करता था। इसके कारण इस यज्ञ को करने में कई बुरी परंपराएं भी जुड़ गई। वैदिक रीति से किया गया यज्ञ ही धर्मसम्मत माना गया है। यज्ञ का प्रारम्भ बसन्त अथवा ग्रीष्म में होता था तथा इसके पूर्व प्रारम्भिक अनुष्ठानों में प्रायः एक वर्ष का समय लगता था। इस बीच नगर में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम और उत्सव होते थे। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पीछे यज्ञकर्ता राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरागमन की प्रतिक्षा करते थे। इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह क्रिया पुनः आरम्भ की जाती थी। कहते हैं कि अश्वमेध यज्ञ ब्रह्म हत्या आदि पापक्षय, स्वर्ग प्राप्ति एवं मोक्ष प्राप्ति के लिए भी किया जाता था। कुछ विद्वान मानते हैं कि अश्वमेध यज्ञ एक आध्यात्मिक यज्ञ है जिसका संबंध गायत्री मंत्र से जुड़ा हुआ है। श्रीराम शर्मा आचार्य कहते हैं कि 'अश्व' समाज में बड़े पैमाने पर बुराइयों का प्रतीक है और 'मेधा' सभी बुराइयों और अपनी जड़ों से दोष के उन्मूलन का संकेत है। जहां भी इन अश्वमेध यज्ञ का प्रदर्शन किया गया है, उन क्षेत्रों में अपराधों और आक्रामकता की दर में कमी का अनुभव किया है। अश्वमेध यज्ञ पारिस्थितिकी संतुलन के लिए और आध्यात्मिक वातावरण की शुद्धि के लिए गायत्री मंत्र से जुड़ा है। गुप्त साम्राज्य के पतन के बाद अश्वमेध प्रायः बन्द ही हो गया।

क्या कर्ण के वैवस्वत मनु यमराज और शनिदेव भाई थे?

हिन्दू पुराण और महाभारत में कई रहस्य छिपे हुए हैं। उन्हें जानना और समझने बहुत ही कठिन है। पुराणों के जानकार मानते हैं कि वैवस्वत मनु, यमराज और शनिदेव और महाभारत के कर्ण भाई भाई थे।

वैवस्वत मनु और यमराज

विश्वकर्मा की पुत्री संज्ञा विवस्वान अर्थात सूर्य की पत्नी हुई। उसके गर्भ से सूर्य ने तीन संतानें उत्पन्न की। जिनमें एक कन्या और दो पुत्र थे। सबसे पहले प्रजापति श्राद्धदेव, जिन्हें वैवस्वत मनु कहते हैं, उत्पन्न हुए। तत्पश्चात यम और यमुना- ये जुड़वीं संतानें हुईं।

शनिदेव

भगवान सूर्य की तूसरी पत्नी छाया थीं। छाया को संज्ञा की छाया ही माना जाता था। छाया से ही शनिदेव का जन्म हुआ था।

कर्ण : सूर्य पुत्र कर्ण को महाभारत का एक महत्वपूर्ण योद्धा माना जाता है। कर्ण के धर्मपिता तो पांडु थे, लेकिन पालक पिता अधिरथ और पालक माता राधा थी। राजा शूरसेन की पुत्री कुंती अपने महल में आए महात्माओं की सेवा करती थी। एक बार वहां ऋषि दुर्वासा भी पधारे। कुंती की सेवा से प्रसन्न होकर दुर्वासा ने कहा, 'पुत्री! मैं तुम्हारी सेवा से अत्यंत प्रसन्न हुआ हूं अतः तुझे एक ऐसा मंत्र देता हूं जिसके प्रयोग से तू जिस देवता का स्मरण करेगी वह तत्काल तेरे समक्ष प्रकट होकर तेरी मनोकामना पूर्ण करेगा।' इस तरह कुंती को वह मंत्र मिल गया। एक दिन कुंती के मन में आया कि क्यों न इस मंत्र की जांच कर ली जाए। कहीं यह यूं ही तो नहीं? तब उन्होंने एकांत में बैठकर उस मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव का स्मरण किया। उसी क्षण सूर्यदेव प्रकट हो गए। कुंती हैरान-परेशान अब क्या करें?

सूर्यदेव ने कहा, 'देवी! मुझे बताओ कि तुम मुझसे किस वस्तु की अभिलाषा करती हो। मैं तुम्हारी अभिलाषा अवश्य पूर्ण करूंगा।' इस पर कुंती ने कहा, 'हे देव! मुझे आपसे किसी भी प्रकार की अभिलाषा नहीं है। मैंने मंत्र की सत्यता परखने के लिए जाप किया था।' कुंती के इन वचनों को सुनकर सूर्यदेव बोले, 'हे कुंती! मेरा आना व्यर्थ नहीं जा सकता। मैं तुम्हें एक अत्यंत पराक्रमी तथा दानशील पुत्र देता हूं।' इतना कहकर सूर्यदेव अंतर्ध्यान हो गए।

कर्ण के अन्य भाई

कुंति पुत्र कर्ण एक महान योद्ध था जो कौरवों की ओर से लड़ा था। कुंती श्रीकृष्ण के पिता वसुदेव की बहन और भगवान कृष्ण की बुआ थीं। कुंति का पुत्र होने के कारण कर्ण भगवान श्री कृष्ण का भाई था। इसके अलावा पांचों पांडव भी कर्ण के भाई ही थे।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

विंबलडन में बदल रही है चैंपियनों की किस्मत! स्वियातेक बाहर, दिमित्रोव-कीज ने बचाई उम्मीदें

लंदन, एजेंसी। विंबलडन 2026 में लगातार ऐसे नतीजे सामने आ रहे हैं, जिन्होंने टेनिस प्रशंसकों को चौंका दिया है। महिला एकल में जहां मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक का सफर तीसरे दौर में ही खत्म हो गया, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ग्रिगोर दिमित्रोव और मैडिसन कीज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे दौर में जगह बना ली। बड़े उलटफेर और रोमांचक मुकाबलों ने इस बार के विंबलडन को और दिलचस्प बना दिया है।

एलेक्जेंड्रा एला ने रचा इतिहास, स्वियातेक को किया बाहर

21 वर्षीय फिलीपींस की एलेक्जेंड्रा एला ने टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक को 7-6(9), 6-2 से हराया।

पहले सेट के टाईब्रेक में दो सेट प्वाइंट बचाने के बाद एला ने पूरे मैच पर अपना नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ वह ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह में पहुंचने वाली फिलीपींस की पहली खिलाड़ी बन गईं। पिछले कुछ महीनों से शानदार फॉर्म में चल रही एला ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वह बड़े खिलाड़ियों को चुनौती देने का दम रखती हैं। अब उनका सामना 13वीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी से होगा।

दिमित्रोव की दमदार वापसी, पांच सेट तक चला रोमांच

पुरुष एकल में बुल्गारिया के ग्रिगोर दिमित्रोव ने इटली के माटेओ बेरेटिनी को 6-3, 6-4, 3-6, 5-7, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई। तीन घंटे 32 मिनट तक चले मुकाबले में दिमित्रोव ने शुरुआती दो सेट आसानी से जीत लिए थे, लेकिन बेरेटिनी ने शानदार वापसी कर मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचा दिया।निर्णायक सेट में दिमित्रोव ने अनुभव का शानदार प्रदर्शन किया और महत्वपूर्ण समय पर सर्विस ब्रेक हासिल कर जीत दर्ज की। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'पिछले साल की निराशा के बाद इस कोर्ट पर जीत हासिल करना मेरे लिए बेहद खास है। यह सिर्फ जीत या हार की बात नहीं है, बल्कि हर चुनौती को पार करने के बारे में है।' अब चौथे दौर में उनका सामना ब्रिटेन के वाइल्ड कार्ड खिलाड़ी आर्थर फेरी से होगा।

कीज ने दिखाई चैंपियन जैसी वापसी

महिला एकल में अमेरिका की 26वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज ने पहला सेट गंवाने के बावजूद अमांडा अनिसिमोवा को 3-6, 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। कीज की यह लगातार 10वीं ग्रास कोर्ट जीत रही और वह करियर में छठी बार विंबलडन के चौथे दौर में पहुंची हैं।अनिसिमोवा ने पहले सेट में शानदार शुरुआत की थी, लेकिन दूसरे और तीसरे सेट में सात डबल फॉल्ट उनकी हार की बड़ी वजह बने। दूसरी ओर कीज ने अपने दमदार बेसलाइन शॉट्स और सटीक सर्विस के दम पर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। अब उनका सामना चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा से होगा।

खिताब की दौड़ हुई और रोमांचक

स्वियातेक और दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रायबाकिना के बाहर होने से महिला वर्ग पूरी तरह खुल गया है। वहीं दिमित्रोव और कीज जैसे अनुभवी खिलाड़ियों ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार विंबलडन में अनुभव और धैर्य भी खिताब की दौड़ में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। चौथे दौर के मुकाबलों के साथ टूर्नामेंट अब और रोमांचक होने की उम्मीद है।

ईशान बोले-हमने परफेक्ट टीम चुनी थी

दूसरे टी-20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का दिया जवाब

लंदन(एजेंसी)। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 मुकाबले में हार के बाद ईशान किशन ने टीम चयन पर उठ रहे सवालों का जवाब दिया। ऑफ स्पिनर की कमी को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने साफ कहा कि टीम प्रबंधन ने सर्वश्रेष्ठ संयोजन के साथ मैदान में उतरने का फैसला किया था।ईशान ने कहा, 'नहीं, मेरा मानना है कि हमने परफेक्ट टीम चुनी थी। जब आप मैच नहीं जीतते हैं तो बहुत सारे सवाल और अगर-मगर सामने आने लगते हैं। लेकिन हमारे सभी गेंदबाज बेहतरीन हैं। उन्होंने पहले भी अलग-अलग परिस्थितियों में टीम को जीत दिलाई है। सपाट विकेटों पर भी विकेट निकाले हैं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि टीम चयन के लिहाज से हम कुछ अलग कर सकते थे।'

विदेशी परिस्थितियों को बेहतर समझना होगा

हालांकि ईशान ने माना कि भारतीय टीम को इंग्लैंड की परिस्थितियों के अनुसार खुद को बेहतर ढंग से ढालने की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'हमें यह समझना होगा कि परिस्थितियां कैसी हैं और हम उनमें कैसे बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। हम भारत के बाहर खेल रहे हैं, इसलिए बल्लेबाज और गेंदबाज दोनों को यह समझना होगा कि यहां की पिच हमसे क्या मांगती है। सिर्फ एक बल्लेबाज या एक गेंदबाज अंतर नहीं ला सकता। पूरी टीम को मिलकर यह समझना होगा कि हम कहां सुधार कर सकते हैं।'

हमें 20 रन और जोड़ने होंगे

ईशान किशन का मानना है कि भारत लगातार अपनी पारियों के आखिरी ओवरों में गति खो रहा है, जिससे टीम 15-20 रन पीछे रह जा रही है।उन्होंने कहा, 'हमें यह देखना होगा कि हम अतिरिक्त 20 रन कहां से बना सकते हैं। चाहे चौके-छक्कों से या बड़े मैदानों में गैप्स का बेहतर इस्तेमाल करके। इंग्लैंड के बल्लेबाज यहां की परिस्थितियों को हमसे बेहतर समझते हैं।

इंग्लैंड ने बनाई सीरीज में बढ़त

भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन (49), अभिषेक शर्मा (43) और कप्तान श्रेयस अय्यर (37) की पारियों की मदद से 190/7 का स्कोर बनाया। जवाब में इंग्लैंड ने जैकब बेथेल की नाबाद 76 रन की शानदार पारी के दम पर 19 ओवर में 191/6 बनाकर मुकाबला चार विकेट से जीत लिया। भारत की हार में 17वां ओवर निर्णायक साबित हुआ, जिसमें रवि बिश्नोई ने 29 रन खर्च किए।

सह-मेजबान कनाडा का सफर समाप्त

- लगातार दूसरी बार विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मोरक्को

ह्यूस्टन। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-16 मुकाबले में मोरक्को ने सह-मेजबान कनाडा को 3-0 से हराकर लगातार दूसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। स्टार मिडफील्डर अज़्ज़ेदीन औनाही ने दूसरे हाफ में दो गोल दागे, जबकि इंजरी टाइम में सुफियान रहीमी ने तीसरा गोल कर जीत पर मुहर लगा दी। अब मोरक्को का सामना 9 जुलाई को बोस्टन में होने वाले क्वार्टर फाइनल में फ्रांस और पराग्वे के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा।

पहले हाफ में कनाडा का दबदबा, लेकिन गोल नहीं

मुकाबले की शुरुआत में कनाडा ने शानदार खेल दिखाया और लगातार आक्रमण करते हुए मोरक्को की रक्षा पंक्ति पर दबाव बनाया। मैच का पहला बड़ा मौका कनाडा को मिला, जब अली अहमद के पास पर तानी ओलुवासेयी गोलकीपर के सामने पहुंच गए। हालांकि, मोरक्को के कनाडा में जन्मे गोलकीपर यासीन बूनू ने शानदार बचाव कर अपनी टीम को शुरुआती झटका लगने से बचा लिया। पहले हाफ में मोरक्को को उस समय बड़ा झटका लगा, जब टूर्नामेंट के उनके शीर्ष स्कोरर इस्माइल साइबारी मांसपेशियों में चोट के कारण 22वें मिनट में मैदान छोड़ने पर मजबूर हो गए। उनकी जगह सुफियान रहीमी को उतारा गया।

दूसरे हाफ में औनाही का जलवा

ब्रेक के बाद मोरक्को ने पूरी तरह मैच का रुख बदल दिया। 50वें मिनट में अशरफ हाकिमी के शानदार सेट-पीस पास पर अज़्ज़ेदीन औनाही ने बॉक्स के बाहर से बेहतरीन पहली टाइमिंग वाला शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया और मोरक्को को 1-0 की बढ़त दिलाई। इस गोल के बाद मोरक्को का आत्मविश्वास बढ़ गया, जबकि कनाडा की टीम दबाव में आ गई। 82वें मिनट में तेज जवाबी हमले के दौरान ब्राहिम डियाज के पास पर औनाही ने अपना दूसरा गोल दागते हुए स्कोर 2-0 कर दिया।

रहीमी ने जीत पर लगाई मुहर

इंजरी टाइम (90+8वें मिनट) में ब्राहिम डियाज के शानदार थ्रू पास पर सुफियान रहीमी ने गोल दागकर मोरक्को की 3-0 की शानदार जीत सुनिश्चित कर दी। रहीमी इससे पहले एक हेडर में क्रॉसबार से भी टकराए थे, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपना नाम स्कोरशीट में दर्ज करा ही लिया।

मोरक्को ने रचा इतिहास

इस जीत के साथ मोरक्को लगातार दूसरी बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। इसके साथ ही वह विश्व कप इतिहास में एक से अधिक बार अंतिम-8 में पहुंचने वाला पहला अफ्रीकी देश बन गया। कतर 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंचकर इतिहास रचने वाली एटलस लायंस की टीम ने एक बार फिर खिताब की दौड़ में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। वहीं, कनाडा का शानदार विश्व कप अभियान राउंड ऑफ-16 में समाप्त हो गया। हालांकि, इस टूर्नामेंट में टीम ने पहली बार विश्व कप में मैच जीतने के साथ नॉकआउट चरण तक पहुंचकर अपने देश के फुटबॉल इतिहास में नया अध्याय जरूर जोड़ा।

खत्म हो गई मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच दुश्मनी

चेन्नई, एजेंसी। एक समय भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित विवाद का हिस्सा रहे मुरली विजय और दिनेश कार्तिक अब शायद पुराने मतभेदों को पीछे छोड़ चुके हैं। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुरली विजय ने अपने संबोधन के दौरान दिनेश कार्तिक को लेकर ऐसी बातें कहीं, जिसने क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर दिया। वर्षों तक एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने वाले विजय ने सार्वजनिक मंच से कार्तिक की तारीफ करते हुए उन्हें अपना बेहद अजीज दोस्त बताया।

मंच से दिनेश कार्तिक की जमकर तारीफ

अपने भाषण में मुरली विजय ने कहा कि वह बचपन से दिनेश कार्तिक को खेलते हुए देख रहे हैं और उनके खेल के हमेशा प्रशंसक रहे हैं। उन्होंने कहा, 'अब मुझे दिनेश कार्तिक के बारे में बात करनी है। यह सुनने में थोड़ा अजीब लग सकता है, लेकिन मैं उन्हें बचपन से देखता आया हूं। वह तमिलनाडु के इतिहास के सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं। वह एक बेहद गतिशील व्यक्तित्व के मालिक और मेरे बेहद अजीज दोस्त हैं।'

विजय ने आगे कहा, 'मैंने नॉन-स्ट्राइकर एंड से कई बार उनकी बल्लेबाजी को करीब से देखा है। उनके जैसा खेलते हुए मैंने किसी और को नहीं देखा। वह शानदार क्रिकेटर हैं। उनके अनुभव और क्रिकेट की समझ ने मेरे करियर में काफी मदद की है और इसके लिए मैं मंच से उनका दिल से धन्यवाद करना चाहता हूं।'

क्या था दोनों के बीच विवाद?

मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के बीच का विवाद 2010 के शुरुआती वर्षों में सामने आया था। उस समय दोनों तमिलनाडु और भारतीय टीम के लिए साथ खेलते थे और बेहद करीबी दोस्त माने जाते थे। बाद में दिनेश कार्तिक और उनकी तत्कालीन पत्नी निकिता वंजारा का रिश्ता टूट गया। इसके बाद निकिता ने मुरली विजय से शादी कर ली। इस घटना के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच दूरियां बढ़ गईं। हालांकि, दोनों ने कभी भी सार्वजनिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ बयानबाजी नहीं की।

शानदार वापसी की

निजी जीवन में बड़े झटके के बावजूद दिनेश कार्तिक ने क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने खुद को भारत के भरोसेमंद फिनिशर के रूप में स्थापित किया और कई यादगार पारियां खेलीं। बाद में उन्होंने भारतीय स्क्वैश स्टार दीपिका पल्लीकल से शादी की। हाल ही में क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद वह आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा हैं और क्रिकेट कमेंट्री व विश्लेषण में भी सक्रिय हैं। मुरली विजय के इस भावुक बयान को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है।

संजू सैमसन के समर्थन में उतरे अंबाती रायुडू

लंदन। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिला, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया। इस फैसले के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने संजू के समर्थन में सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया। रायुडू ने कहा कि सूर्यवंशी का डेब्यू जश्न मनाने लायक है, लेकिन संजू सैमसन के हालिया योगदान को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रायुडू ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, 'आइए संजू सैमसन के बारे में भी एक पल सोचें। वैभव को डेब्यू करते देखना बेहद खुशी की बात है और इसका जश्न मनाया जाना चाहिए, लेकिन यह मत भूलिए कि सिर्फ तीन टी20 मैच पहले संजू टी20 विश्व कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' थे। मुझे उम्मीद है कि वह दमदार वापसी करेंगे। साथ ही मैं वैभव सूर्यवंशी के लंबे और रिकॉर्ड तोड़ने वाले करियर की भी शुभकामनाएं देता हूं।'संजू सैमसन पहले टी20 मुकाबले में सिर्फ सात गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए थे। इसके बाद टीम प्रबंधन ने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करते हुए युवा वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया।

प्रज्ञानंद ब्लिट्स में पिछड़े, अलीरेजा ने बढ़त बनाई

जागरेब(एजेंसी)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड वर्ग वाला अपना शानदार फॉर्म दोहराने में नाकाम रहे और ब्लिट्ज वर्ग के शुरुआती नौ दौर में सिर्फ 3.5 अंक ही हासिल कर पाए। इस बीच फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने शानदार खेल दिखाते हुए एकल बढ़त बना ली है। प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दिन का खेल बाकी है।

प्रज्ञानंद चौथे स्थान पर खिसके

अलीरेजा ने तेज खेल वाले प्रारूप में कमाल का खेल दिखाया और नौ में से आठ अंक हासिल किए। उन्होंने 20 अंक के साथ अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वियों उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव पर तीन अंक की बड़ी बढ़त बना ली है। प्रज्ञानंद 15.5 अंक के साथ चौथे स्थान पर खिसक गए, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश का दिन भी औसत रहा और वे 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सबसे दमदार प्रदर्शन में से एक में अलीरेजा ने आधे खिलाड़ियों को कम से कम सात अंक पीछे छोड़ दिया है। जर्मनी के विन्सेंट कीमर 13 अंक के साथ छठे स्थान पर हैं। नीदरलैंड के अनीश गिरी उनसे आधा अंक पीछे हैं, जबकि रोमानिया के डीक बोगदान डैनियल के 11.5 अंक हैं। नीदरलैंड के जोर्डन वैन फोरेस्ट उनसे दो अंक और पीछे हैं, जबकि क्रोएशिया के इवान सारिक सिर्फ पांच अंक के साथ सबसे नीचे हैं।

ब्लिट्ज वर्ग में नौ दौर का खेल शेष

रैपिड वर्ग के बाद अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर चल रहे प्रज्ञानंद ब्लिट्ज वर्ग में अपनी लय खो बैठे। दिन की शुरुआत कीमर पर जीत के साथ करने के बाद प्रज्ञानंद ने गिरी के साथ अगली बाजी ड्रॉ खेली लेकिन फिर लगातार चार हार ने उनके आत्मविश्वास को कम कर दिया। टूर्नामेंट के चौथे दिन भारतीय खिलाड़ी ने आठ में से 3.5 अंक जुटाए। गुकेश के लिए भी स्थिति काफी अलग नहीं थी लेकिन उन्होंने प्रज्ञानंद से आधा अंक अधिक हासिल किया। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन ने चार बाजी गंवाई। ब्लिट्ज वर्ग में अब भी नौ दौर खेले जाने बाकी हैं लेकिन शीर्ष स्थान शायद पहले ही तय हो चुका है। अगर प्रज्ञानंद इस टूर्नामेंट के आखिरी दिन लय वापस पा लेते हैं तो उनके पास अब भी पोडियम पर जगह बनाने का मौका होगा।

फ्रांस-पराग्वे के खिलाड़ी भिड़े, हुई धक्का-मुक्की

फ्रांस और पराग्वे के बीच राउंड ऑफ-16 मुकाबले की आखिरी सीटी बजते ही मैदान पर माहौल गर्म हो गया। दोनों टीमों के खिलाड़ी आमने-सामने आ गए और कुछ देर तक धक्का-मुक्की भी देखने को मिली। मैच के दौरान ही फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे और पराग्वे के गोलकीपर ऑरलैंडो गिल के बीच भी तनातनी हो गई। एमबाप्पे ने गिल से हाथ नहीं मिलाया, जिसके बाद नाराज गोलकीपर ने उनके जाते समय पीठ पर मैच बॉल फेंक दी। हालांकि, फ्रांसीसी स्टार ने पलटकर कोई जवाब नहीं दिया और अपनी टीम के साथ जीत का जश्न मनाते रहे।मैच में दोनों टीमों के बीच 70 मिनट तक कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के दौरान कई ऐसे पल आए, जब दोनों टीमों के खिलाड़ी भिड़ने पर आ गए। पर एक वक्त एमबाप्पे की लड़ाई पराग्वे के डिएगो गोमेज से हो गई। इसके बाद पराग्वे के खिलाड़ी एमबाप्पे को धक्का देने लगे। इस पर फ्रांस के खिलाड़ी भी पहुंच गए और जमकर धक्का मुक्की हुई। रेफरी पहले तो बीचबचाव करते हुए एमबाप्पे को साइड ले जाते दिखे, फिर जब दोनों टीमों के खिलाड़ी आ गए तो रेफरी ने किनारा कर लिया।

महानगर मेट्रो
www.mahanagarmetro.com

सामंथा की 'मां इंटी बंगारम' का बनेगा सीक्वल

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'मां इंटी बंगारम' का सीक्वल बनने वाला है। इस बात की पुष्टि खुद फिल्म के राइटर राज निदिमोरू ने की है। जानिए उन्होंने क्या कुछ कहा।

'मां इंटी बंगारम' की जबरदस्त सफलता के बाद विजाग में एक ग्रैंड सक्सेस मीट रखा गया था। इसी दौरान राज निदिमोरू ने फैंस को सरप्राइज देते हुए बताया कि फिल्म का दूसरा पार्ट भी आएगा। राज ने पहले वहां मौजूद लोगों से पूछा कि क्या वे इस कहानी को आगे बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। जैसे ही लोगों ने जोरदार तालियां और चीयर किया, उन्होंने सीक्वल की घोषणा कर दी। उन्होंने कहा, 'मेरे दिमाग में पहले से एक आइडिया है। वही टीम इस पर काम करेगी। पहली बार मुझे किसी फिल्म का दूसरा पार्ट बनाने की प्रेरणा मिली है। इसमें दोगुना मजा और दोगुना एक्साइटमेंट होगा। आगे चलकर मैं इसके बारे में और जानकारी दूंगा।'

राज ने यह भी बताया कि 'मां इंटी बंगारम' को लोगों से इतना प्यार मिला कि उन्हें अपने पुराने हिट प्रोजेक्ट्स से भी ज्यादा खुशी हुई, क्योंकि यह फिल्म सीधे दिल को छू गई। नंदिनी रेड्डी के निर्देशन में बनी इस फिल्म में सामंथा रुथ प्रभु के साथ गुलशन देवैया, श्रीमुखी और दिगंत मंचले नजर आए। इस फिल्म को सामंथा, राज निदिमोरू और हिमांशु ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। बॉक्स ऑफिस की बात करें तो यह फिल्म महिला लीड पर आधारित फिल्मों में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है।

1980 के दौर पर आधारित इस कहानी में सामंथा 'स्वर्णा' का किरदार निभा रही हैं, जो अपने परिवार की मर्जी के खिलाफ एक डॉक्टर से शादी करती है। शुरुआत में उसे ससुराल वालों का प्यार नहीं मिलता, लेकिन धीरे-धीरे वह सबका दिल जीत लेती है। तभी उसका अतीत लौटकर उसकी जिंदगी में उथल-पुथल मचा देता है।

सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अभिनेता सनी देओल के साथ काम करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अभिनेता के साथ काम करना, उनके करियर के लिए सौभाग्य की बात है। फिल्म 'इक्का' में दीया मिर्जा और सनी देओल साथ दिखाई देंगे। 'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए दीया ने कहा कि वह हमेशा से देओल परिवार की प्रशंसक रही हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने की वजह बताते हुए दीया ने कहा, 'जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह बहुत दिलचस्प, मानवीय और दमदार लगी। इसमें किरदारों को बहुत अनोखे, दिलचस्प और आकर्षक ढंग से दिखाया गया है, इसलिए मुझे हां कहना ही पड़ा। सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात है और मैं इसे लेकर बहुत खुश थी।' उन्होंने अपने को-स्टार्स तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की।

दीया मिर्जा ने कहा कि मैं हमेशा से देओल परिवार की दयालुता, उदारता और जमीन से जुड़े रहने की तारीफ करती रही हूं। सनी देओल बिल्कुल वैसे ही हैं जैसा मैंने सोचा था, बल्कि उससे भी बेहतर। मैंने टीजर लॉन्च के समय भी यह बात कही थी। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना जिसमें तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार हों, यह सच में अद्भुत है और सिद्धार्थ ने कहानी को बहुत संवेदनशीलता और समझदारी से पेश किया है। दीया मिर्जा ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि अवंतिका एक ऐसी महिला है जो अपने आसपास के लोगों को अपनापन, हिम्मत और स्थिरता देती है, तब भी जब जिंदगी बहुत अनिश्चित हो जाती है। मैं उसकी हिम्मत और उस शांत साहस से प्रभावित हुई जिसके साथ वह अपनी चुनौतियों का सामना करती है। उन्होंने कहा कि 'इक्का' की खासियत यह है कि कोर्टरूम ड्रामा के पीछे परिवार, प्यार और मुश्किल फैसलों की एक गहरी मानवीय कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर एक ऐसी कहानी के साथ वापसी करके बहुत खुश हूं जो भावनात्मक रूप से समृद्ध और बहुत दिलचस्प है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे जरूर देखेंगे।

फिल्म 'मारिया' को जल्दबाजी में रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं रोहित शेट्टी

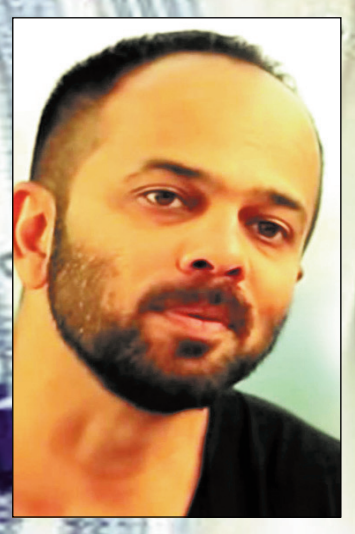

जॉन अब्राहम-तमन्ना भाटिया स्टारर प्रोजेक्ट 'मारिया' लगभग तैयार हो गया है। निर्देशक रोहित शेट्टी निर्देशित इस फिल्म में राकेश मारिया की जिंदगी और मुंबई अंडरवर्ल्ड की असली जंग पर आधारित कहानी देखने को मिलेगी। हालांकि दर्शकों को इसकी रिलीज के लिए थोड़ा इंतजार करना होगा। आमतौर पर किसी फिल्म की 95 फीसदी शूटिंग पूरी हो जाए तो मेकर्स रिलीज डेट तलाशने लगते हैं लेकिन रोहित की इस महत्वाकांक्षी फिल्म 'मारिया' की स्थिति इसके ठीक उलट है। यह प्रोजेक्ट लगभग तैयार माना जा रहा है, बावजूद इसके इसकी बची हुई शूटिंग और रिलीज दोनों फिलहाल थमी हुई हैं। सूत्रों के मुताबिक इसकी सबसे बड़ी वजह ये है कि रोहित का पूरा ध्यान इस समय अपनी कॉमेडी फ्रेंचाइज गोलमाल पर है।

एसेल स्टूडियो से हुई थी शुरुआत, कुछ पैचवर्क का काम है बाकी

सूत्रों के अनुसार फिल्म की मुख्य शूटिंग तो काफी पहले पूरी हो चुकी है पर अभी कुछ पैचवर्क, क्लोज-अप शॉट्स और सीमित सीक्वेंस ही बाकी हैं। तकनीकी तौर पर प्रोजेक्ट लगभग तैयार है लेकिन मेकर्स जल्दबाजी में इसे रिलीज करने के पक्ष में नहीं हैं। फिल्म की शुरुआत मुंबई के ट्रॉम्बे स्थित एसेल स्टूडियो से हुई थी, जहां पुलिस मुख्यालय, जांच कक्ष और प्रशासनिक दफ्तरों के बड़े सेट तैयार किए गए थे।

बॉलीवुड बनाम रीजनल सिनेमा की तुलना पर बोलीं दिव्या दत्ता

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं।

असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है।'' दिव्या दत्ता ने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है। चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।''

सेफ हैंड में है मेरा हिंदी डेब्यू
अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म के संगीत को लेकर उत्साहित हैं जीवी प्रकाश

तमिल और तेलुगु सिनेमा में एक म्यूजिक कंपोजर के तौर पर अपनी पहचान बनाने के बाद जीवी प्रकाश कुमार अब 'नई नवेली' के साथ अपनी पहली बड़ी हिंदी फिल्म का म्यूजिक देने के लिए तैयार हैं। यह प्रोजेक्ट आनंद एल राय के प्रोडक्शन हाउस का है और इसे बालाजी मोहन डायरेक्ट कर रहे हैं। म्यूजिशियन जो एआर रहमान के भतीजे भी हैं ने यामी गौतम धर की फिल्म के लिए म्यूजिक बनाने, लिप-सिंक गानों के सदाबहार आकर्षण और अपनी फीस को लेकर उड़ रही अफवाहों के बारे में बात की।

अपने डेब्यू को बताया दिलचस्प

'नई नवेली' के लिए अपना पहला पूरा हिंदी म्यूजिक स्कोर तैयार करने के बारे में 'वैरायटी इंडिया' से बात करते हुए जीवी प्रकाश कुमार ने हिंदी सिनेमा में अपने सफर को याद किया। प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि मुझे 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' पर काम करने का मौका मिला, क्योंकि अनुराग कश्यप मेरे बहुत अच्छे दोस्त थे। लेकिन यह मेरे लिए पूरी तरह से हिंदी डेब्यू नहीं था। जहां तक आनंद एल राय के बैनर तले बन रही 'नई नवेली' की बात है, तो मैं इसके सभी गाने कंपोज कर रहा हूं। यह बहुत दिलचस्प होगा। मुझे यकीन है कि गाने बहुत अच्छे बनेंगे। यामी गौतम इसमें लीड रोल निभा रही हैं। हम सब जानते हैं कि वह कितनी खूबसूरती से भावनाएं जाहिर करती हैं। इसलिए मेरे गाने सुरक्षित हाथों में हैं। 'नई नवेली', जिसे बालाजी मोहन डायरेक्ट कर रहे हैं एक ऐसी फिल्म होगी जिसका बेसब्री से इंतजार रहेगा।

हर म्यूजिक स्कोर मेरे लिए एक चुनौती है

जब उनसे पूछा गया कि क्या हिंदी फिल्म के लिए म्यूजिक बनाना तमिल या तेलुगु प्रोजेक्ट पर काम करने से अलग लगता है? इस पर संगीतकार ने तुरंत किसी भी तरह के फर्क की बात को नकार दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए यह तेलुगु या तमिल फिल्म से अलग नहीं है। हर म्यूजिक स्कोर मेरे लिए एक चुनौती होती है। भाषा से कोई फर्क नहीं पड़ता। मैं हर स्कोर को ऐसे बनाता हूं जैसे वह मेरा पहला स्कोर हो।

म्यूजिक कंपोजर के साथ सिंगर और एक्टर भी हैं जीवी प्रकाश

जीवी प्रकाश कुमार एक म्यूजिक कंपोजर, सिंगर और एक्टर हैं। उन्होंने 120 से ज्यादा तमिल और तेलुगु फिल्मों में काम किया है। उन्हें 'सूरराई पोटरु' के लिए बेस्ट म्यूजिक डायरेक्शन का नेशनल अवॉर्ड मिला। वे मशहूर म्यूजिक कंपोजर एआर रहमान के भांजे हैं। म्यूजिक के अलावा वो तमिल सिनेमा में एक लोकप्रिय एक्टर भी हैं और अपनी 2015 की फिल्म 'डार्लिंग' के लिए जाने जाते हैं।

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

रियलिटी शो से लेकर टीवी और अब ओटीटी तक शालीन भनोट ने अपने करियर में लगातार नए मोड़ देखे हैं। उतार-चढ़ाव, चर्चाओं और निजी जिंदगी पर हुई सार्वजनिक बहसों के बीच उन्होंने एक बात नहीं बदली, जहां जरूरी नहीं होता, वहां वह चुप रहना बेहतर है। अपने किरदारों के लिए सख्त अनुशासन अपनाने वाले शालीन मानते हैं कि फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन जितना कठिन होता है, उतना ही चुनौतीपूर्ण मानसिक बदलाव भी होता है। पिछले दिनों अपनी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में रहे।

शालीन ने कहा- मेरी जिंदगी के कई फेज पब्लिक डिस्कशन में रहे पर मैंने कोई दूरी नहीं बनाई। दरअसल, मेरी पर्सनल लाइफ मेरी है। मेरा अपना एक दायरा है और मैं उसे हमेशा मेंटेन करता हूं। मैं हमेशा से ऐसा करता आया हूं। प्रोफेशनल लाइफ अपनी जगह है। मुझे इसमें कोई तकलीफ नहीं होती। मैंने कोई दायरा बनाने के बारे में अलग से सोचा भी नहीं है। मेरी पब्लिक मेरी सब कुछ है। आज मेरे करोड़ों फॉलोअर्स हैं। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर हैं, उन्हें मेरे बारे में सब पता है। मुझे उसमें कोई शर्म नहीं है और मैं किसी को जज भी नहीं करता। जहां मुझे नहीं बोलना होता, वहां मैं नहीं बोलता और वैसे ही अपनी पब्लिक को भी नहीं बोलता। बाकी मेरे घर में ना मीडिया वाले घुसते और ना ही फैंस क्योंकि सबकी एक सीमा होती है। मेरे लिए फिजिकल और इमोशनल दोनों ही ट्रांसफॉर्मेशन मुश्किल हैं। अगर कोई बोले कि दो महीने के अंदर पूरा लुक बदलना है तो बहुत मुश्किल हो जाती है। मैंने करके देखा है इसलिए कह रहा हूं। फिजिकल के अलावा कई बार मेंटली ज्यादा चैलेंजिंग हो जाता है। दरअसल, बोला जाता है कि यह नहीं, वो नहीं खाना है, तीन महीने बाद यह करना है। मैंने भी करीब 110 दिन बहुत डिसिप्लिन से काम किया।

पुलिसवालों के प्रति मेरी समझ बहुत बढ़ गई

एक कॉप का कैरेक्टर करने के बाद मेरी उनके प्रति समझ बहुत बढ़ गई है। कई बार हमें लगता है कि एयर होस्टेज का काम सिर्फ पानी और खाना देना है लेकिन ऐसा नहीं है। आप जब दूसरी तरफ का काम समझते हैं तो पता चलता है कि वह कितना महत्वपूर्ण है। वह आपातकाल परिस्थितियों में आपकी जान बचाती हैं। उन्हें मेडिकल नॉलेज भी दी जाती है। इसी तरह, जब पुलिसवाले को देखते हैं तो आपको लगता है कि अच्छा, यही उनका काम है लेकिन असल में उनका काम बहुत मुश्किल होता है। उसमें सही और गलत की परख करना मुश्किल है। एक पुलिसवाले के लिए, वो भी एक एनकाउंटर स्पेशलिस्ट के लिए यह और कठिन हो जाता है। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट जो होता है, उसे एक सेकेंड में सही और गलत का फैसला करना होता है। कहां गोली मारनी है, हवा में चलानी है, पैर पर हिट करना है, मारना है या नहीं मारना है? यह जजमेंट उसे उसी पल लेना होता है। आप जब इस बात को समझते हो तो पुलिस के लिए बहुत रिस्पेक्ट बढ़ जाती है। उन्हें किसी के जीवन के बारे में फैसला लेना पड़ता है। यह बहुत मुश्किल और ट्रिकी सिचुएशन होती है।

अभी तो बहुत सारे बदलाव आने बाकी हैं

मेरा सफर रोडीज, टीवी, फिक्शन, डांस रियलिटी, बिग बॉस, बेकाबू और अब ओटीटी तक आया है। इस सफर में मैं हर फेज के बाद बदल रहा हूं। यहां तक कि जीवन के हर पल में मैं खुद को बदलता हुआ महसूस कर रहा हूं। इस साल मुझे ऐसा लगता है कि मैं बहुत सीरियसली बदल रहा हूं। हर पड़ाव में मुझे बदलाव दिखे हैं। मैंने जब बिग बॉस किया था, वह भी बहुत बड़ा पड़ाव और बदलाव था। आप जब करोड़ों लोगों के सामने एकदम से बाहर आते हो तो वह पल कमाल होता है। मैं टोरंटो में था, वहां अपना शो कर रहा था। हजारों लोग आए थे। मैंने अपने लिए स्टेडियम भरे हुए देखे हैं। मुझे लगा कि वाह क्या बात है। फिर अगले ही पल दिलजीत दोसांझ का शो देख लिया तो मन छोटा हो गया कि अभी जिंदगी में आगे बहुत कुछ पाना बाकी है। अभी तो बहुत सारे चेंजेस आने हैं और मुझे लगता है कि सारे बदलाव अच्छे ही होंगे।

टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता

टीवी और ओटीटी, दोनों मीडियम अलग हैं। टीवी ने मुझे बहुत प्यार दिया है। टीवी जो मोहब्बत देता है, वो कोई नहीं दे सकता। इसके जरिए आप हर घर में पहुंच जाते हैं। आज जितना मैं जाना जाता हूं, वह टीवी की वजह से है। वही वेब की एक रिच मार्केट और ऑडियंस है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में दो महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म, चार गिरफ्तार

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के करीबी रिश्तेदार मोहम्मद रजा डार ने अपने साथियों के साथ मिलकर दो विदेशी महिलाओं से सामूहिक दुष्कर्म किया है। लाहौर की एक अदालत ने शुक्रवार को मुख्य आरोपी रजा डार और उनके साथियों-हसन रजा, सिकंदर खान और साजिद अली को पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया।एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि नीदरलैंड और वेनेजुएला की रहने वाली इन महिलाओं की मुलाकात अक्तूबर 2025 में सिंगापुर में रजा डार से हुई थी। रजा डार ने उन्हें पाकिस्तान बुलाया और 29 जून को लाहौर में अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किया।

यूक्रेन पर हमले तेज, रूस में ईंधन का संकट नहीं : पुतिन

कीव, एजेंसी। रूसी तेल रिफाइनरियों पर यूक्रेन के लगातार हमलों से देश में ईंधन संकट गहराने के बावजूद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस में स्थिति गंभीर नहीं है।पुतिन ने युद्धविराम के प्रस्तावों को खारिज करते हुए कहा, उनके लक्ष्य पूरे होने तक युद्ध जारी रहेगा। उन्होंने रूसी ऊर्जा क्षेत्र पर हुए हमलों को यूक्रेन की ऐसी चाल बताया है जिसका मकसद जंग में हुई क्षति से ध्यान भटकाना है। रूसी सेना ने बुधवार रात से बृहस्पतिवार सुबह तक कीव पर लगातार 11 घंटे तक बड़े पैमाने पर हमले किए, जिनमें 30 लोगों की मौत हो गई। कई नागरिक घायल हो गए। ये हमले अब तक के बड़े हमलों में से एक थे।

द.कोरिया : 2035 तक खुद के उपग्रह नेटवर्क की तैयारी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया ने 2035 तक खुद का उपग्रह नेटवर्क बनाने का एलान किया है। देश की सरकारी अंतरिक्ष एजेंसी (कासा) ने कहा, दक्षिण कोरिया सैकड़ों उपग्रहों से लैस अपना खुद का लो-अर्थ ऑर्बिट (लियो) उपग्रह संचार नेटवर्क बनाएगा। इसके साथ ही देश के पहले चंद्र मिशन के लक्ष्य को दो साल पहले यानी 2030 तक पूरा करने का फैसला किया गया है। जिंजू शहर में आयोजित एक सार्वजनिक ब्रीफिंग के दौरान कासा ने इस रणनीतिक योजना का अनावरण किया। योजना को मंजूरी मिल चुकी है।

सोशल मीडिया पाबंदी... बदलावों में देरी पर निंदा

केनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने बच्चों के सोशल मीडिया इस्तेमाल पर दुनिया में अपनी तरह के पहले प्रतिबंध में प्रस्तावित बदलावों को बाधित करने वाले सांसदों की निंदा की है। उन्होंने कहा, प्रौद्योगिकी कंपनियां देरी का लाभ उठाकर ऐसे दस्तावेज नष्ट कर सकती हैं जिनका उनके खिलाफ सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। सरकार ने इस सप्ताह संसद में संशोधन पेश किए थे, जिनका उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया की ऑनलाइन सुरक्षा निगरानी संस्था 'ई-सेफ्टी' की आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट की शक्तियां बढ़ाना था। ये संशोधन फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब समेत विभिन्न मंचों पर 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई बच्चों के खाते रखने पर दिसंबर से लागू प्रतिबंध को प्रभावी ढंग से लागू करने से संबंधित हैं। रूढ़िवादी विपक्षी लिबरल पार्टी और 'ऑस्ट्रेलियन ग्रीन्स पार्टी' ने इससे संबंधित विधेयक के मसौदे को आठ सप्ताह की सीनेट समीक्षा के लिए भेज दिया है।

लंदन में ईरानी पत्रकार पर हमले के दोषियों को जेल

लंदन, एजेंसी। लंदन की एक अदालत ने ईरानी पत्रकार पूरिया जेराती पर चाकू से हमला करने के मामले में शुक्रवार को दो रोमानियाई पुरुषों को सजा सुनाई। कोर्ट ने जॉर्ज स्टाना को 12 साल और नंदितो बादिया को 8 साल की जेल दी है। जज बॉबी चीमा-ग्रब ने कहा कि सबूतों से साफ पता चलता है कि यह हमला ईरान सरकार के इशारे पर किया गया था। मार्च 2024 में लंदन के विंबलडन इलाके में 'ईरान इंटरनेशनल' के एंकर पूरिया जेराती के पैर में चाकू मारा गया था। हमलावर वारदात के बाद हीथ्रो एयरपोर्ट से फरार हो गए थे। बाद में उन्हें रोमानिया से गिरफ्तार कर ब्रिटेन लाया गया। तीसरा संदिग्ध डेविड आंद्रेई फिलहाल रोमानिया में कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहा है।

पेरू में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा, केइको फुजीमोरी ने दर्ज की जीत

लीमा, एजेंसी। पेरू में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा हो गई है। रूढ़िवादी नेता केइको फुजीमोरी ने इस कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की है। देश की शीर्ष चुनाव संस्था ने शुक्रवार को उनकी जीत पर मुहर लगा दी। 51 साल की केइको पूर्व राष्ट्रपति अल्बर्टो फुजीमोरी की बेटी हैं। वह चौथी बार राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल हुई थीं। चुनाव अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, केइको को कुल 50.135 प्रतिशत (9,223,000) वोट मिले।

खामेनेई के जनाजे में भावुक हुए राष्ट्रपति और स्पीकर... नम आंखों से विदा करने पहुंचे लाखों लोग

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे की विशाल तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। शनिवार से शुरू होने वाले इस बड़े अंतिम संस्कार से पहले तेहरान में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में भावुक माहौल दिखा। समारोह के दौरान ईरान के वर्तमान राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बघेर गालिबाफ भावुक होकर रो पड़े। इन बड़े नेताओं के साथ पूरी देश की लीडरशिप भारी भीड़ के सामने फूट-फूटकर रोती हुई नजर आई। इस विशाल और ऐतिहासिक जनाजे में बहुत ही बड़ी संख्या में देश के आम नागरिक और दुनिया के कई नेता पहुंचे हैं। ईरान की सरकार इसे केवल एक साधारण शोक समारोह नहीं बल्कि अपनी मजबूत राष्ट्रीय एकता और राजनीतिक मजबूती मान रही है। इसके जरिए युद्ध के बाद देश की जनता के सामने अपनी विशाल शक्ति का बड़ा प्रदर्शन भी किया जा रहा है। तेहरान की सड़कों पर बैनर लगाए गए हैं जिन पर अरबी, फारसी और अंग्रेजी में खास संदेश लिखे गए हैं।

परिजनों के ताबूत भी रखे गए : राजधानी तेहरान के ग्रैंड मोसल्ला परिसर में पूर्व सुप्रीम लीडर खामेनेई का राष्ट्रीय ध्वज से पूरी तरह से ढका हुआ पवित्र ताबूत भारी सम्मान के साथ रखा गया। उनके साथ उन अन्य परिजनों के ताबूत भी कतार में रखे गए जिनकी मौत युद्ध के पहले ही दिन हुए खतरनाक हवाई हमले में हुई थी। मरने वालों में उनके दामाद, बड़ी बेटी, 14 महीने की पोती और देश के नए

सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई की पत्नी शामिल थीं।

आशीर्वाद के लिए उमड़ा जनसैलाब : इस भव्य समारोह में एक बेहद भावुक दृश्य तब साफ देखने को मिला जब शोक में डूबे हजारों लोग अपने वस्त्र ताबूत से स्पर्श करवा रहे थे। इन चीजों को पवित्र ताबूत से स्पर्श कराने को ईरान में बहुत ही पवित्र और बड़े आशीर्वाद का प्रतीक माना जाता है। बाद में खामेनेई के ताबूत को एक बड़े लाल झंडे से ढका गया जिस पर अरबी भाषा में 'या हुसैन' का नारा लिखा था।

शक्ति और एकता का कड़ा संदेश : तेहरान की सड़कों पर लगे बैनरों पर 'हमें उठ खड़ा होना होगा' जैसे संदेश लिखे गए हैं ताकि आम जनता एकजुट रहे। ताबूत पर रखा गया लाल झंडा हमेशा से अन्याय के खिलाफ कड़े संघर्ष और दुश्मनों से भारी बदले के बड़े संकल्प का एक अहम प्रतीक है। इसी बीच ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड के वरिष्ठ कमांडर जनरल अहमद वाहिदी भी कई महीनों बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए।

कई दिनों तक चलेगा शोक कार्यक्रम : शनिवार के दिन से शुरू होने वाला यह ऐतिहासिक और विशाल शोक समारोह लगातार कई दिनों तक ईरान में पूरे राष्ट्रीय सम्मान के साथ आयोजित किया जाएगा। खामेनेई के पार्थिव शरीर को ईरान के विभिन्न बड़े शहरों के साथ-साथ पड़ोसी देश इराक के पवित्र स्थानों पर भी अंतिम दर्शन के लिए ले जाया जाएगा। इस पूरी अवधि के दौरान तेहरान में सुरक्षा कारणों से कई अहम सड़कें बंद रहेंगी, हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध रहेगा और शोक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

ईरानी नेताओं की आंख से छलके आंसू : खामेनेई को विदाई देते हुए ईरान के शीर्ष नेता अपने आंसू रोक नहीं पाए। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा जा सकता है कि उनकी अंतिम विदाई के दौरान विदेश मंत्री अब्बास अराघची और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गलिबाफ फूट-फूटकर रोने लगे। तेहरान के राज्यपाल मोहम्मद सादेग मोतामदियान ने कहा कि, इस पूरे कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

कांग्रेस पार्टी की ओर से सलमान खुर्शीद कर रहे नेतृत्व : पिछले तीन दशक से ईरान का नेतृत्व कर रहे खामेनेई की 28 फरवरी को तेहरान पर अमेरिका और इज़राइल के हवाई हमलों के पहले दिन मौत हो गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। साथ ही पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती और भारत से गए सिख, हिंदू, मुस्लिम और ईसाई धर्मगुरुओं ने भी दिवंगत ईरानी नेता को श्रद्धांजलि अर्पित की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उनकी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में पूछा गया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व किसने किया, क्योंकि इसमें कई लोग शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा, ''जहां तक भारत सरकार का सवाल है, हमने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। हमारी ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा आज तेहरान में ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता के अंतिम संस्कार से जुड़े कार्यक्रम में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

क्या पुतिन की कुर्सी जाने वाली है ! 2026 तक क्या बदल जाएगा रूस का बॉस इस बड़े दांव से मचा हड़कंप

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध के बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने अंतरराष्ट्रीय गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। दरअसल, एक ऑनलाइन ट्रेडर ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भविष्य को लेकर करोड़ों रुपये की बाजी लगा दी है। यह दांव ऐसे समय में लगाया गया है जब युद्ध के लंबा खिंचने के कारण रूस के भीतर पुतिन की लोकप्रियता और उनकी पकड़ को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

क्या सच में जा रही है पुतिन की कुर्सी : रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रेडिक्शन मार्केट प्लेटफॉर्म 'पोलीमार्केट' पर एक यूजर ने भारी-भरकम रकम दांव पर लगाई है। 'जेडनोटलुवुईसेमेज' नाम से मौजूद इस ट्रेडर ने करीब 4.09 लाख डॉलर, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 3.89 करोड़ रुपये होते हैं। उसने इस बात का दावा किया है कि व्लादिमीर पुतिन दिसंबर 2026 के अंत तक रूस के राष्ट्रपति पद पर नहीं रहेंगे। यदि यह अनुमान सही साबित होता है, तो इस शख्स को करीब 25 लाख डॉलर यानी 23,80,00,000 रुपये से अधिक की राशि का भुगतान किया जाएगा। हैरान करने वाली बात यह है कि इस ट्रेडर की प्रोफाइल फोटो में यूक्रेन का झंडा लगा हुआ है, जो इसके राजनीतिक झुकाव की ओर इशारा करता है। प्लेटफॉर्म पर फिलहाल इस घटना के सच होने की संभावना

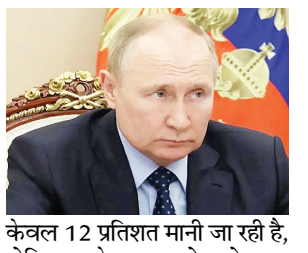

केवल 12 प्रतिशत मानी जा रही है, लेकिन इसके बावजूद ट्रेडर ने इतना बड़ा जोखिम उठाया है। इतना ही नहीं, इसी ट्रेडर ने यूक्रेन द्वारा क्रीमिया पर दोबारा कब्जा करने और अगस्त के अंत तक संभावित शांति समझौते पर भी अलग-अलग रकम की बाजी लगा रखी है।

पुतिन की लोकप्रियता में गिरावट : इस दांव के पीछे की वजह रूस के भीतर बदलते समीकरण भी हो सकते हैं। हाल ही में रूस की सरकारी पोल एजेंसी ने एक सर्वे जारी किया है, जिसमें पाया गया कि 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद पहली बार पुतिन की लोकप्रियता में इतनी तेज गिरावट आई है। केवल एक सप्ताह के भीतर उन पर जनता का भरोसा 3.4 प्रतिशत अंक कम हो गया है। महंगाई की बढ़ती मार, यूक्रेन के लंबी दूरी के मिसाइल हमले, ईंधन संकट और कई क्षेत्रों में इंटरनेट की पाबंदी ने आम रूसी नागरिकों के भीतर नाराजगी पैदा कर दी है। 'इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट स्टडीज एंड एनालिसिस ऑफ रशिया' की एक स्टडी के अनुसार, रूस में 10 में से 8 लोग चाहते हैं।

नेपाल में राष्ट्र सेवा प्रशिक्षण के लिए नए कानून की तैयारी

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार राष्ट्रीय सेवा दल से जुड़ा नया कानून लाने की तैयारी में है। इसके तहत किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। जरूरत पड़ने पर प्रशिक्षित लोगों को राष्ट्र सेवा के लिए स्वयंसेवक के रूप में तैनात किया जा सकेगा। रक्षा मंत्री का कार्यभार भी संभाल रहे प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह (बालेन) ने यह विधेयक संघीय संसद सचिवालय में पंजीकृत कराया है।

इस विधेयक के उद्देश्य स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि विद्यार्थियों में देशभक्ति, जनसेवा और राष्ट्रीय एकता की भावना विकसित की जाएगी। उन्हें नैतिक, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनाने पर भी जोर दिया जाएगा। विधेयक में कहा गया है कि राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण देकर राष्ट्र सेवा के लिए तैयार किया जा सकेगा। इसमें नेतृत्व क्षमता बढ़ाने और विकास व निर्माण कार्यों के लिए स्वयंसेवकों का समूह तैयार करने का भी प्रावधान है।

सेवा दल के प्रमुख संरक्षक होंगे प्रधानमंत्री : प्रस्ताव के अनुसार प्रधानमंत्री सेवा दल के प्रमुख संरक्षक और रक्षा मंत्री संरक्षक होंगे। नेपाल सरकार,

प्रधान सेनापति की सिफारिश पर अवकाश प्राप्त उपरथियों में से एक को दो वर्ष के लिए कार्यकारी महानिदेशक नियुक्त करेगी। विधेयक में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों, युद्ध या आंतरिक संघर्ष के समय किसी भी नेपाली नागरिक को प्रशिक्षण दिया जा सकेगा।

प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों और अन्य नागरिकों को मंत्रिपरिषद के तय नियमों के अनुसार राष्ट्र सेवा में लगाया जा सकेगा। कक्षा 8 से 10 तक के विद्यार्थियों को जूनियर और कक्षा 11-12 के विद्यार्थियों को सीनियर डिवीजन में प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए आवश्यक प्रशिक्षक नेपाली सेना उपलब्ध कराएगी।

एम्पायर स्टेट पर प्रपोज करने वाले रूसी कपल एंजेला और इवान को पुलिस ने किया है गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। 1 जुलाई 2026 को न्यूयॉर्क की 1,454 फीट (करीब 443 मीटर) ऊंची एम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना घटी है। रूस के रहने वाले मशहूर रूफटॉपर्स एंजेला निकोलाउ और इवान बीरकुस ने बिना किसी सुरक्षा उपकरण के इस गगनचुंबी इमारत के सबसे ऊपरी हिस्से पर पहुंचकर सगाई कर ली। 32 वर्षीय इवान ने 33 वर्षीय एंजेला को 103वीं मंजिल के स्पायर पर 443 मीटर की ऊंचाई पर शादी के लिए प्रपोज किया। दोनों ने वहां एक बड़ा बैनर भी फहराया जिस पर प्यार और शांति का एक खास संदेश बहुत ही स्पष्ट रूप से लिखा हुआ था।

इस बड़े और जोखिम भरे स्टंट के वीडियो सोशल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हो रहे हैं और पूरी दुनिया में इसकी भारी चर्चा हो रही है। लेकिन जैसे ही यह कपल अपना

हैरतअंगेज कारनामा पूरा करके वहां से नीचे उतरा, वैसे ही न्यूयॉर्क पुलिस ने उन दोनों को तुरंत अपनी हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने बताया कि ये दोनों बिना किसी आधिकारिक अनुमति के इमारत के अत्यंत प्रतिबंधित और सुरक्षित हिस्से में गैर-कानूनी तरीके से पूरी तरह घुस गए थे। उन पर आपराधिक अतिक्रमण, लापरवाही से दूसरों की जान खतरे में डालने और गंभीर चोरी जैसे बेहद सख्त आरोप भी लगाए गए हैं।

एम्पायर स्टेट बिल्डिंग का प्रबंधन : बिल्डिंग के प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि इस पूरी घटना के दौरान वहां मौजूद पर्यटकों या किसी भी कर्मचारी को कोई सीधा खतरा बिल्कुल भी नहीं हुआ। प्रबंधन ने यह भी साफ कहा कि अगर कोई अपने शादी के प्रस्ताव को यादगार बनाना चाहता है तो इसके लिए ऑब्जर्वेशन डेक पहले से मौजूद है। ऐसे जानलेवा और अत्यंत खतरनाक तरीके अपनाने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि इससे किसी भी वक्त कोई बड़ा और गंभीर हादसा हो सकता है।

दुनिया के मशहूर रूफटॉपर्स का इतिहास : यह कोई पहला मौका नहीं है जब एंजेला और इवान ने इतनी ऊंची इमारत पर अपना यह खतरनाक और हैरान करने वाला कारनामा दुनिया को दिखाया हो। ये दोनों पहले भी मलेशिया की दुनिया की दूसरी सबसे ऊंची इमारत मर्डेका 118 और चीन की गोल्डिन फाइनैंस 117 जैसी इमारतों पर सफलतापूर्वक चढ़ चुके हैं। इन दोनों की इसी बेहद खतरनाक और रोमांचक जिंदगी पर साल 2024 में नेटफ्लिक्स ने 'स्काइवॉकर्सः ए लव स्टोरी' नाम की चर्चित डॉक्यूमेंट्री भी बनाई थी। इवान का मानना है कि रूफटॉपिंग उन्हें जीने की बड़ी प्रेरणा देती है, वहीं एंजेला भी इस खतरनाक काम को अपनी एक खास कला मानती हैं। ये दोनों खुद यह बात स्वीकार कर चुके हैं कि उन्हें पहले भी कई अन्य देशों में ऐसे खतरनाक स्टंट के दौरान पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जा चुका है। एंजेला का कहना है कि जब बाकी लोग नियमों का पालन करते हैं, तब वे सिस्टम से सचमुच बहुत ऊपर जाकर असली रोमांच का बड़ा एहसास करते हैं। एम्पायर स्टेट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से तक पहुंचने का ऐसा कारनामा पहले बहुत ही कम लोगों ने किया है, जिनमें 1994 में फ्रांस के पर्वतारोही एलेन रॉबर्ट शामिल थे।

इराक में भ्रष्टाचार पर 'सर्जिकल स्ट्राइक'! आधी रात 'ग्रीन जोन' में घुसी फोर्स, सांसद-मंत्री समेत 47 गिरफ्तार

बगदाद , एजेंसी। इराक की राजनीति में उस वक्त हड़कंप मच गया जब राजधानी बगदाद के सबसे सुरक्षित माने जाने वाले 'ग्रीन जोन' में रविवार तड़के भारी सुरक्षा बलों ने छापेमारी शुरू की। प्रधानमंत्री अली अल जैदी के सीधे आदेश पर शुरू किए गए इस महाभियान के तहत अब तक 47 प्रभावशाली नेताओं और वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस कार्रवाई को इराक के इतिहास में भ्रष्टाचार के खिलाफ अब तक का सबसे कड़ा प्रहार माना जा रहा है। एलीट काउंटर टेररिज्म सर्विस ने संभाली कमान न्यूज एजेंसी रॉयटर्स और स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस ऑपरेशन को इराक की एलीट काउंटर टेररिज्म सर्विस ने अंजाम दिया। सुरक्षा बलों ने रविवार तड़के उन ठिकानों पर दबिश दी, जिन्हें सत्ता का केंद्र माना जाता है।

सरकारी समाचार एजेंसी आईएनए ने बताया कि पकड़े गए लोगों में कई वर्तमान सांसद और हाई-प्रोफाइल नौकरशाह शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरी कार्रवाई अदालत द्वारा जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट के आधार पर की गई है, जिससे यह स्पष्ट है कि सरकार ने इसके लिए पुख्ता कानूनी तैयारी की थी।

प्रधानमंत्री का 'भ्रष्टाचार मुक्त इराक' मिशन : इसी साल मई में सत्ता संभालने वाले प्रधानमंत्री अली अल जैदी ने पद की शपथ लेते ही जनता से वादा किया था कि वे सरकारी खजाने को लूटने वालों को नहीं छोड़ेंगे। सरकार के प्रवक्ता हैदर अल अबूदी ने मीडिया को बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सरकारी संस्थानों को मजबूत करना और सार्वजनिक धन की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। प्रधानमंत्री जैदी खुद इस पूरे ऑपरेशन की निगरानी कर रहे हैं, ताकि किसी भी तरह के राजनीतिक दबाव को टाला जा सके। इस भ्रष्टाचार नेटवर्क का खुलासा तब हुआ जब रिफाइनिंग मामलों के उप तेल मंत्री अदनान अल जुमैली को हिरासत में लिया गया। जांच एजेंसियों के मुताबिक, अल जुमैली की गिरफ्तारी के बाद हुई पूछताछ में कई चौंकाने वाले नाम सामने आए। उन्हीं के बयानों और मिले दस्तावेजों के आधार पर सुरक्षा बलों ने अन्य 46 अधिकारियों पर शिकंजा कसा है। हालांकि, रिपोर्टों में यह भी संकेत दिया गया है कि कुछ संदिग्ध अधिकारी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश में छापेमारी जारी है। इराक सरकार का कहना है कि यह केवल शुरुआत है और भ्रष्टाचार के इस विशाल नेटवर्क को पूरी तरह से ध्वस्त किया जाएगा। इस कार्रवाई ने न केवल इराक, बल्कि पूरे खाड़ी देशों में चर्चा छेड़ दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रधानमंत्री अली अल जैदी अपने इस अभियान में सफल रहते हैं, तो इससे इराक की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा सुधार देखने को मिल सकता है और विदेशी निवेशकों का भरोसा भी बहाल होगा।

ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर में मंदिर के लिए नहीं दी जमीन, चर्च और मुस्लिम ग्रुप को सौंप दी; त्योहार नहीं मना पाते हिंदू

नॉर्थस्टोव, एजेंसी। ब्रिटेन के कैम्ब्रिजशायर स्थित नए शहर नॉर्थस्टोव में अपना पहला पूजा स्थल बनाने की कोशिश कर रहे ब्रिटिश हिंदुओं को तगड़ा झटका लगा है। स्थानीय काउंसिल ने एक जमीन के टुकड़े को हिंदू चैरिटी को देने के बजाय एक चर्च और मुस्लिम ग्रुप को आवंटित कर दिया है। यह फैसला सामने आने के बाद इलाके में रहने वाले करीब 150 हिंदू परिवारों में काफी निराशा है।

क्या है पूरा मामला : साउथ कैम्ब्रिजशायर डिस्ट्रिक्ट काउंसिल ने 0.25 हेक्टेयर जमीन को 999 साल के लिए 'नॉर्थस्टोव चर्च नेटवर्क' को लीज पर दे दिया है। इसके लिए उन्हें सिर्फ नाममात्र का किराया चुकाना होगा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय निवासियों द्वारा बनाए गए 'हिंदू समाज नॉर्थस्टोव' ने भी इस जमीन के लिए बोली लगाई थी। उन्होंने यहां एक मंदिर के साथ-साथ 'सर्वधर्म' और वेलबीइंग सेंटर बनाने का प्रस्ताव रखा था। हालांकि, बोलियों का आकलन करने वाले काउंसिल के अधिकारियों ने एचएसएन के प्रस्ताव को 65% और एनसीएन के प्रस्ताव को 81% अंक दिए, जिसके कारण जमीन चर्च नेटवर्क को मिल गई।

मुस्लिम ग्रुप कैसे बना हिस्सेदार : नॉर्थस्टोव चर्च नेटवर्क के प्रस्ताव में नॉर्थस्टोव के मुसलमानों को मुख्य किरायेदार (एंकर टेनेंट) के रूप में शामिल किया गया था। इस प्रस्ताव में उनके लिए एक अलग इस्लामिक प्रार्थना कक्ष और शिक्षा केंद्र बनाने की बात शामिल है। नॉर्थस्टोव मुस्लिम ग्रुप के अध्यक्ष नवाश ने बताया कि शहर में लगभग 200 मुस्लिम हैं, जिन्हें दिन में पांच बार नमाज पढ़ने के लिए एक स्थायी जगह की जरूरत थी, क्योंकि कम्युनिटी स्पेस इतने लंबे समय तक खुले नहीं रहते। यही वजह है कि उन्होंने एंकर टेनेंट के तौर पर आवेदन किया था। वहीं, एनसीएन के प्रवक्ता का कहना है कि स्थानीय समुदायों और आस्था समूहों को भी जगह किराए पर लेने की अनुमति दी जाएगी। कैम्ब्रिजशायर में कई चर्च और मस्जिदें हैं, लेकिन एक भी हिंदू मंदिर नहीं है। हिंदुओं को पूजा करने के लिए दो घंटे का सफर तय करके बर्मिंघम या वेम्बली जाना पड़ता है। वे रात भर के लिए कम्युनिटी स्पेस किराए पर नहीं ले सकते, जिससे गणपति जैसे त्योहार मनाना मुश्किल हो जाता है। हालात ये हैं कि भगवान की मूर्तियों को कैरी बैग में रखकर गैराज में रखना पड़ता है। जगह-जगह ले जाने के कारण कई मूर्तियां खंडित भी हो गई हैं। उत्तर प्रदेश के कानपुर से यूके गए अभिषेक श्रीवास्तव कहते हैं कि उन्हें कभी-कभी लगता है कि यूके आकर उन्होंने गलती कर दी, क्योंकि उनके 9 और 12 साल के बच्चे हिंदू त्योहारों में हिस्सा नहीं ले पाते। वहीं, 16 साल की इवा का कहना है कि उसने कभी रात भर शिवरात्रि नहीं मनाई और न ही कभी 'हवन' देखा है।

बलूच लिबरेशन आर्मी ने कहा, 'एक ही मकसद...बलूचिस्तान की आजादी'

इस्लामाबाद, एजेंसी। बलूच लिबरेशन आर्मी ने ग्वादर में जिवानी के पनवान इलाके में पाकिस्तान कोस्ट गार्ड कैंप पर हुए जानलेवा फिदायीन हमले (सुसाइड कमांडो) की जिम्मेदारी ली है. द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, अलगाववादी समूह ने दावा किया है कि हमले में 30 से ज्यादा पाकिस्तानी कोस्ट गार्ड के जवान और दर्जनों घायल हो गए. रिपोर्ट के मुताबिक, यह खतरनाक ऑपरेशन शुक्रवार शाम को बीएलए की एलीट मजीद ब्रिगेड ने किया था. समूह ने बताया कि एक सुसाइड बॉम्बर, जिसकी पहचान अताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल के तौर पर हुई है, ने स्थानीय समय के मुताबिक शाम करीब 6:32 बजे विस्फोटकों से लदे माजदा ट्रक को मजबूत कोस्ट गार्ड कैंप में घुसा दिया. इस दौरान एक बड़ा धमाका हुआ. एक आधिकारिक बयान में, बीएलए के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि, इस जबरदस्त धमाके की वजह से, कोस्ट गार्ड्स का मजबूत कॉलोनियल कैंप पूरी तरह से मलबे के ढेर में बदल गया. बीएलए की मीडिया विंग, हक्कल ने 43 सेकंड का एक वीडियो क्लिप जारी किया, जिसमें कथित तौर पर एक खतरनाक धमाके से कुछ देर पहले विस्फोटकों से भरा ट्रक कैंप कंपाउंड में घुसता हुआ दिखाया गया है. चैनल द्वारा शेयर किए गए बाद के फुटेज से पता चला कि मिलिट्री कैंप का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह से जमींदोज (तबाह) हो गया था. ग्रुप ने कहा कि शुरुआती गाड़ी पर बमबारी के तुरंत बाद उसके टैक्टिकल विंग, फतेह स्क्वाड ने मिलकर जमीन पर हमला किया. बीएलए के बयान में कहा गया कि, हमले के तुरंत बाद, उनके संगठन की आगे की यूनिट, फतेह स्क्वाड, तेजी से और संगठित तरीके से आगे बढ़ी, और तबाह हुए कैंप पर चारों तरफ से हमला किया. बागियों ने दावा किया कि फतेह स्क्वाड के लड़ाकों ने बचे हुए कोस्ट गार्ड के लोगों से बहुत करीब से मुकाबला किया. उन्होंने कहा कि संयुक्त ऑपरेशन के दौरान 30 से ज्यादा लोग मारे गए. बीएलए प्रवक्ता

ने कहा कि, घायलों और मलबे में फंसे लोगों की गंभीर हालत को देखते हुए, दुश्मन के मारे जाने की संख्या में और बढ़ोतरी होने की बहुत ज्यादा संभावना है. बीएलए ने कहा कि वह जल्द ही अपने आधिकारिक चैनलों के जरिए ऑपरेशन की पूरी जानकारी जारी करेगा. बैन किए गए संगठन ने आगे कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों को टारगेट करने वाला उसका हथियारबंद कैंपेन तब तक उसी तेजी से जारी रहेगा जब तक कि बलूचिस्तान की पूरी आजादी का उसका आखिरी मकसद हासिल नहीं हो जाता. पाकिस्तानी मिलिट्री और सरकारी अधिकारियों ने अभी तक जिवानी हमले में मृतकों और घायलों की सही संख्या या हुए नुकसान की हद को पुष्टि करने वाला कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।

मजीद ब्रिगेड का आत्मघाती धमाका : जानकारी के मुताबिक, यह हमला ग्वादर के जिवानी इलाके के पनवान में स्थित पाकिस्तान कोस्ट गार्ड के कैंप पर हुआ। हमले की जिम्मेदारी बीएलए की सबसे खतरनाक विंग 'मजीद ब्रिगेड' ने ली है। रिपोर्ट के अनुसार, अताउल्लाह बलूच उर्फ अजमल नाम के एक आत्मघाती हमलावर ने शुक्रवार की शाम करीब 6:32 बजे विस्फोटकों से लदे एक भारी ट्रक को सीधे कोस्ट गार्ड के कैंप के भीतर घुसा दिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि कैंप की मजबूत इमारतें ताश के पत्तों की तरह ढह गईं और पूरा इलाका मलबे के ढेर में बदल गया। हैरानी की बात यह है कि बीएलए यहीं नहीं रुकी। आत्मघाती ट्रक बम धमाके के तुरंत बाद संगठन के 'फतेह स्क्वाड' ने जमीनी स्तर पर मोर्चा संभाल लिया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.